शुभ लाभ (कन्नड़ लिपि में)
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुझे न्यायपालिका पर भरोसा है सत्य की हमेशा जीत होगी: सीएम @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 04 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-275

जेलों में जातीय भेदभाव पर सुप्रीम कोर्ट सख्त नाराज

नेताओं के घिनौने जातिवादी खेल पर सुप्रीम कोर्ट चुप

17 राज्यों के जेल मैनुअल में होगा जरूरी संशोधन

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की सर्वोच्च अदालत ने जेल में जाति प्रथा के पुराने चलन को जारी रखने के खिलाफ आज अपना महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। लेकिन देश में राजनीतिक दल जिस तरह से घिनौने स्तर पर जाति की राजनीति कर रहे हैं, उस पर सुप्रीम कोर्ट स्वतः संज्ञान लेकर की फैसला नहीं सुना रही। सुप्रीम कोर्ट के कई फैसले अत्यंत महत्वपूर्ण हुए हैं, लेकिन वे फैसले कमजोर सामर्थ्य वाले विभागों, अधिकारियों और संस्थाओं के को प्रभावित करने वाले होते हैं। सामर्थ्यवान नेताओं, राजनीतिक दलों और पूंजी से ताकतवर तत्वों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का कोई फैसला स्मरणीय नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने जाति आधारित भेदभाव से जुड़ी याचिका पर अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया है, लेकिन वह फैसला जेल विभाग को लेकर केंद्रित है। अदालत ने कहा कि जेल में निचली जातियों को सफाई और झाड़ू लगाने का काम सौंपकर और उच्च जाति को खाना पकाने का काम सौंपकर सीधे तौर पर भेदभाव किया जाता है और यह संविधान के अनुच्छेद 15 का उल्लंघन है। साथ ही शीर्ष अदालत ने कुछ राज्यों के जेल मैनुअल के भेदभावपूर्ण प्रा-वधानों को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने जाति आधारित भेदभाव, कार्य बंटवारे और कैदियों को उनकी जाति के अनुसार अलग वार्डों में रखने की प्रथा की कड़ी निंदा की। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने जेलों में जाति आधारित भेदभाव रोकने के लिए कई निर्देश भी जारी किए।

राज्यों को तीन महीने का अल्टीमेटम दिया गया

17 राज्यों में केवल 5 राज्यों ने दिया था जवाब

शीर्ष अदालत में दाखिल याचिका में आरोप लगाया गया था कि देश के कुछ राज्यों के जेल मैनुअल जाति आधारित भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत 17 राज्यों से जेल के अंदर जातिगत भेदभाव और जेलों में कैदियों को जाति के आधार पर काम दिए जाने पर जवाब मांगा था। सर्वोच्च न्यायालय ने इस साल जनवरी में कई राज्यों से जवाब मांगा था। हालांकि छह महीने बीतने के बाद भी केवल उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओड़ीशा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ने ही अपना जवाब कोर्ट में दाखिल किया।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने गुरुवार को कहा कि इस तरह की प्रथाओं से जेलों में श्रम का गलत बंटवारा होता है। जाति के आधार पर श्रम आवंटन की अनुमति कतई नहीं दी जा सकती। पीठ ने कहा कि राज्य की नियमावली के अनुसार जेलों में हाशिए पर पड़े वर्गों के कैदियों के साथ भेदभाव के लिए जाति को आधार नहीं बनाया जा सकता। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न राज्यों के जेल नियमावली में जाति-आधारित भेदभाव की प्रथा की निंदा की। अदालत ने कहा कि सभी जातियों के कैदियों के साथ मानवीय तरीके से और समान व्यवहार किया जाना चाहिए। कुछ वर्ग के कैदियों को जेलों में काम का सही बंटवारा मिलना अधिकार है।

सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि कैदियों को खतरनाक परिस्थितियों में सीवर टैंकों की सफाई करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पीठ ने जाति के आधार पर भेदभाव के मामलों से निपटने के लिए पुलिस को ईमानदारी से काम करने का आदेश दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य जेल मैनुअल के आपत्तिजनक नियमों को खारिज कर दिया। साथ ही राज्यों से तीन महीने के भीतर इनमें संशोधन करने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि किसी विशेष जाति से सफाईकर्मियों का चयन करना पूरी तरह से मौलिक समानता के विरुद्ध है। अदालत ने इस साल जनवरी में महाराष्ट्र के कल्याण की निवासी सुकन्या शांता की याचिका पर केंद्र और उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल सहित 17 राज्यों से जवाब मांगा था। ▶10 पर

भारत के स्टैंड की इज़राइल ने की सराहना, राजदूत ने कहा

हमें पीएम मोदी जैसे नेताओं की जरूरत

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में इज़राइल के राजदूत रुवेन अजार ने आतंकी संगठन हमास के इज़राइल पर किए गए हमले के बाद शुरू हुए त्रिकोणीय युद्ध पर भारत के स्टैंड की सराहना की और कहा कि हम भारत सरकार और खास तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण से बहुत उत्साहित हैं। हमें नरेंद्र मोदी जैसे नेताओं की ज़रूरत है जो दृढ़निश्चयी हों और मानवता के लिए इस खतरे के खिलाफ मजबूती से खड़े हों। रुवेन अजार ने कहा, भारत को तय करना है कि वह क्या भूमिका निभाना चाहता है। हम अपने क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। अगर हम आतंक के खिलाफ अपनी जंग जीतने में सफल होते हैं, तो इससे न सिर्फ़ इज़राइल बल्कि क्षेत्र के सभी देश कनेक्टिविटी परियोजनाओं का लाभ उठा सकेंगे।

इज़राइल में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर उन्होंने कहा, हम सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित रख रहे हैं और उन्हें किसी भी खतरे से दूर रख रहे हैं। फिलहाल, मुझे नहीं लगता कि इज़राइल में किसी भारतीय को कोई खतरा है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ईरान के साथ तनातनी को लेकर इज़राइली राजदूत रुवेन अजार ने कहा कि उनका देश आतंकियों के सामने समर्पण नहीं कर सकता। साथ ही ईरान के हमले पर उन्होंने कहा कि ईरान को इसकी कीमत चुकानी होगी और हमारे प्रधानमंत्री यह साफ कर चुके हैं। रुवेन अजार ने कहा, हमें पूरा यकीन है कि हम ईरान के हमले को बेअसर करने में सफल रहे क्योंकि हमारी हवाई सुरक्षा दुनिया में सबसे बेहतर है। हमने अधिकतर मिसाइलों को हवा में ही तबाह कर दिया और जो मिसाइलें गिरीं भी उनसे खास नुकसान नहीं हुआ। हम ईरान को जवाब देने के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं। हमारे प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा

संयुक्त राष्ट्र में बदलाव बेहद जरूरी : अजार

कि ईरान को इसकी कीमत चुकानी होगी। अगर इस पर लगाम नहीं लगाई गई, तो इस क्षेत्र के लिए परिणाम भयानक होंगे। अगर कोई ईरान को रोकने वाला नहीं है, तो यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम ईरान को रोकें।बीते साल 7 अक्टूबर को हमास के हमले को लेकर इज़राइली राजदूत ने कहा, हम इससे स्तब्ध तो हुए, लेकिन हम हमास के खतरे को बेअसर करने के लिए दृढ़ संकल्पित भी हुए। इज़राइली समाज ने इस मुद्दे पर आवाज उठाई। हम आतंकवादियों से लड़ रहे हैं और मुझे यकीन है कि हम जीतेंगे। हम 150 बंधकों को छुड़ाने में कामयाब रहे हैं और 101 बंधक अभी भी हमास के पास हैं। हमने समझौता करने की कोशिश की है। दुर्भाग्य से, हमास ने ऐसा करने से इन्कार कर दिया। हम आतंकवादियों के सामने आत्मसमर्पण नहीं कर सकते।

इज़राइल सरकार द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासचिव को अवांछित व्यक्ति घोषित किए जाने पर राजदूत अजार ने कहा, संयुक्त राष्ट्र महासचिव का बयान देखकर गुस्सा आया। जब ऐसा अपराध और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन होता है, ▶10 पर

राजनीति के चारित्रिक गिरावट पर रिजिजू ने जताई चिंता

अच्छे काम की सराहना का संस्कार खत्म हो रहा

आज अच्छा काम करके भी वोट नहीं मिलता

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को राजनीति में होते बदलाव पर गहरी चिंता व्यक्त की है। रिजिजू ने कहा कि संसद में पहले मुद्दों को लेकर चर्चा होती थी, लेकिन आज शोर गूंजता है। पिछले कुछ वर्षों में लोगों की मानसिकता बदली है। आज के समय में बहुत कम लोग ऐसे हैं जो अच्छे काम की सराहना करते हैं।

समाज में उत्कृष्ट सेवा के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं को पुरस्कार प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय सेवा भारती और संत ईश्वर फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसको संबोधित करते हुए रिजिजू ने कहा, मैंने पिछले कुछ वर्षों में राजनीति में बदलाव होते देखा है। आज आप अच्छा काम करके भी वोट नहीं पा सकते। अगर आप किसी अच्छी चीज के बारे में बात करते हैं तो कोई सुनता भी नहीं है।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक दृष्टि से भी सामाजिक व्यवस्था बहुत बिगड़ गई है। आज एक संसदीय कार्य मंत्री होने के नाते, मैं सोचता रहता हूं कि जब हम नए सांसद बने थे, तो हमारे पास कितने अच्छे विचार थे। लोकसभा और राज्यसभा में अद्भुत चर्चाएं होती थीं। आज इतना शोर है कि अच्छा बोलने वालों की कोई सुनने को तैयार नहीं है। रिजिजू ने कहा, मैं अन्य सांसदों से इसके बारे में पूछता हूं। मैं किसी का नाम नहीं लूंगा, क्योंकि यह कोई राजनीतिक मंच नहीं है। ▶10 पर

5600 करोड़ के ड्रग्स रैकेट का सनसनीखेज खुलासा

सरगना तुषार गोयल निकला कांग्रेस का नेता

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को राजधानी में 5600 करोड़ रुपए की कोकीन की बड़ी खेप पकड़ी। इस ड्रग सिंडिकेट का सरगना तुषार गोयल है। तुषार गोयल कांग्रेस का नेता है और वह साल 2022 में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस की आरटीआई सेल का चेयरमैन रह चुका है। उसने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर इसका जिक्र किया है।ड्रग्स सरगना तुषार गोयल के कई कांग्रेस नेताओं के साथ फोटो भी सामने आए हैं। इस बात का खुलासा दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की पूछताछ में हुआ है। खुद तुषार गोयल ने स्पेशल सेल की पूछताछ में इसका खुलासा किया है कि ▶10 पर

देशभर में वक्फ बोर्ड की करतूतें जारी

अब सौ साल पुराने गांव पर ठोका दावा

कोच्चि, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल की व्यावसायिक राजधानी कोच्चि की भीड़-भाड़ से दूर मुनंबम उपनगर में स्थित चेराई गांव, मछुआरों का एक खूबसूरत गांव है, जो अपने समुद्र तटीय रिसॉर्ट्स के कारण एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण बना हुआ है। लेकिन इस खूबसूरत गांव के लोग इन दिनों गंभीर चिंता में हैं। लगभग 610 परिवारों ने आरोप लगाया है कि उनके भूमि और संपत्तियों पर वक्फ बोर्ड ने दावा कर दिया है, जिससे गांव के निवासियों का भविष्य संकट में पड़ गया है।

केरल के 610 परिवारों पर मंडरा रहा खतरा

वर्ष 2022 से, कानूनी विवादों के कारण गांव के लोग अपनी जमीन पर ऋण नहीं ले पा रहे हैं और न ही अपनी संपत्तियों को बेच सकते हैं। इस स्थिति से ग्रामीणों में निराशा और असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। सिरो-मालाबार चर्च और केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल जैसे प्रमुख ईसाई संगठनों ने इस मुद्दे पर गहरी चिंता जताई है । केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने वक्फ (संशोधन) विधेयक के संबंध में गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को एक पत्र भेजकर वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन के लिए अपने सुझाव दिए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि 2022 तक उनकी जिंदगी में सब कुछ सामान्य था। लेकिन अचानक उन्हें यह जानकारी दी गई कि जिस भूमि पर वे वर्षों से निवास कर रहे हैं, वह अब उनकी संपत्ति नहीं रही। ▶10 पर

ममता बनर्जी की ओछी सियासत के कारण विकास में बाधा

बंगाल में अटकी 60 हजार करोड़ की 61 रेल परियोजनाएं

कोलकाता, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पश्चिम बंगाल में रेलवे की 60,000 करोड़ रुपए की करीब 61 परियोजनाएं राज्य सरकार की वजह से अटकी पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के लिए रेलवे को भूमि सौंपने का काम रुका पड़ा है। टीएमसी सरकार राजनीति से ऊपर नहीं उठ रही है।

सियालदह स्टेशन पर कई रेलवे परियोजनाओं और ट्रेन सेवाओं का उद्घाटन करने के बाद रेल मंत्री ने कहा, कि इस तरह के निवेश तभी संभव होंगे, जब राज्य सरकार सहयोग करेगी। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि 26 किलोमीटर की मेट्रो रेलवे परियोजनाएं हैं, ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,030/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 93,950/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30°
न्यूनतम : 21°

उड़न-ताबूत बनता जा रहा है स्वदेशी हेलीकॉप्टर ध्रुव

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के सीतामढ़ी जिले में बाढ़ राहत अभियान में लगे भारतीय वायुसेना के एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव को मुजफ्फरपुर जिले के औराई ब्लॉक के नयागांव में तकनीकी खराबी के चलते बाढ़ वाले इलाके में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। हेलीकॉप्टर ने दरभंगा वायुसेना अड्डे से उड़ान भरी थी। हालांकि इमरजेंसी लैंडिंग के बाद हेलीकॉप्टर का एक हिस्सा बाढ़ के पानी में डूब गया। हेलीकॉप्टर में चार लोग सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। भारतीय वायुसेना ने हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिए हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा कि पायलट की सूझबूझ के चलते बड़ा हादसा टल गया।

पिछले एक महीने में स्वदेशी हेलीकॉप्टर एएलएच ध्रुव के साथ यह दूसरी बड़ी दुर्घटना है। भारतीय सेना और भारतीय तटरक्षक बल भी इससे पहले तकनीकी खामियों के चलते एएलएच ध्रुव को ग्राउंड कर चुके हैं। वहीं, सेना में दबे स्वरों में इसकी तुलना कुख्यात मिग-21 फाइटर जेट से की जा रही है, जो एक वक्त में लगातार हो रहे हादसों के चलते फ्लाइंग कॉफिन के नाम से मशहूर हो गए थे। मिग-21 के 60 साल की ड्यूटी में 400 क्रैश, 200 पायलट

शहीद हो चुके हैं। मिग-21 के आखिरी बेड़े को साल 2025 तक हटाए जाने की योजना है।

लगातार हो रहे हादसों से सबक नहीं ले रहा रक्षा मंत्रालय

बिहार के आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव प्रत्यय अमृत ने बताया कि हेलीकॉप्टर का इंजन फेल हो गया था और पायलट ने हेलीकॉप्टर को उथले पानी में उतारने का फैसला किया। इस दौरान जान-माल की कोई हानि नहीं हुई। हालांकि हेलीकॉप्टर के रोटर और फ्यूजलेज के छोटे पार्ट्स को नुकसान पहुंचा है। लेकिन एएलएच ध्रुव का यह पहला एक्सीडेंट नहीं है। दो सितंबर को भारतीय तटरक्षक बल का एक एएलएच पोरबंदर से लगभग 45 किलोमीटर दूर एक भारतीय ध्वज वाले कार्गो शिप हरि लीला के पास पहुंचा था, जिस पर एक घायल क्रू मेंबर था। उसे निकालने के लिए सोमवार रात 11 बजे एएलएच ध्रुव गया था। हेलीकॉप्टर कार्गो शिप के पास पहुंचा ही था, तभी उसे इमरजेंसी हार्ड लैंडिंग करनी पड़ी। इस दौरान वह समुद्र में गिर गया। इस दौरान जहाज में सवार दो लोगों की मौत हो गई। हेलीकॉप्टर पर 2 पायलट और 2 गोताखोर सवार थे। इनमें से एक गोताखोर को बचा लिया गया है। हालांकि इस हादसे के बाद भारतीय तटरक्षक बल ने एहतियाती उपाय के तौर पर ध्रुव के बेड़े को तुरंत ग्राउंड कर दिया।

जनवरी 2024 तक के आंकड़ों के मुताबिक सरकारी एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने 400 ध्रुव हेलीकॉप्टरों का उत्पादन किया है। एचएएल ने अपना पहला ध्रुव हेलीकॉप्टर 2001 में बनाया था। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

नवरात्रि के पहले दिन अभिजीत मुहूर्त में कलश स्थापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आरटी नगर स्थित श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शारदीय नवरात्र मनाया जा रहा है। गुरुवार 11:30 बजे के बाद अभिजीत मुहूर्त में कलश स्थापन किया गया।

इस वर्ष पूजा के यजमान उदय कुमार हैं। वैदिक आचार्य पंडित रामानंद चौधरी एवं आचार्य पंडित विनोद झा, पंडित राजगुरु, पं उमेश पांडे, पंडित जयशंकर मिश्रा, पंडित सोनू पांडे एवं पंडित राहुल पांडे इत्यादि ब्राह्मणों के द्वारा वैदिक रीति से पूजा संपन्न कराई गई। कलश स्थापना से पूर्व बिहार भवन से कलश यात्रा गणेश मंदिर तक गाजे बाजे के साथ निकला गया। इस वर्ष मां भगवती डोला पर आई। विशेष अनुष्ठान के साथ पूजा की गई।

इस कार्यक्रम में हरिश्चंद्र झा, एसके उपाध्याय, राजेश्वर सिंह, राम लखन सिंह, सिद्धार्थ शर्मा, अमिता झा, डेजी शर्मा, डीएन झा, आशीष मिश्रा, मिंटू दुबे, यशवंत सिंह, दीपेश कुमार, राहुल कुमार, अजीत पोद्दार, रवि रंजन इत्यादि सदस्य उपस्थित थे। पूजा संपन्न होने के बाद उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद एवं महाप्रसाद दिया गया। पहले दिन मां भगवती की शैलपुत्री रूप का पूजा किया गया। इसके अलावा नवग्रह मंडल, सर्वतोभद्र मंडल, षोडस मात्रिका, चतुष्ट योगिनी की पूजा की गई।

धोखा–विश्वासघात झूठ की संताने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने नंदी सूत्र के प्रवचन माला की विवेचना करते हुए कहा कि धर्म का मूल सत्य है। सत्य व्रत को निभाना अर्थात् आत्मा को उत्कर्ष तक ले जाना।

झूठ चार कारण से बोलते है। क्रोध–लोभ–भय–हास्य इन कारणों से व्यक्ति झूठ बोलता है। झूठ के साथ माया जुड़ी रहती है। अत एवं माया को मृषावाद कहते हैं। झूठे लोगों की संगत से बचना चाहिए।

धोखा–विश्वासघात झूठ की संताने है। व्यापार वाणिज्य में लोग झूठ का सहारा लेकर शीघ्र धनपति बन जाते है। अन्याय अनीति का धन दस वर्ष में अपना फलदुख रूप देते ही है। क्रोध प्रीति गुण का नाशक है। लोभ सभी दोषों की जनक है, भय में सुख छिन जाता है। हास्य क्षणिक सुख भले देता है, परन्तु सभी झगड़ों का मूल हसी है।

अणुव्रत प्रेरणा दिवस का आयोजन

अणुव्रत के नियमों को जीवन में करें परिभाषित: रायसोनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के निर्देशन में अणुव्रत समिति, बेंगलूरु द्वारा अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह का तृतीय दिवस अणुव्रत प्रेरणा दिवस राष्ट्रीय विद्यालय रोड पर स्थित अरिहंत इंस्टिट्यूट ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट कॉलेज में आयोजन किया गया। समिति अध्यक्ष देवराज रायसोनी ने टीम के साथ नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समिति सदस्य मदनराज रायसोनी ने मुख्य वक्ता दक्षिण जीतो महिला विंग की अध्यक्षा बबिता रायसोनी का स्वागत करते हुए संक्षिप्त परिचय दिया। बबीता रायसोनी ने उपस्थित विद्यार्थियों को अणुव्रत की जानकारी हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में देते हुए कहा कि अणुव्रत हमें यही सिखाता है कि हमारे जीवन में बदलाव की जरूरत है। यह सिर्फ जैन धर्म के लिए ही नहीं बल्कि सभी धर्म के लोगों को लागू होता है। झूठ, चोरी, नकल, हिंसा नहीं करना, इसका सभी मनुष्य पालन करें। उन्होंने अहिंसा, सत्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह विषय पर सरल परिभाषा में बच्चों को प्रेरणा देते हुए इसे जीवन मे अपनाने के महत्व को समझाया। कॉमर्स विभाग प्रमुख सुमित और कॉलेज ट्रस्टी चंद्रगुप्त ने भी अपने विचार रखे। कॉलेज के पदाधिकारी एवं मुख्य वक्ता का समिति द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन समिति कोषाध्यक्ष महेंद्र दक ने किया। सभी के प्रति आभार कविता जैन ने माना। कार्यक्रम में निवर्तमान अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल, मंत्री हरकचंद ओस्तवाल, संघठन मंत्री निर्मल पोकरणा, महासभा आंचलिक प्रभारी प्रकाश लोढ़ा, कन्हैयालाल चिप्पड़, सुमित्रा बरडिया, वीना पोरवाल, ललिता डागा का सहयोग रहा।

नमोत्थुणं जाप साधना कल्याणकारी है: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व–ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में नमोत्थुणं जाप साधना का सामूहिक उच्चारण किया गया।

डॉ. वरुणमुनि ने कहा कि संसार का हर व्यक्ति सुख, शांति व समृद्धि चाहता है। चाहने से ही हर वस्तु की प्राप्ति हो तो बात ही अलग है। फिर तो संसार का हर व्यक्ति ही सुखी हो जाए। सुख–शांति समृद्धि की प्राप्ति में परमात्मा एवं गुरु कृपा से प्राप्त होती है। नमोत्थुणं की साधना से तन– मन व आत्मा की शुद्धि होती है। इस महामंगलकारी आनंदकारी आराधना से शारीरिक मानसिक व आध्यात्मिक उन्नत्ति होती है। साधु–साध्वी हों या श्रावक–श्राविकाएं यदि श्रद्धा भाव से प्रतिदिन 27 बार इस का जाप कर लें तो यह ऐसी कल्याणकारी साधना है जो साधक के जीवन में सहज ही अनेक प्रकार के चमत्कार घटित कर देती है। उन्होंने कहा कि ऐसे उच्च कोटी के साधक वर्तमान समय में भी हैं जो प्रतिदिन 1082 नमोत्थुणं जाप का विशेष जप ध्यान करते हैं। ऐसे साधक का जीवन स्वयं में तो मंगलकारी बनता ही है साथ ही उनके आभामंडल में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु का जीवन भी कल्याणकारी बन जाता है। नमोत्थुणम जाप की साधना आध्यात्मिक सांसारिक लाभ देने वाली है। इस साधना को करने से हमारे रुके हुए काम बनते है और आने वाले कष्ट कम होते है। जाप अनुष्ठान करने से व्यक्ति सकारात्मक शक्तियों और ऊर्जा से जुड़ जाता है। जाप भौतिक बाधाओं का आध्यात्मिक उपचार है। यह आपको आध्यात्मिक रूप से मजबूत बनाती है। आप किसी भी मंत्र का जाप करें तो आप उस सर्वव्यापक परमात्मा से जुड़ जाते हैं। पूर्व में रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। शुक्रवार को भगवान पार्श्वनाथ जाप अनुष्ठान रहेगा। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

आईवीएफ कर्नाटक और मायुम बेंगलूरु स्टार्स का डांडिया नवरास कल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में इंटरनेशनल वैश फेडरेशन कर्नाटक एवं मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स मिलकर डांडिया नवरास 4.0 विशाल स्तर पर पैलेस ग्राउंड्स में शनिवार को आयोजित करेगी। इस कार्यक्रम में 2000 से अधिक लोग एक साथ मिलकर लोकनृत्य गरबा और डांडिया करेंगे। इसके लिए विशेष तौर पर गुजरात से विख्यात गायक अंकित मेवाड़ा और उनके साथी उपस्थित रहेंगे। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी माँ दुर्गा की महाआरती होगी। साथ ही, बच्चों के लिए खेलने की व्यवस्था, सभी लोगों के लिए रात्रि भोज और उपवास के खाने की भी खास व्यवस्था की गयी है। कार्यक्रम के दौरान लकी ड्रा और विभिन्न श्रेणियों में इनाम भी दिए जायेंगे।

स्टेट बैंक में राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय स्टेट बैंक के स्थानीय प्रधान कार्यालय में राजभाषा पखवाड़े के तहत विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

जैसे हिंदी में टंकण, हिंदी वर्तनी संशोधन, शब्दावली, समाचार वाचन और कविता पाठ, हिंदी वर्तनी संशोधन एवं शब्दावली प्रतियोगिता का आयोजन ऑनलाइन से पूरे बेंगलूरु मंडल के लिए किया गया।

हिंदी टंकण, समाचार वाचन एवं कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय प्रधान कार्यालय के सभागार में दोपहर तीन बजे से किया गया। 24 सितंबर को आयोजित समाचार वाचन प्रतियोगिता में स्टाफ–सदस्यों ने टेलिविजन स्टुडियो के समाचार वाचन की तरह सुरुचिपूर्ण एवं रोचक ढंग के समाचार वाचन का प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक उप महाप्रबंधक सतर्कता उदय कुमार विश्वास एवं सहायक महाप्रबंधक राजीव कुमार मित्तल रहे। प्रतियोगिता का संयोजन एवं मंच संचालन राजभाषा विभाग के शिव कुमार सिंह ने किया। 26 सितंबर को आयोजित कविता वाचन प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका बेंगलूरु के प्रतिष्ठित कवि डॉ सुनील तरुण एवं उप महाप्रबंधक सतर्कता उदय कुमार विश्वास ने निभाई। डॉ सुनील तरुण ने सभी उदीयमान कवियों के काव्य पाठ की मुक्त कंठ से सराहना की।

प्रतियोगिता के अंत में उन्होंने अपने काव्य पाठ से उपस्थित दर्शकों को आह्लादित किया। प्रतियोगिताओं की संकल्पना एवं संचालन का दायित्व राजभाषा विभाग के शिव कुमार सिंह ने निभाया।

स्थानीय प्रधान कार्यालय के उप महाप्रबंधक एवं मंडल विकास अधिकारी राजेश चौरे ने प्रतियोगिताओं का उद्घाटन एवं समापन किया। उन्होंने गैर हिंदी भाषी क्षेत्र में भी हिंदी के प्रति स्टाफ–सदस्यों के अनुराग एवं प्रतिभागिता के लिए उत्साह की भूरि भूरि प्रशंसा की।

मन पर विजय पाने का रास्ता है योग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सद्गुरु सदाफल देव आदर्श गौशाला राजन कुंटे का 5वां वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बड़ी संख्या में गो भक्त पहुंचे एवं अपने हाथों से गायों को हरा चारा, केला एवं गुड़ खिलाया। विहंगम योग वाराणसी के राष्ट्रीय संत किशनलाल शर्मा ने अपने प्रवचन में जन समूह को संबोधित करते हुए कहा मनुष्य जन्म, ईश्वर को पाने की श्रद्धा भावना एवं सद्गुरु का सानिध्य पुण्यवाणी से ही प्राप्त होता है। वर्तमान में विश्व में जो अशांति का माहौल है उसकी एक ही वजह है व्यक्ति का मन पर नियंत्रण नहीं होना। मन पर विजय पाने का रास्ता है योग। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में गाय की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए गो भक्तों को गो सेवा से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर सद्गुरु सदाफल देव आदर्श गौशाला बेंगलूरु के अध्यक्ष नंदकिशोर दक, उनके सहयोगी पवन शर्मा, विहंगम योग बेंगलूरु के अध्यक्ष राजेंद्र लखोटिया, मदनलाल शर्मा, पंडित बद्री प्रसाद शर्मा, हरि माटोलिया, राजकुमार जोशी, रामनिवास शर्मा एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

मातृछाया जैन महिला संगठन की बैठक सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मातृछाया जैन महिला संगठन की बैठक शंकरपुरम स्थित मातृछाया के कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ नवकार महामंत्र के साथ किया गया। बैठक में गत कार्यक्रमों के आय व्यय का विवरण रखा गया। साथ ही आगामी परियोजनाओं पर भी चर्चा हुई।

जिसमें मुख्य रूप से गायों के लिए शेड निर्माण और शांतिधाम वृद्धाश्रम में असहाय बुजुर्ग लोगों की सेवा कर उन्हें आवश्यक सामग्री भेंट करने पर सहमति बनी। बैठक में संगठन द्वारा 26 अक्टूबर को रामैया हॉस्पिटल के साथ मिलकर समाज के जरुरतमंद लोगों के लिए स्वास्थ्य और कैंसर जागरूकता शिविर का आयोजन करने का भी निर्णय लिया गया। चावल व गुड़ प्रदान करने की योजना भी बनाई गई। इस अवसर पर अध्यक्ष ललिता नागोरी, सचिव रेशमा बडोला, उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना, मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी, पुष्पा नागोरी, त्रिशला दांतेवाड़िया, कविता जैन, अर्चना शाह, सूरज किरण, मीना सोनीगरा और वीणा जैन आदि उपस्थित थी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति एवं राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट बिहार भवन के संयुक्त तत्वावधान में पैलेस ग्राउंड, प्रिंसेस श्राइन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लालबहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। सभी सदस्यों ने तस्वीर पर फूल अर्पित कर अपने आपको कृतार्थ किया। समिति अध्यक्ष के. के. सिंह (कुमार बाबू) ने अपने संबोधन में कहा कि सम्पूर्ण देश वाशियों को उनकी वाणी और कार्य को आत्मसात करना चाहिए। आज देश जिस परिस्थितियों से गुजर रहा है, ऐसे में अगर हम उन्हें याद कर उनके बताए मार्ग पर चलेंगे तभी देश में शांति और समृद्धि आयेगी, समाज की उन्नति होगी। उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने अपने भाव को प्रकट किए।*

वृद्धाश्रम में सेवा कार्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद ने मानव सेवा के अंतर्गत तेयुप राजाजीनगर द्वारा लग्गेरी स्थित आसारे वृद्धाश्रम में स्वर्गीय उत्तमचंद भंडारी की पुण्यस्मृति में धर्मपत्नी कमला बाई भंडारी एवं परिवार के सहयोग से सेवा कार्य संपादित किया। आश्रम में लगभग 150 वृद्धजन प्रवासित है और सभी को भोजन करवाया गया। आश्रम संचालक ने आश्रम की जानकारी प्रदान करते हुए भंडारी परिवार का आभार व्यक्त किया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने भंडारी परिवार के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर तेयुप से जयंतीलाल गांधी, राजेश देरासरिया, रवि चौधरी, पवन कोठारी की उपस्थिति रही।

मुडा घोटाला मामला

मुझे न्यायपालिका पर भरोसा है सत्य की हमेशा जीत होगी: सीएम

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुडा घोटाले मामले में जांच का सामना कर रहे कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार को कहा कि वह अपने विवेक के अनुसार काम कर रहे हैं और उन्हें विश्वास है कि सत्य की जीत होगी, क्योंकि उन्होंने विपक्ष के उन्हें हटाने के आह्वान को एक बार फिर खारिज कर दिया। उन्होंने यहां चामुंडी पहाड़ियों के ऊपर मैसूरु और उसके राजघरानों की अधिष्ठात्री देवी चामुंडेश्वरी के मंदिर के परिसर में दस दिवसीय दशहरा समारोह के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए कहा सत्यमेव जयते। मुडा (मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण) घोटाले को लेकर भाजपा और जद (एस) द्वारा उनके इस्तीफे की मांग के बीच, मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि जब तक उनके पास लोगों और चामुंडेश्वरी का आशीर्वाद है, कोई भी कुछ नहीं कर सकता। सिद्धरामैया को मुडा मामले में अप्रत्याशित रूप से समर्थन मिला, क्योंकि जेडी(एस) के वरिष्ठ नेता और विधायक जी टी देवेगौड़ा ने उनके इस्तीफे की मांग की निंदा की। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया है और अगर उन्होंने कुछ गलत किया होता तो उनके लिए इतने लंबे समय तक राजनीति में बने रहना संभव नहीं होता। 2013 से 2018 तक मुख्यमंत्री रहे सिद्धरामैया ने कहा इससे पहले भी मैं पांच साल तक मुख्यमंत्री रहा हूं, शायद देवराज उर्स के बाद कर्नाटक के इतिहास में अगर कोई मुख्यमंत्री पांच साल का कार्यकाल पूरा कर पाया है, तो वह सिर्फ सिद्धरामैया हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब भी तमाम बाधाओं और कठिनाइयों के बावजूद उन्हें मां चामुंडेश्वरी का आशीर्वाद प्राप्त है। जी टी देवेगौड़ा (जेडीएस विधायक) मुडा के सदस्य हैं, उन्हें पता है कि सच्चाई क्या है, इसलिए दूसरी पार्टी में होने के बावजूद उन्होंने सच बोलने की कोशिश की है। सत्यमेव जयते, सत्य की हमेशा जीत होगी। इसलिए मैंने कई बार कहा है कि जब तक इस सरकार और सिद्धरामैया को आप लोगों, राज्य के लोगों का आशीर्वाद मिलेगा, तब तक कोई कुछ नहीं कर सकता। सिद्धरामैया ने कहा कि उन्होंने चामुंडेश्वरी विधानसभा क्षेत्र से आठ चुनावों में से पांच बार जीत हासिल की है और वे तीन बार हारे हैं, जिसमें एक बार देवेगौड़ा के खिलाफ भी हारे हैं। यह मेरी अपनी गलतियों के कारण हुई हार थी, मैं अभी इसका विश्लेषण नहीं करना चाहता। चामुंडेश्वरी के लोगों के आशीर्वाद के कारण मैं दो बार मुख्यमंत्री रहा हूं। मैं तीन बार वरुणा से और एक बार बादामी से, पांच बार चामुंडेश्वरी से जीता हूं। मैंने नौ चुनाव जीते हैं। मुझे पहली बार मंत्री बने 40 साल से अधिक हो गए हैं। 17 अगस्त 1984 को मैं पहली बार मंत्री बना था। देवी चामुंडेश्वरी के आशीर्वाद के कारण मैंने कोई गलत काम नहीं किया, अगर मैंने कुछ गलत किया होता, तो मेरे लिए इतने लंबे समय तक राजनीति में बने रहना संभव नहीं होता। सिद्धरामैया ने कहा कि वह और देवेगौड़ा एक ही तालुका से हैं और पहले भी साथ काम कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि सत्य की जीत होगी, इस कथन ने उनमें और अधिक शक्ति भर दी है। मैं जी टी देवेगौड़ा को धन्यवाद देता हूं। देवेगौड़ा, जो जेडी(एस) कोर कमेटी के प्रमुख हैं और जिन्होंने दशहरा कार्यक्रम में सिद्धरामैया के साथ मंच साझा किया था, ने मुख्यमंत्री की प्रशंसा की और उनके इस्तीफे की मांग करने वालों पर निशाना साधा। देवेगौड़ा ने जेडी(एस) नेता और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी पर कटाक्ष करते हुए कहा राज्य और केंद्र के लोग, मंत्री बनने के बाद (केंद्र में) अपनी जिम्मेदारी और सम्मान को समझे बिना, उनके (सिद्धरामैया) अच्छे कामों को दरकिनार करके हर रोज उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। देवेगौड़ा ने कहा क्या कुमारस्वामी, जिन्होंने (मांड्या लोकसभा चुनाव में) दो लाख से अधिक वोटों से जीत हासिल की है, इस्तीफा देने के लिए कहे जाने पर इस्तीफा देंगे? सिद्धरामैया 136 विधायकों के समर्थन से जीते हैं और मुख्यमंत्री बने हैं। उनसे इस्तीफा देने के लिए कहा जा रहा है, क्या उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए? मुझे बताएं कि कौन सा कानून उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहता है या उन्हें जेल में डालने के लिए कहता है। उन्होंने कहा कि वे सिद्धरामैया के बारे में इसलिए बोल रहे हैं क्योंकि वे उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को सिर्फ इसलिए इस्तीफा देना पड़ता है क्योंकि उस पर एफआईआर दर्ज हो गई है, तो कांग्रेस, भाजपा या जेडी(एस) से कोई नहीं आएगा। क्या न्यायालय या राज्यपाल ने सिद्धरामैया से इस्तीफा मांगा है या उन्हें जेल में डाला है? देवेगौड़ा ने चुनौती देते हुए कहा जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, अगर उनमें हिम्मत है तो वे इस्तीफा दे दें। उन्होंने कहा न्यायालय हैं, वे फैसला देंगे, जिसका सभी पालन करेंगे। पहले विकास करें और देखें कि केंद्र (कुमारस्वामी और भाजपा) से क्या मिलना है और राज्य के लिए क्या करना है। मुख्यमंत्री के रूप में अपने पिछले कार्यकाल और अब मौजूदा कार्यकाल के दौरान राज्य और मैसूरु में अपने योगदान को सूचीबद्ध करते हुए, जिसमें पांच गारंटी योजनाएं शामिल हैं, सिद्धरामैया ने कहा कि उनके लाभार्थी हर दिन उनसे कहते हैं कि किसी भी कारण से डरो मत और वे उनके साथ हैं।

अंतरात्मा की अदालत सभी अदालतों से ऊपर

मुख्यमंत्री ने कहा मुझे अदालतों पर भरोसा है, हम अपनी अंतरात्मा के अनुसार आचरण करने का प्रयास कर रहे हैं। यही कारण है कि गांधी जयंती के दौरान मैंने महात्मा गांधी की शिक्षा को उद्धृत किया था कि अंतरात्मा की अदालत सभी अदालतों से ऊपर है। अदालतों में मेरे विश्वास और इस दृढ़ विश्वास के कारण कि मैंने अपनी अंतरात्मा के अनुसार काम किया है, सत्य की जीत होगी। लोकायुक्त पुलिस ने 25 सितंबर को विशेष अदालत के आदेश के बाद सिद्धरामैया, उनकी पत्नी पार्वती बी एम, उनके साले मल्लिकार्जुन स्वामी और देवराजू (जिनसे मल्लिकार्जुन स्वामी ने जमीन खरीदकर पार्वती को उपहार में दी थी) तथा अन्य के खिलाफ 27 सितंबर को एफआईआर दर्ज की थी। ईडी ने भी मुख्यमंत्री के खिलाफ प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की है, जो पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के समतुल्य है। यह एफआईआर मुडा द्वारा उनकी पत्नी को 14 भूखंडों के आवंटन में कथित अनियमितताओं के संबंध में दर्ज की गई है।

गृह मंत्री परमेश्वर का दावा

आर अशोक सैकड़ों करोड़ के भूमि घोटाले में शामिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक कांग्रेस ने विपक्ष के नेता (एलओपी) आर. अशोक के खिलाफ सैकड़ों करोड़ के भूमि घोटाले का आरोप लगाते हुए दस्तावेज जारी किए। गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाए और अशोक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। परमेश्वर ने मीडियाकर्मियों से कहा हम मीडिया के सामने ला रहे हैं कि जब अशोक सत्तारूढ़ सरकार का हिस्सा थे, तब क्या हुआ था। यह सैकड़ों करोड़ का भूमि घोटाला है, जो बेंगलूरु के बाहरी इलाके लोट्टेगोल्लाहल्ली में हुआ। उन्होंने कहा कि सर्वे नंबर 10/1 की जमीन को बेंगलूरु विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने डी-नोटिफाई कर दिया है। परमेश्वर ने कहा फरवरी 1977 में बीडीए ने अधिग्रहण के लिए पहली अधिसूचना जारी की थी। 23 फरवरी, 2003 और 2007 को जमीन पर अतिक्रमण किया गया। उन्होंने कहा कि बीडीए की अधिसूचना से पहले इस जमीन का मालिक रामास्वामी था। परमेश्वर ने कहा यह जमीन 26 साल तक बीडीए के स्वामित्व में थी। अशोक ने अवैध रूप से इस जमीन का पंजीकरण करवा लिया है। उन्होंने रामास्वामी परिवार से डी-नोटिफिकेशन के लिए आवेदन करवाया और तत्कालीन मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने फाइल पर हस्ताक्षर किए और उन्हें तुरंत फाइल लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जब लोकायुक्त में जी.वी. अत्री ने इस पर सवाल उठाया तो अशोक ने जमीन सौंप दी और 28 जुलाई 2011 को बीडीए को पत्र लिखा। परमेश्वर ने कहा बीडीए की संपत्ति बीडीए को वापस करने वाले अशोक कौन होते हैं? मामला हाईकोर्ट में गया था और कोर्ट ने कहा था कि चूंकि जमीन बीडीए को वापस कर दी गई है, इसलिए आपराधिक मामला दर्ज करने की कोई जरूरत नहीं है। परमेश्वर ने कहा अब सिद्धरामैया की पत्नी द्वारा उपहार में मिली जमीन मुडा को वापस करने के बाद भी अशोक और भाजपा उन पर निशाना साध रहे हैं। इस मामले में उनका क्या कहना है। इस बीच, सिद्धरामैया ने मांग की है कि केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी को पहले गिरफ्तार किया जाना चाहिए क्योंकि वह जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने यह मांग कुमारस्वामी के उस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए की जिसमें सिद्धरामैया की पत्नी द्वारा 14 साइटों को वापस करने पर विचार करने के लिए मुडा आयुक्त की गिरफ्तारी का आग्रह किया गया था।

नैतिकता का पाठ पढ़ाने वाले भाजपा नेताओं को पहले इस्तीफा देना चाहिए: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस को नैतिकता का पाठ पढ़ाने वाले भाजपा नेता पहले अपनी गलतियों के लिए इस्तीफा दें। बाद में उन्हें किसी और के बारे में बात करनी चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हमने मुडा मामले में सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग कर रहे विपक्ष के नेता आर. अशोक की जमीन हड़पने के घोटाले का पर्दाफाश किया है। उन्होंने कहा कि अब तक नैतिकता का पाठ पढ़ाने वाले आर अशोक को पहले अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उसके बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र को इस्तीफा देना पड़ेगा। इसके बाद बारी आती है पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा की। इस प्रकार, यदि भाजपा में इस्तीफों का सिलसिला जारी रहा, तो भाजपा साफ हो जाएगी। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दिए गए आंकड़ों पर ही गौर करें तो साफ है कि इसका कितना दुरुपयोग हो रहा है। दर्ज 5,297 मामलों में से केवल 40 को दोषी ठहराया गया। 4 केस एक्टिव हैं। मनी लांड्रिंग एक्ट का राजनीतिक दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दी गई जानकारी से यह स्पष्ट हो गया है। कर्नाटक में भी राजनीति के लिए सीबीआई, आईटी, ईडी का इस्तेमाल किया जा रहा है। राजभवन का उपयोग भाजपा अपने कार्यालय के रूप में कर रही है। मेरे सहित कांग्रेसियों के मामले आने पर राज्यपाल 24 घंटे में निर्णय लेते हैं। लेकिन उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि अगर भाजपा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई जाएगी तो वह राजभवन में ही रहेगी। हम मंत्री दिनेश गुंडुराव के सावरकर, महात्मा गांधी और नाथूराम गोडसे को लेकर दिए गए बयान पर चर्चा के लिए तैयार हैं। भाजपा ने व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है। असली इतिहास जानने की कोशिश नहीं की। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह झूठ है कि सावरकर ने अंग्रेजों से पेंशन ली थी। भाजपा इतिहास जानकर चर्चा में आये। उन्होंने कहा कि मैं और दिनेश गुंडुराव इस मुद्दे पर बात करने के लिए तैयार हैं।

पूर्व जेडीएस नेता ने कुमारस्वामी के खिलाफ जबरन वसूली की शिकायत दर्ज कराई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के खिलाफ जबरन वसूली और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह शिकायत जेडीएस के पूर्व सोशल मीडिया उपाध्यक्ष विजय टाटा ने बेंगलूरु के अमृतहल्ली पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है। जेडीएस एमएलसी रमेश गौड़ा के खिलाफ भी शिकायत दर्ज कराई गई है। विजय टाटा ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि रमेश गौड़ा हाल ही में उनके आवास पर आए और उन्हें अपना फोन सौंपकर कुमारस्वामी से बात कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कुमारस्वामी ने विजय टाटा से चन्नपट्टना उपचुनाव जीतने के लिए आवश्यक चुनावी खर्च के लिए 50 करोड़ रुपये का फंड जुटाने को कहा। विजय टाटा ने जवाब दिया कि उनके पास इतने पैसे नहीं हैं। विजय टाटा ने शिकायत में दावा किया है कि कुमारस्वामी उनके जवाब से नाराज हो गए और धमकी दी कि अगर उन्होंने 50 करोड़ रुपये का इंतजाम नहीं किया तो उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे और उनके लिए बेंगलूरु में रहना और अपना रियल एस्टेट कारोबार करना मुश्किल हो जाएगा। इसके बाद रमेश गौड़ा ने जोर देकर कहा कि विजय टाटा 50 करोड़ रुपये का इंतजाम करें और उन्होंने दावा किया कि वह मंदिर और स्कूल बनवा रहे हैं और इसके लिए 5 करोड़ रुपये मांगे। रमेश गौड़ा ने यह भी चेतावनी दी कि अगर पैसे का इंतजाम नहीं किया गया तो विजय टाटा को इसके परिणाम भुगतने होंगे। पुलिस सूत्रों ने दावा किया है कि वे जल्द ही कुमारस्वामी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करेंगे। कुमारस्वामी ने इससे पहले लोकायुक्त एसआईटी प्रमुख एडीजीपी एम. चंद्रशेखर पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया था कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विजय टाटा के साथ मिलकर जबरन वसूली में लगे हुए हैं। कुमारस्वामी ने आरोप लगाया था दिल्ली में पीएसीएल नाम की एक कंपनी है, जिसके पास पूरे देश में लाखों एकड़ जमीन है और 2 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। विजय टाटा का नाम 2500 से ज्यादा एफआईआर में दर्ज है, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। 2006 में विजय टाटा के कहने पर शिवकुमार ने पीए-सीएल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत चंद्रशेखर को मिली थी, जो सीसीबी में काम कर रहे थे। विजय टाटा ने फिर पीएसीएल से 100 करोड़ रुपए मांगे और कहा कि वह पुलिस के साथ मामला सुलझा लेंगे। पीए-सीएल ने 80 करोड़ रुपए नकद और 21 करोड़ रुपए चेक से दिए। यह पैसा कुछ रियल एस्टेट डेवलपर्स को ट्रांसफर किया गया। चंद्रशेखर ने विजय टाटा का इस्तेमाल करके कई रियल एस्टेट व्यवसायों से करोड़ों रुपए ठगे हैं, जो दिखाता है कि वह भ्रष्ट हैं और सत्ता के लिए कुछ भी कर सकते हैं।

सावरकर की कट्टरपंथी विचारधारा भारतीय संस्कृति से काफी अलग थी: स्वास्थ्य मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने बुधवार को कहा कि विनायक सावरकार की कट्टरपंथी विचारधारा भारतीय संस्कृति से काफी अलग थी। भले ही वह राष्ट्रवादी थे। मगर, देश में सावरकर के तर्क की नहीं बल्कि महात्मा गांधी की जीत होनी चाहिए। एक किताब के विमोचन के मौके पर राव ने कहा अगर हम चर्चा के जरिए कह सकते हैं कि सावरकर जीत गए हैं, तो यह सही नहीं है। वह एक मांसाहारी थे और वह गोहत्या के खिलाफ नहीं थे। वह एक चितपावन ब्राह्मण थे। सावरकर इस तरह से आधुनिकतावादी थे, लेकिन उनकी मौलिक सोच अलग थी। कुछ लोगों ने कहा कि वह बीफ खाते थे। वह खुलेआम बीफ खाने का प्रचार कर रहे थे इसलिए यह सोच अलग है। मगर, गांधी हिंदू धर्म में बहुत विश्वास रखते थे और उसमें रूढ़िवादी थे, लेकिन उनके कार्य अलग थे क्योंकि वह उस तरह से लोकतांत्रिक थे। उन्होंने मोहम्मद अली जिन्ना पर भी निशाना साधा। कहा कि जिन्ना कट्टर इस्लामी होने के बावजूद सूअर का मांस खाते थे। उन्होंने यह भी कहा कि जिन्ना एक कट्टरपंथी नहीं थे और सिर्फ सरकार में एक उच्च पद पर रहना चाहते थे और एक अलग देश का भी आह्वान किया था। साथ ही उन्होंने दोहराया कि आरएसएस, हिंदू महासभा और अन्य दक्षिणपंथी समूह कट्टरवाद को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं और लोगों को इसे समझने के लिए सामाजिक और राजनीतिक रूप से जागरूक होने की जरूरत है। गुंडू राव ने कहा जिन्ना भी कट्टर इस्लाम के अनुयायी थे, लेकिन वे सूअर का मांस खाते थे। जैसा कि लोग कहते हैं, इन-वेशन थ्योरी के बाद जिन्ना कट्टरपंथी नहीं थे। वे प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति बनना चाहते थे और एक अलग देश चाहते थे। इसलिए उन्होंने धर्मनिरपेक्षता का पालन किया। सावरकर ऐसे नहीं थे। आरएसएस, हिंदू महासभा और अन्य दक्षिणपंथी समूह कट्टरवाद को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं, जिसका जवाब हमें उनके कट्टरवाद को कम करके देना होगा।

राजनीतिक और सामाजिक रूप से, लोगों को जागरूक करना और उन्हें समझाना जरूरी है। हम उन्हें ऐसे ही नहीं हरा सकते। सभी परंपराओं में, लोग कट्टरपंथी नहीं होते हैं। बता दें, महात्मा गांधी की 155वीं जयंती के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव एक किताब के कन्नड़ संस्करण के विमोचन कार्यक्रम में पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने सावरकार और महात्मा गांधी के बारे में यह बात कही। उन्होंने बाद में सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि किताब गोडसे की मानसिकता को दिखाती है। साथ ही यह बताती है कि सावरकर ने गोडसे की सोच को कैसे प्रभावित किया था। उन्होंने कहा, 'यह पुस्तक महात्मा गांधी की हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे की मानसिकता और उस दुखद पल के आसपास की घटनाओं को अच्छी तरह से प्रस्तुत करती है। यह इस पर भी प्रकाश डालती है कि सावरकर ने गोडसे की सोच को कैसे प्रभावित किया। लोकतंत्र में गांधीजी का विश्वास सावरकर की विचारधारा के बढ़ते प्रभाव और आज कट्टरवाद की बढ़ती लहर का एक शक्तिशाली प्रतिकार है।

सीएम सिद्धरामैया की बढ़ीं मुश्किलें

अब मुडा मामले में सबूत नष्ट करने का आरोप, शिकायत दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रहीं। अब उनके और अन्य लोगों के खिलाफ एक नई शिकायत दर्ज कराई गई है। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में सबूतों को नष्ट करने का आरोप लगा है। प्रदीप कुमार नाम के एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने सिद्धरामैया एवं अन्य के खिलाफ सबूतों से छेड़छाड़ के लिए जांच और मामला दर्ज करने की मांग की। शिकायत में मुख्यमंत्री के बेटे यतींद्र सिद्धरामैया का भी नाम है। मुडा शहरी विकास के दौरान अपनी जमीन खोने वाले लोगों के लिए एक योजना लेकर आई थी। 50:50 नाम की इस योजना में जमीन खोने वाले लोग विकसित भूमि के 50 प्रतिशत के हकदार होते थे। यह योजना 2009 में पहली बार लागू की गई थी। जिसे 2020 में उस वक्त की भाजपा सरकार ने बंद कर दिया। सरकार द्वारा योजना को बंद करने के बाद भी मुडा ने 50:50 योजना के तहत जमीनों का अधिग्रहण और आवंटन जारी रखा। सारा विवाद इसी से जुड़ा है। आरोप है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को इसी के तहत लाभ पहुंचाया गया।

हम्पा नागराजैया ने मैसूरु दशहरा 2024 का किया उद्घाटन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दस दिवसीय दशहरा 2024 उत्सव गुरुवार को मैसूरु में चामुंडी पहाड़ियों पर पारंपरिक तरीके से शुरू हुआ। मुख्य अतिथि, प्रसिद्ध लेखक हम्पा नागराजैया ने मंदिर में चांदी के रथ में रखी देवी चामुंडेश्वरी की मूर्ति पर दीप प्रज्वलित किया और पुष्प वर्षा की, ताकि भव्य समारोह का उद्घाटन किया जा सके। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, मंत्री एच.सी. महादेवप्पा, के. वेंकटेश, के.एच. मुनियप्पा, एच.के. पाटिल और शिवराज तंगदागी, विधायक जी.टी. देवेगौड़ा और तनवीर सैत उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। उद्घाटन समारोह से पहले, नागराजैया ने चामुंडेश्वरी मंदिर का दौरा किया और विशेष पूजा अर्चना की। नागराजैया के साथ उनके परिवार के सदस्य, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी थे। इस अवसर पर बोलते हुए प्रोफेसर नागराजैया ने निर्वाचित सरकारों को हटाने का प्रयास न करने की सलाह दी।

उन्होंने कहा मैं देवी चामुंडेश्वरी से लोगों को निर्वाचित सरकारों को गिराने के विचार से रोकने और निर्वाचित सरकारों की रक्षा करने की अपील करता हूं। गिराना आसान है, लेकिन बनाना कठिन है। बार-बार चुनाव (सरकार गिरने की स्थिति में) आम लोगों पर बोझ हैं, जो पहले से ही कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। अगर आम आदमी पर और बोझ डाला गया तो वह टूट जाएगा। किसी एक विशेष पार्टी के लिए सत्ता में बने रहना संभव नहीं है। पराजित पार्टी को लोगों का दिल जीतने के लिए सत्ता में वापस आने के लिए पांच साल चाहिए। लेखक ने देवी से पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष को समाप्त करने की भी प्रार्थना की क्योंकि शत्रुता सैकड़ों निर्दोष लोगों की मौत का कारण बन रही है। इसके बजाय, उन देशों के नेताओं को अपने देशवासियों के कल्याण का ध्यान रखना चाहिए। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने हम्पना को एक प्रख्यात लेखक बताया और कहा कि उन्हें मैसूरु में दशहरा उत्सव का उद्घाटन करने का अवसर बहुत पहले मिल जाना चाहिए था। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने अपने भाषण में कहा कि उन्हें खुशी है कि हम्पना ने इस साल के उत्सव का उद्घाटन किया। वे साहित्य जगत के पैलवान हैं। हम्पा नागराजैया मेरे गुरु की तरह हैं। मैं उन्हें पिछले 55 सालों से जानता हूं, जब उनका बेटा हर्ष मेरा सहपाठी था। लेखक की पत्नी कमला हम्पना (जिनका हाल ही में निधन हो गया) की कमी खल रही है।

डंक ने गुरु दर्शन कर लिया आशीर्वाद

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। ऑल इंडिया स्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय मंत्री सुभाषचंद्रा डंक ने अपने राजस्थान प्रवास के दौरान सोजत सिटी में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ सोजत सिटी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित गुरु मिश्री श्रमण संघीय वरिष्ठ प्रवर्तक संत शिरोमणि सुकन मुनिजी, उप प्रवर्तक ज्योतिषविद, तपस्वीरत्न अमृतमुनिजी, युवा प्रणेता महेशमुनिजी, अखिलेशमुनिजी, डॉ वरुणमुनिजी का श्री मरुधर केसरी दरबार में दर्शन वंदन कर प्रवचन श्रवण किया और आशीर्वाद लिया। इस दौरान श्री मरुधर केसरी रूप सुकन चातुर्मास समिति सोजत सिटी के पदाधियकारियों द्वारा डंक को सम्मानित किया गया।

मुडा मामले में ईडी के सामने पेश हुए शिकायतकर्ता कृष्णा

सबूत पेश करने के लिए किया गया था तलब

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाला मामले में शिकायत दर्ज करने वालों में शामिल सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा जांच के संबंध में सबूत देने और रिकॉर्ड पेश करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। ईडी ने 30 सितंबर को मुडा द्वारा पार्वती बीएम को 14 साइटों के आवंटन में अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ पुलिस की एफआईआर के समान प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की थी। ईडी ने 27 सितंबर को सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर का संज्ञान लिया था। उन्होंने इस मामले की जांच के लिए मैसूरु स्थित आरटीआई कार्यकर्ता को जांच अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए बुलाया गया था। स्नेहमयी कृष्णा की शिकायत के आधार पर लोकायुक्त पुलिस ने सिद्धरामैया, उनकी पत्नी पार्वती और दो अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उन्होंने ईडी में भी शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने पत्रकारों से कहा मैं पैन कार्ड, आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों के साथ ईडी अधिकारियों के सामने पेश होने आया था। मैंने अपनी शिकायत से संबंधित दस्तावेज दे दिए हैं। सिद्धरामैया का मुद्दा एक उदाहरण है, ऐसे हजारों करोड़ों रुपये मुडा घोटाले में शामिल है। इसलिए मैंने गहन जांच के लिए कहा। सिद्धरामैया ने अपनी स्थिति को बीएस येदियुरप्पा की स्थिति से अलग बताया। उन्होंने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री का मामला भूमि अधिसूचना से जुड़ा है। सीएम सिद्धरामैया ने कहा बीएस येदियुरप्पा का मामला मेरे मामले से अलग है। उन्होंने जमीन का अधिसूचना रद्द किया और मैं इसमें शामिल नहीं हूं। मैं इस्तीफा नहीं दूंगा। चाहे ईडी हो या कोई और मैं न्यायिक रूप से लड़ाई लड़ूंगा। मुडा शहरी विकास के दौरान अपनी जमीन खोने वाले लोगों के लिए एक योजना लेकर आई थी। 50:50 नाम की इस योजना में जमीन खोने वाले लोग विकसित भूमि के 50 प्रतिशत के हकदार होते थे। यह योजना 2009 में पहली बार लागू की गई थी। जिसे 2020 में उस वक्त की भाजपा सरकार ने बंद कर दिया। सरकार द्वारा योजना को बंद करने के बाद भी मुडा ने 50:50 योजना के तहत जमीनों का अधिग्रहण और आवंटन जारी रखा। सारा विवाद इसी से जुड़ा है। आरोप है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को इसी के तहत लाभ पहुंचाया गया।

कांग्रेस सरकार ने दशहरा पर गजनी की संस्कृति का किया प्रदर्शन: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा ने विश्व प्रसिद्ध दशहरा उत्सव में महान उपलब्धियों और ऐतिहासिक हस्तियों के सम्मान में पट्टिकाओं को हटाने के लिए राज्य की कांग्रेस सरकार पर कड़ा प्रहार किया और आरोप लगाया कि यह गजनी की संस्कृति का प्रदर्शन कर रही है। राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने गुरुवार को कहा दशहरा के पहले ही दिन कांग्रेस सरकार ने गजनी मुहम्मद की संस्कृति का प्रदर्शन किया है। विजयेंद्र ने मांग की कि पट्टिकाओं को तुरंत उनके मूल स्थानों पर फिर से स्थापित किया जाना चाहिए और राज्य सरकार को राज्य के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री सीएम सिद्धरामैया, खासकर जब यह घटना उनके गृह जिले में और उनके कार्यकाल में हुई है, तो उन्हें जिम्मेदारी लेनी चाहिए और इस गलत काम के लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए। विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि हाल ही में कांग्रेस सरकार ने पूर्व मेयर अयूब खान को मैसूरु दशहरा प्रदर्शनी प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त किया है। अब दशहरा नवरात्रि के पहले ही दिन हमारी विरासत, संस्कृति और साहित्य में योगदान देने वाले इन महान हस्तियों के सम्मान में लगी पट्टिकाओं को हटा दिया गया है और उनकी जगह गजनी की संस्कृति को प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने कहा कांग्रेस सरकार ने राज्य के दशहरा उत्सव के दौरान गजनी मुहम्मद की संस्कृति का प्रदर्शन करके कर्नाटक की महान हस्तियों का अपमान किया है और उत्सव की पवित्रता को धूमिल किया है। विजयेंद्र ने कहा अतीत में, कर्नाटक की सांस्कृतिक भव्यता को दर्शाने वाली दशहरा प्रदर्शनी में राज्य की कला और संस्कृति को उजागर करने वाले बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते थे। कार्यक्रम में भाग लेने वाले दर्शकों के लिए, कन्नड़ भाषा, भूमि और परंपरा में प्रमुख हस्तियों के योगदान को याद करने वाली पट्टिकाएँ लगाई जाती थीं। उन्होंने कहा कर्नाटक संगीत के दार्शनिक और मुख्य संस्थापक समर्थक पुरंदर दास, संत कवि कनक दास, महान कन्नड़ कवि डी.आर. बेंद्रे, कुवेम्पु, कन्नड़ मैटिनी आइडल डॉ. राजकुमार, लेखक वी.के. गोकक, प्रसिद्ध अभिनेता टी.एन. बालकृष्ण और वासुदेवाचार्य और पिटिलु चौदिया जैसे संगीत दिग्गजों जैसी महान हस्तियों के सम्मान में पट्टिकाएँ लगाई गईं, ताकि आगंतुक उनके योगदान को याद कर सकें। पट्टिकाओं को हटाने के अलावा, मैसूरु में मैसूरु दशहरा महोत्सव से पहले एक और विवाद सामने आया है। इस वर्ष, सय्याजी राव रोड पर हरे प्रकाश की सजावट ने ध्यान आकर्षित किया है, जिसमें छतरी के शीर्ष पर हरे प्रकाश से गुंबज जैसी संरचना बनाई गई है। भाजपा के पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके आपत्ति जताई है कि उन्होंने अधिकारियों से इसे हटाने का अनुरोध किया है। भाजपा के कार्यकाल के दौरान भी बस स्टॉप पर इसी तरह के गुंबज जैसे ढांचे बनाए जाने पर तीखी बहस हुई थी और उन्हें हटाना पड़ा था।

जमीन कब्जा साबित हुआ तो इस्तीफा देने को तैयार : अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि अगर यह साबित हो जाए कि मैंने बीडीए की जमीन अवैध रूप से हड़पी है तो मैं विपक्षी पार्टी से इस्तीफा देने को तैयार हूं। उन्होंने कांग्रेस को खुली चुनौती दी है कि अगर आपमें नैतिकता है तो क्या आप 24 घंटे के भीतर सीएम सिद्धरामैया का इस्तीफा स्वीकार करेंगे। उन्होंने मंत्री डॉ. जी परमेश्वर, कृष्णा बायरे गौड़ा, एचके पाटिल, सतीश जारकीहोली द्वारा अपने ऊपर लगाए गए आरोपों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि मामला ही अलग है। अगर यह साबित हो गया कि जमीन का इस्तेमाल किया गया है तो मैं एक क्षण भी विपक्षी दल में बैठे बिना इस्तीफा दे दूंगा। मैं 24 घंटे की समयसीमा देता हूं। मुडा मामले में आरोपी सिद्धरामैया कब इस्तीफा देंगे। अगर सिद्धरामैया इस्तीफा नहीं देंगे तो क्या आप भी इस्तीफा देने को तैयार हैं? आप दावा करते हैं कि हम राम के भक्त हनुमान की तरह सीएम के समर्थन में हैं। कांग्रेस ने सोचा था कि हम हमेशा सत्ता में रहेंगे। यह मत भूलो कि समय चक्र चलता है। कर्नाटक में 30 साल से कोई भी एक पार्टी लगातार सत्ता में नहीं आई है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि ये बात आपके दिमाग में होनी चाहिए। मुडा मामले में जब सिद्धरामैया इस्तीफा देने की नौबत पर आ गए हैं तो उन्होंने इसे छुपाने के लिए मुझ पर जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। आप सिद्धरामैया के मामले में मेरी तुलना क्यों कर रहे हैं? ये वो जमीन नहीं है जो हल्दी और केसर ने दी और छीन ली। मैंने पैसे दिए और जमीन ले ली। उन्होंने कांग्रेस की नैतिकता पर सवाल उठाया कि क्या वे मुझ पर आरोप लगाएंगे क्योंकि किसी ने दस्तावेज दिया है। जमीन क्यों लौटाई गई, इस पर चार मंत्री बोल चुके हैं। हाई कोर्ट पहले ही सिद्धरामैया पर आरोप लगा चुका है। हाई कोर्ट और पीपुल्स कोर्ट ने भी जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने आलोचना की कि सिद्धरामैया ने अदालत का आदेश मिलने के बाद अब जमीन वापस कर दी है। कोर्ट का आदेश आने से पहले मैंने साइट वापस कर दी। लेकिन उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया ने आदेश मिलने के बाद इसे वापस किया। इस मामले के सिलसिले में मुझे पीपुल्स कोर्ट में बरी कर दिया गया था। हाईकोर्ट ने भी राहत दी है। इसमें कहा गया कि केस दर्ज करने की जरूरत नहीं है। क्या अदालत बड़ी है या कांग्रेस बड़ी है? कांग्रेस मंत्री ने आरोप लगाया कि येदियुरप्पा ने गैरकानूनी तरीके से डिनोटिफाई किया

अभिजीत मुहूर्त में कलश स्थापना अनुष्ठान के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति एवं राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट बिहार भवन के संयुक्त तत्वावधान में 10 दिनों का 46वां दुर्गा पूजा महोत्सव अभिजीत मुहूर्त में कलश स्थापना अनुष्ठान के साथ पैलेस ग्राउंड प्रिंसेस श्राइन में प्रारंभ हुआ। बनारस से पधारे आचार्य नित्यानंद त्रिपाठी उनके सहयोगी पंडित सुजित द्वेदी एवं उत्तम पांडे ने पूजा अध्यक्ष शेषनाथ दुबे एवं उनकी धर्मपत्नी अंजना दुबे से समिति की ओर से दर्गा पूजा अनुष्ठान का संकल्प दिलाया। समिति अध्यक्ष के. के. सिंह (कुमार बाबू), सचिव सुबोध सिंह समस्त कार्यकारिणी सदस्य, समिति सदस्य एवं महिला मंडल की उपस्थिति एवं उत्साह देखने योग्य था। धन संग्रह समिति के अध्यक्ष जेपी सिंह ने सभी भक्तों से अपील की कि देश, समाज एवं खुद के लिए शक्ति की देवी मां दुर्गा पूजन में तन-मन-धन से लग जाएं। हर रोज प्रातः दश बजे एवं सायं काल आठ बजे पूजा, आरती एवं प्रसाद कार्यक्रम रहेगा।

नवरात्रि में मां की भक्ति डांडिया से नहीं, श्रद्धामय आराधना कर जीवन को नया बनाएं : राष्ट्रसंत

कृष्णगिरि/शुभ लाभ ब्यूरो। दिव्यता एवं भव्यता से सजे श्रीपार्श्व पद्मावती शक्तिपीठ तीर्थ धाम में दस दिवसीय कृष्णगिरी शक्ति महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को हस्त नक्षत्र में घट स्थापना के विशेष मुहूर्त में वैदिक मंत्रों से अल सुबह दीप रोशन के साथ हुआ। इस दौरान प्रथम दिवस मां पद्मावती की चमत्कारिक प्रतिमा का हजारों भक्तों द्वारा केसर युक्त दुग्ध से महाभिषेक किया गया। इसके बाद पूज्य गुरुदेव शक्ति पीठाधिपति राष्ट्रसंत डॉ वसंत विजय जी की पावन निश्रा में साधना कक्ष में जाप, अनुष्ठान में सभी श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में बतौर तीर्थधाम के भक्त शामिल हुए सर्वोच्च न्यायालय के जज रवि कुमार ने नई दिल्ली से यहां आकर सपरिवार शिरकत की। साथ ही उन्होंने मां पद्मावती के 21 दिव्य रूपों से सजे अलौकिक पंडाल का फीता काटकर शुभारंभ भी किया। इस दौरान पूज्य गुरुदेवश्री के मुखारविंद से इसी पंडाल में संगीतमय श्रीमद् देवी भागवत कथा प्रारंभ हुई। शक्ति पीठाधीपति ने बताया कि भक्ति के लिए श्रद्धावान व्यक्ति को अनुशासन के विवेक के साथ योग्य बनने के लिए कर्म व आचरण सुधारना चाहिए। भक्ति में ज्ञान का नहीं, बल्कि विनय विवेक ही भक्ति का लक्षण होता है। राष्ट्रसन्त ने हजारों किमी दूर क्षेत्रों से आए भक्त जनों को बताया कि विभिन्न दुर्लभ द्रव्यों, सिद्धांत एवं सामर्थ्य से समृद्ध दक्षिण भारत ईश्वरीय ऊर्जा को संरक्षित रखने का प्रमुख क्षेत्र है। उन्होंने कहा, दक्षिण के द्रविड़ सिद्धांत में ही भक्ति का प्राकट्य हुआ है। कथा श्रवण के शास्त्रोक्त विधान का बखान करते हुए पूज्य गुरुदेव राष्ट्रसन्त श्री वसंत विजय जी ने मां की भक्ति में डांडिया कल्चर का विरोध करते हुए श्रद्धा भाव से करुणामई मां की आराधना, पूजा करने की प्रेरणादाई सीख दी। इस अवसर पर कृष्णगिरी की जिला जज सुमति साई प्रिया भी मौजूद रही। दोनों न्यायाधीशों का शक्ति पीठ के ट्रस्ट मंडल द्वारा माल्यार्पण कर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। कल्याणकारी कथा वाचन के बाद दिव्य यज्ञ कुटीर में 36 कुंडीय हवन यज्ञ में उत्तर प्रदेश के काशी से आए 80 विद्वान पंडितों द्वारा हजारों किलो घी, विभिन्न प्रकार की चंदन की लकड़ियों, सूखे मेवे, दुर्लभ औषधयों का अनेक बीज, मंत्रों व मां के सहस्रनामों के साथ आहुतियां दी गई।

पीएम इंटर्नशिप पोर्टल लॉन्च 12 से होगा पंजीकरण

1.25 लाख युवाओं का होगा चयन

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय बजट में घोषित इंटर्नशिप कार्यक्रम युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के अवसर प्रदान करेगा। आज एक समर्पित इंटर्नशिप पोर्टल लॉन्च किया गया, जिससे उम्मीदवार सीधे इंटर्नशिप के अवसरों के संपर्क में रह सकेंगे। छात्रों को इस पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। कंपनियां अपनी इंटर्नशिप रिक्तियों को इस पोर्टल पर अपलोड करेंगी। योग्य उम्मीदवार 12 अक्टूबर से पोर्टल पर पंजीकरण कर सकेंगे।

इसे कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा विकसित एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से लागू किया जाएगा। छात्रों को

इसी पर जाकर खुद को पंजीकृत करना होगा। इस पायलट प्रोजेक्ट को इंटर्न से भारी प्रतिक्रिया मिली है और सुबह तक महिंद्रा एंड महिंद्रा, मैक्स लाइफ और एलेम्बिक फार्मा जैसी कंपनियों द्वारा इंटर्नशिप के 1077 ऑफर तैयार थे। इस योजना के तहत चुने गए सभी आवेदकों को भारत सरकार की ओर से मासिक वजीफा और वित्तीय सहायता मिलेगी। इस योजना का लक्ष्य 1 करोड़ से ज्यादा छात्रों को लाभ पहुंचाना है। इस योजना के तहत छात्रों को भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में 12 माह, यानी एक वर्षीय इंटर्नशिप का अवसर दिया जाएगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूली शिक्षा पूरी कर चुके सभी छात्र इंटर्नशिप के लिए पात्र होंगे।

इस योजना के तहत 21 से 24 वर्ष की आयु के उम्मीदवार ही आवेदन करने के पात्र हैं। गौरतलब है कि यदि किसी उम्मीदवार की आयु 24 वर्ष से अधिक है, तो वह इस योजना का लाभ नहीं उठा पाएगा। इसके साथ ही आवेदक के परिवार में माता-पिता की सभी स्रोतों से वार्षिक आय 8 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। यदि परिवार में कोई सरकारी कर्मचारी है, तब भी उम्मीदवार इसके लिए पात्र नहीं होंगे। आईआईटी या आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से डिग्री प्राप्त करने वाले या सीएमए या सीए जैसे प्रमाणपत्र वाले लोग अपात्र हैं।

इंटर्नशिप पोर्टल के ग्राहक सेवा केंद्र के अनुसार, इस योजना के तहत 10वीं-12वीं पास, डिप्लोमा, ग्रेजुएशन, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) और कौशल केंद्रों के युवा भाग ले सकते हैं। गौरतलब है कि आवेदन करने वाला उम्मीदवार यदि रेग्यूलर पाठ्यक्रम में पढ़ाई कर रहा है, तो वह आवेदन करने के लिए पात्र नहीं होगा। यदि उम्मीदवार मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रहा है, तो वह भी आवेदन करने के लिए पात्र नहीं है।

सरकार इंटर्न को 4,500 रुपए प्रति माह का वजीफा देगी; फर्म अपने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) फंड से 500 रुपए का अतिरिक्त योगदान देंगी। इसका अर्थ है कि उम्मीदवार को इंटर्नशिप लगने के बाद 5000 रुपए मासिक वजीफा दिया जाएगा। इंटर्नशिप लगते ही आ-वेदकों को मासिक वजीफे के अलावा 6000 रुपए की एकमुश्त वित्तीय सहायता मिलेगी। इंटर्नशिप कार्यक्रम के लिए आवेदकों की सूची बनाने के लिए एक बैंक एंड बॉट का उपयोग किया जाएगा, और फिर भाग लेने वाले संगठन व्यक्तियों का मूल्यांकन और चयन करेंगे।

सोनमर्ग में 2019 में आए थे 58 हजार और 2024 में साढ़े 6 लाख पर्यटक

जम्मू, 03 अक्टूबर।

मध्य कश्मीर के गंदरबल जिले में स्थित एक खूबसूरत जगह सोनमर्ग में पिछले पांच सालों से पर्यटकों की आमद बढ़ रही है और इस साल पर्यटकों की संख्या साढ़े छह लाख तक पहुंच गई है। पर्यटन स्थल पर पर्यटकों की संख्या में कई सौ प्रतिशत और राजस्व में 1800 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उपलब्ध विवरण के अनुसार, सोनमर्ग में पर्यटकों की संख्या 2019 में 58,309 से बढ़कर 2024 तक 6,61,539 हो गई है।

राजस्व के मामले में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है; 2020 में आय 1.63 लाख रुपए थी, जो 2021 में बढ़कर 3.51 लाख रुपए, 2022 में 9.7 लाख रुपए, 2023 में 25.8 लाख रुपए और 2024 तक 30.68 लाख रुपए हो गई। 2020 में आई रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिक तरीके से कचरे का निपटान करने के लिए सरबल सोनमर्ग में एक आधुनिक सॉलिड

वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट स्थापित किया गया था, जिसमें 11 मीट्रिक टन क्षमता वाला एक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक डिसइंटीग्रेटर, 5 मीट्रिक टन का ऑटो इंस्टा-कंपोस्टर और एक सेग्रीगेटर शामिल है।

एक अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में सोनमर्ग में पर्यटकों के लिए लगभग 1,270 कमरे उपलब्ध हैं, जिसमें सरकारी और निजी दोनों तरह के होटल शामिल हैं, और कैंपिंग साइट भी विकसित की गई हैं। ये कदम सोनमर्ग को पर्यटन के क्षेत्र में और आगे ले जा रहे हैं, इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि 2023-24 के दौरान नए छात्रावास पंजीकरण के लिए कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है, और घुड़सवारों और स्नो बाइकर्स के पंजीकरण के बारे में विवरण उपलब्ध नहीं है क्योंकि यह पर्यटन विभाग के अधीन मामला है। इस विभाग के तहत 25 संपत्तियां बनाई गई हैं, जिनमें से 19 को अब तक आउटसोर्स किया जा चुका है।

शांतिपूर्ण चुनाव के बाद अब सबकी निगाहें 8 अक्टूबर पर

जम्मू, 03 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के तीनों चरण शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गए हैं। अब सबकी निगाहें 8 अक्टूबर पर टिकी हैं, जिस दिन 90 सीटों के नतीजे आएंगे। उसी दिन यह भी साफ हो जाएगा कि दस साल के अंतराल के बाद जम्मू-कश्मीर में कौन सरकार बनाएगा।

मंगलवार को मतदान के बाद अब उम्मीदवारों द्वारा मतगणना एजेंटों की नियुक्ति और मतगणना के दिन को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए चुनाव आयोग की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित हो गया है।

जम्मू कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हुए और इस बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए लोगों का उत्साह बेजोड़ था।

इन चुनावों में एक पूर्व मुख्यमंत्री, दो प्रमुख राष्ट्रीय दलों कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के यूटी अध्यक्ष, तीन प्रमुख क्षेत्रीय दलों के प्रमुख, कई पूर्व मंत्री और कई नए चेहरों की किस्मत इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में बंद हो चुकी है।

वर्ष 1987 में कथित तौर पर धांधली वाले चुनावों के बाद पहली बार चुनावी राजनीति में प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी समर्थित उम्मीदवारों की मौजूदगी ने इन चुनावों को एक नई दिशा दी है, जो कश्मीर घाटी में मतदान में सुधार का एक कारण है। जमात-ए-इस्लामी समर्थित उम्मीदवारों ने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा, लेकिन उनका मानना था कि अगर केंद्र सरकार ने उनके संगठन पर प्रतिबंध हटा दिया होता, तो वे केंद्र शासित प्रदेश में 50 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ते।

यह विधानसभा चुनाव दो पार्टियों के लिए पहला था, पूर्व मंत्री और पीडीपी नेता सैयद मुहम्मद अल्ताफ बुखारी के नेतृत्व वाली जेएंडके अपनी पार्टी और पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी), जो 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त करने के फैसले के बाद अस्तित्व में आई थी, और उनकी उपस्थिति, विशेष रूप से कश्मीर क्षेत्र और जम्मू क्षेत्र की चिनाब घाटी में दिखाई दे रही थी।

चुनाव प्रचार के दौरान कश्मीर घाटी और जम्मू क्षेत्र के बीच स्पष्ट क्षेत्रीय विभाजन देखने को मिला और जम्मू के भाजपा नेताओं ने भी जम्मू के डोगरा हिंदू मुख्यमंत्री के नाम पर वोट मांगने में कोई कसर नहीं छोड़ी। तीन चरणों में आयोजित यह चुनाव घटना मुक्त रहा और यूटी में कहीं भी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई और भारतीय चुनाव आयोग ने इसे स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाने की पूरी कोशिश की।

चुनाव प्रक्रिया में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए, 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं और विकलांग व्यक्तियों के लिए घर से मतदान, अपने गृह जिलों से बाहर काम करने वाले सरकारी कर्मचारियों के लिए डाक मतपत्र और चुनाव ड्यूटी पर नियुक्त कर्मचारियों के लिए अग्रिम डाक मतपत्र मतदान जैसी चीजें देखी गईं, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव बाद की बदली सियासत

हिंदू मुख्यमंत्री बनाने की रणनीति पर चल पड़े सारे दल!

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 03 अक्टूबर।

दो दिन पहले समाप्त हुए तीन चरणों के मतदान के उपरांत खिचड़ी विधानसभा की संभावना के चलते भाजपा हिंदू मुख्यमंत्री बनाने की रणनीति पर चलते हुए अन्य दलों से बात कर रही है। लेकिन इससे अधिक हैरानी की बात यह है कि हिंदू मुख्यमंत्री वाली रणनीति पर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठजोड़ भी अन्य सहयोगी दलों को न्यौता देने लगे हैं।

प्रदेश के चुनावी इतिहास पर नजर डालें तो अब तक कभी भी हिंदू मुख्यमंत्री नहीं बना है। अधिकांश समय राज्य की बागडोर कश्मीर क्षेत्र से आने वाले मुस्लिम नेताओं के हाथों में रही है।

हालांकि 2002, 2008 और 2014 के चुनावों में अलग-अलग गठबंधनों ने सरकार बनाई, लेकिन इस बार माहौल कुछ अलग नजर आ रहा है। भाजपा ने इस बार चुनाव प्रचार के दौरान खुलकर कहा है कि यदि पार्टी पूर्ण बहुमत से जीतती है तो मुख्यमंत्री जम्मू क्षेत्र से होगा, और यह भी संभव है कि वह एक हिंदू हो।

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो यदि कांग्रेस को जम्मू क्षेत्र में ज्यादा सीटें मिलती हैं, तो संभावनाएं बन सकती हैं कि नेकां और कांग्रेस, दोनों मिलकर भाजपा को कमजोर करने के लिए किसी हिंदू नेता को मुख्यमंत्री बनाने का समर्थन करें। 2011 की जनगणना के अनुसार, जम्मू कश्मीर की कुल जनसंख्या में 68.8 परसेंट मुस्लिम और 28.8 प्रतिशत हिंदू हैं। ऐसे में, यदि हिंदू विधायकों की संख्या ज्यादा होती है, तो राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं।

यह सच है कि भाजपा का फोकस इस बार जम्मू संभाग की 43 विधानसभा सीटों पर रहा है। पार्टी ने इस क्षेत्र में विशेष रूप से अपनी ध्यान केंद्रित किया और अपने उम्मीदवारों को मजबूती से खड़ा किया था। पार्टी नेताओं का मानना है कि जम्मू की सीटों पर बेहतर प्रदर्शन करके वे प्रदेश में पूर्ण बहुमत हासिल कर सकते हैं। यदि ऐसा होता है, तो पहली बार जम्मू कश्मीर में हिंदू मुख्यमंत्री बनने की संभावना बन सकती है।

जम्मू उत्तर से उम्मीदवार और भाजपा के वरिष्ठ नेता शाम लाल शर्मा ने चुनाव प्रचार के दौरान खुलकर कहा कि यदि महाराष्ट्र में मुस्लिम मुख्यमंत्री बन सकता है, तो जम्मू कश्मीर को भी हिंदू डोगरा समुदाय से मुख्यमंत्री मिलना चाहिए। यह बयान सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है और यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या भाजपा इस बार अपनी रणनीति में सफल होती है।

यह सच है कि जम्मू के लोगों के साथ हमेशा से भेदभाव होते आए हैं। ऐसे में, हिंदू मुख्यमंत्री बनने से जम्मू के हितों की रक्षा के दावे किए जा रहे हैं जिससे जम्मू की आर्थिक स्थिति पर भी असर पड़ने कि संभावना है।

भाजपा का कहना है कि यदि जम्मू क्षेत्र का कोई नेता मुख्यमंत्री बनता है, तो प्रदेश में संतुलन कायम होगा और विकास के नए रास्ते खुलेंगे। दरअसल, केंद्र सरकार ने 2019 में जम्मू कश्मीर के विशेष राज्य के दर्जे को हटा दिया था।

जिसके बाद सरकार ने परिसीमन आयोग का गठन किया था। इससे पहले, जम्मू कश्मीर में 111 सीटें थीं, जिसमें 46 कश्मीर, 37 जम्मू और 4 लद्दाख के हिस्से में आती थीं, जबकि 24 सीटों को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लिए रखा गया था। इस बार जम्मू कश्मीर में 90 विधानसभा और 5 लोकसभा सीटें हैं। इनमें 43 सीटें जम्मू व 47 सीटें कश्मीर घाटी में हैं।

2002 के चुनाव में कांग्रेस, पीडीपी और अन्य छोटे दलों ने मिलकर सरकार बनाई थी, जिसमें महबूबा मुफ्ती ने मुख्यमंत्री पद संभाला।

2008 में त्रिशंकु परिणाम सामने आए और नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस ने मिलकर सरकार बनाई। 2014 में भाजपा ने जम्मू में 25 सीटें हासिल की थी और पीडीपी के साथ गठबंधन करके सरकार बनाई। हालांकि, अब स्थिति अलग है और भाजपा खुले तौर पर दावा कर रही है कि यदि उसे पूर्ण बहुमत मिलता है तो मुख्यमंत्री जम्मू से ही होगा। 8 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे और तभी यह साफ होगा कि क्या जम्मू कश्मीर को पहला हिंदू मुख्यमंत्री मिलेगा। क्या भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी या फिर कांग्रेस और नेकां का गठबंधन राज्य की राजनीति को एक नई दिशा देगा? यह देखना दिलचस्प होगा।

अमेठी में सनसनीखेज घटना

शिक्षक, पत्नी और दो बच्चों की गोली मारकर हत्या

अमेठी, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

किराए के मकान में रह रहे एक शिक्षक, उसकी पत्नी और दो बच्चों की सरेशाम ताबड़तोड़ फायरिंग कर हत्या कर दी गई। बृहस्पतिवार शाम करीब सात बजे शिवरतनगंज थाना क्षेत्र में घर में घुसकर इस वारदात को अंजाम दिया गया जिसके बाद वहां सनसनी फैल गई। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर जांच की।

शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के अहोरवा भवानी कस्बे के मुख्य चौराहे पर किराए के मकान में शिक्षक सुनील कुमार (35) अपनी पत्नी, दो बच्चों के साथ रहते थे। सुनील कुमार पीएमश्री विद्यालय पन्हौना में सहायक अध्यापक थे। बृहस्पतिवार की शाम कुछ असलहाधारी लोग उनके आवास पर पहुंचे।

बदमाशों ने सुनील कुमार को निशाना बनाते हुए फ़ायरिंग कर दी। बचाव में आई उनकी पत्नी व दो बच्चे भी गोली का शिकार हो गया। चारों लोगों को सीएचसी सिंहपुर ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने सबको मृत घोषित

कर दिया। सूचना पर एसपी अनूप कुमार सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचा। एएसपी हरेंद्र प्रताप का कहना है कि गो-लीकांड में शिक्षक, उनकी पत्नी, पुत्र व बेटी की मौत हो हुई है। घटना की जांच की जा रही है।

एसपी अनूप सिंह का कहना है कि शिक्षक परिवार पर कुछ लो-गों ने फ़ायरिंग कर दी। जिससे शिक्षक, उनकी पत्नी व दो बेटियों की मौत हो गई है। प्रथमदृष्टया जांच में पता चला कि सुनील कुमार ने रायबरेली कोवताली में चंदन वर्मा के खिलाफ छेड़छाड़ व एससीएसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। जांच की जा रही है कि कहीं उस घटना का इस वारदात से कोई संबंध तो नहीं है। पुलिस की टीम लगाई गई हैं। संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है।

वांगचुक की गिरफ्तारी ने फिर जीवित कर दिया लद्दाख का मसला

जम्मू, 03 अक्टूबर।

जम्मू कश्मीर के ऐतिहासिक चुनावों के कारण जो लद्दाख का मुद्दा दब सा गया था वह फिर से लाइमलाइट में है। कारण, पर्यावरण एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तारी और इसके विरोध में लद्दाख में बंद और प्रदर्शनों के सिलसिले के बाद यह अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में स्थान पा गया है।

जानकारी के लिए सोनम वांगचुक एक पर्यावरण एक्टिविस्ट हैं जो लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने को लेकर लंबे समय से आंदोलनरत है। इसके लिए उन्होंने लेह से दिल्ली के लिए पदयात्रा की शुरुआत की। लेह से एक सितंबर को शुरू हुई ये यात्रा करीब एक हजार किलोमीटर थी जिसे पूरा करते हुए वो करीब 150 साथियों के साथ सोमवार शाम को दिल्ली में दाखिल हुए। हालांकि दिल्ली में उनके प्रवेश करने से पहले सिंघु बार्डर पर ही दिल्ली पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। वांगचुक को

हिरासत में लिए जाने पर विपक्षी दलों ने मोदी सरकार की खूब आलोचना तो की ही, लद्दाख में बंद और प्रदर्शनों का नया सिलसिला भी आरंभ हो गया। जिस कारण लद्दाख का मुद्दा एक बार फिर से सुर्खियों में है।

जानकारी के लिए सोनम वांगचुक 2003 में आई फिल्म थ्री इडियट के बाद चर्चा में आए थे। माना जाता है कि यह फिल्म उनके जीवन से प्रेरित थी जिसमें वांगचुक का किरदार आमिर खान ने निभाया था। वांगचुक ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी श्रीनगर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। वे पिछले 30 सालों से शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में काम कर रहे है। वे स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट आफ लद्दाख के संस्थापक डायरेक्टर हैं। इस मूवमेंट का लक्ष्य हिमालय क्षेत्र में सरकारी स्कूल प्रणाली में सुधार लाना है। वांगचुक ने लेह के पास एक ऐसा स्कूल बनाया है, जहां सिर्फ उन बच्चों को एडमिशन दिया जाता है जो परीक्षा में फेल हो जाते हैं। वहां वांगचुक बच्चों को नई-नई चीजें सिखाते हैं।

सोनम वांगचुक की सबसे बड़ी मांग लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की है। ऐसा होने पर लद्दाख को संवैधानिक सुरक्षा मिल जाएगी। छठी अनुसूची में संविधान के अनुच्छेद 244(2) और अनुच्छेद 275(1) के तहत विशेष प्रावधान मिले हुए हैं। वर्तमान में इसमें असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम शामिल हैं। वांगचुक लद्दाख को भी इसमें शामिल करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि छठी अनुसूची के तहत पहाड़ी और जनजातीय क्षेत्रों में स्वायत्त जिले बनाने का प्रावधान है। इसके तहत आने वाले प्रदेशों में स्वायत्त जिला परिषदों के गठन किया जाता है। इन स्वायत्त जिला परिषदों को लैंड रेवेन्यू जमा करने, टैक्स लगाने, कारोबार को रेगुलेट करने, खनिजों के खनन के लिए लाइसेंस या पट्टा जारी करने के साथ-साथ स्कूल, मार्केट और सड़कें बनाने का अधिकार भी होता है। यानी की इससे जिलों के पास रेवेन्यू जेनरेट करने के पर्याप्त संसाधन होते है। वांगचुक ऐसा करके लद्दाख को स्वायत्त बनाना चाहते है. इसके साथ ही पहाड़ी राज्य लद्दाख के संरक्षण में वहां के लोगों को भागीदार बनाना चाहते है। इसके लिए वे एक बार बर्फ में 20 डिग्री से नीचे के तापमान में कई दिनों का अनशन भी कर चुके हैं।

बेकाबू हाइवा ने ली तीन लोगों की जान

सोनभद्र, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वाराणसी-शक्तिनगर हाईवे पर सलखन में गुरुवार की देर शाम बेकाबू हाइवा की चपेट में आने से मासूम भाई-बहन समेत तीन की मौत हो गई। तीनों अपने घर के सामने बैठे थे। हाइवा चालक नशे में धुत था। हादसे के बाद ग्रामीणों ने चालक को पकड़कर जमकर पिटाई के बाद पुलिस को सौंप दिया।

वहीं, घटना से गुस्साए परिजनों ने जमकर हंगामा मचाया। मौके पर पहुंची पुलिस उन्हें शांत करने में जुटी रही।

सलखन फासिल्स पार्क के गेट के समीप बिंदू जायसवाल का मकान है। गुरुवार की देर शाम उनका पुत्र अंशू (6) और पुत्री जास्मीन (4) घर के बाहर खेल रहे थे। पास में ही पड़ोसी अंशू उर्फ अन्नू भारती (27) भी मौजूद था। इसी दौरान रॉबर्ट्सगंज से चोपन की ओर तेज गति में जा रहा हाइवा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित मकान में घुस गया। हाइवा की चपेट में आने से अंशू, जास्मीन और अन्नू गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोग दौड़कर घटनास्थल पहुंचे।

तीनों घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने चालक को पकड़ लिया। उसकी जमकर पिटाई के बाद पुलिस को सौंप दिया। खबर लिखे जाने तक चोपन एसओ विजय चौरसिया फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने में जुटे रहे।

रेलवे के घूसखोर डीईएन की अकूत सम्पत्ति का खुलासा

20 बीघे का फार्म हाउस, मछली का तालाब और पोल्ट्री फार्म

लखनऊ/वाराणसी, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रेलवे ट्रैक का टेंडर देने के बाद दो लाख घूस मांगने के आरोप में गिरफ्तार वरिष्ठ मंडल अभियंता (सीनियर डीईएन-टू) सत्यम कुमार सिंह पटेल का मिर्जापुर के चुनार में 20 बीघे का फार्म हाउस मिला है। इसमें मछली का तालाब है। पोल्ट्री फार्म भी बना रखा है। इससे संबंधित दस्तावेज सीबीआई ने जब्त कर लिए हैं। सीबीआई की जांच से पता चला कि गिरफ्तार रेलवे अफसर माता-पिता के नाम से दस-दस लाख रुपए का इनकम टैक्स जमा करता है। दूसरी तरफ सीबीआई की लखनऊ कोर्ट ने आरोपी सत्यम कुमार सिंह को 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा जेल भेज दिया है।

सीबीआई की टीम रेलवे अफसर की आय और उसकी संपत्ति का ब्यौरा खंगालने में जुटी है। जांच के मुताबिक, गिरफ्तार सत्यम कुमार सिंह को प्रतिमाह करीब डेढ़ लाख रुपए तनख्वाह मिलती है। इसके बावजूद करोड़ों के निवेश से फार्म हाउस बनवा लिया। लखनऊ और नोएडा में भी

संपत्ति खरीदने के साक्ष्य मिले हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के डीआरएम भवन में लगभग दो साल से तैनात सीनियर डीईएन-टू सत्यम कुमार सिंह ने देवरिया निवासी एक चहेते ठेकेदार को लाभ पहुंचाया और कई नियमों को बेपटरी कर दिया। ठेकेदार के फर्म पर कई काम कराए गए हैं। इसकी जांच भी सीबीआई कर रही है। सीनियर डीईएन के एक करीबी रिश्तेदार की संलिप्तता भी सामने आई है। रिश्तेदार की फर्म पर वर्क ऑर्डर जारी किए गए। काम भी हुए हैं। फिलहाल, सीबीआई की एसपी शिवानी तिवारी और डिप्टी एसपी रानू चौधरी के नेतृत्व में हुई कार्रवाई से रेलवे अफसर सहमे हैं। डीआरएम कार्यालय में बुधवार को सन्नाटा पसरा रहा।

सीबीआई लखनऊ के एक अधिकारी ने बताया कि सीनियर डीईएन का हर रनिंग बिल पर 2 परसेंट कमीशन होता है। उसी रेशियो से पैसा भी बनता था। पैसा नहीं देने पर ठेकेदार को परेशान किया जाता था। सीनियर डीईएन के चैंबर में दो कंप्यूटर पाए गए। इसमें एक विभागीय रेलवे का और दूसरा सीनियर डीईएन का पर्सनल था। दोनों कंप्यूटर की हार्डडिस्क जब्त कर ली गई है।

सीनियर डीईएन अपने चहेतों को नियम दरकिनार करके टेंडर देता था। यदि किसी बाहरी ठेकेदार ने उसके सेक्शन में टेंडर डाल दिया तो उसे इतना परेशान करता था कि वह भाग खड़ा होता था। टेंडर भी निरस्त कर देता था। सगे-संबंधियों की फर्म पर काम करवाता था। सीबीआई के अफसर के मुताबिक पिछले दो साल में जारी टेंडर की जांच भी की जा रही है। प्रारंभिक जांच से पता चला कि कुछ बड़े-बड़े टेंडर कराए गए हैं। इसके एवज में एडवांस कमीशन भी लिए गए।

सीबीआई की जांच से पता चला कि यदि साइड पर एक करोड़ का काम कराना है तो उसे पांच से छह करोड़ तक ले जाता था और जो भी ठेकेदार टेंडर डालता तो उससे एडवांस डेढ़ परसेंट लेता और फिर टेंडर का वर्क ऑर्डर देता था। ठेकेदार काम करने के बाद दौड़ता रहता था। शेष काम कहां करना है, कुछ माह तक ठेकेदार चक्कर काटने के बाद अपने आप टेंडर फाइनल कराकर हाथ जोड़ लेता था, क्योंकि ठेकेदार को पूरे टेंडर का काम करने के लिए साइड भी उपलब्ध नहीं कराता है। यही क्रियाकलाप डीईएन टू के परिक्षेत्र में प्रभावी तरीके से चलता है। इसके प्रमाण के लिए जांच एजेंसी पुराने कार्यों की फाइल को खंगाल सकती है।

अब तक की छानबीन में सामने आया कि सीनियर डीईएन के दूर के एक रिश्तेदार न्यायिक अधिकारी हैं। उन्हीं का धौंस देकर यह डिवीजन और हेडक्वार्टर तक दबंगई से रहता था। डिवीजन क्या, हेडक्वार्टर तक के अधिकारियों के आदेश उसके लिए कोई मायने नहीं रखते थे। यही कारण था कि वह निजी अंगरक्षक लेकर चलता था। एडीओ पंचायत के पद से रिटायर्ड पिता और मां के नाम से हर साल 10-10 लाख का इनकम रिटर्न भरता था ताकि कहीं कोई जांच न हो। इस कार्रवाई के बाद मंडल से लेकर मुख्यालय तक चर्चा है।

इंजीनियरिंग विभाग के एक और अधिकारी से सीबीआई जल्द ही पूछताछ कर सकती है। सीबीआई टीम ने एक अधिकारी को फोन लगाया, लेकिन फोन बंद मिला। लंबे समय से जुड़े अधिकारी ने भी कई चहेते ठेकेदारों को काम दिया है। सीनियर डीईएन ने कई राज उगले हैं। फिलहाल, डीआरएम भवन के अधिकतर अधिकारी अपने-अपने सेक्शन में चले गए हैं।

आजमगढ़ मंडल भी बना ग्रामीण पर्यटन विकास का हिस्सा

लखनऊ, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने की प्रक्रिया में एक नए अध्याय को जोड़ा है। प्रदेश की समृद्ध ग्रामीण परिवेश को घरेलू व विदेशी पर्यटकों में प्रसिद्ध बनाने की परियोजना से अब आजमगढ़ मंडल को भी जोड़ा जा चुका है। सीएम योगी के विजन अनुसार योजना के अंतर्गत, आजमगढ़, मऊ व बलिया में 4 गांवों में रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे समेत विभिन्न पर्यटक सुविधाओं विकास किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि आजमगढ़ मंडल के गांवों को इस योजना के साथ जोड़ने के बाद अब कुल मिलाकर रूरल टूरिज्म के लिए डेवलप किए जा रहे गांवों की संख्या 97 हो गई है। देवीपाटन, चित्रकूट, अयोध्या, लखनऊ तथा वाराणसी मंडल में पहले से ही इस परियोजना के अंतर्गत क्रियान्वयन शुरू हो गया है। माना जा रहा है कि प्रदेश के अन्य मंडलों के चिह्नित गांवों को भी इस प्रक्रिया से जल्द ही जोड़ा जाएगा। इन सभी पर्यटन विकास एवं निर्माण कार्यों को उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा सीएम योगी के विजन अनुसार पूरा किया जा रहा है और योजना को गति देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। परियोजना के अंतर्गत आजमगढ़, मऊ और जौनपुर जिलों में कुल 4 गांवों का चयन रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए होम स्टे परियोजना के लिए चयनित किया जाएगा। सभी चारों गांव में एक विलेज को ऑर्डिनेटर, एक-एक जिला को ऑर्डिनेटर, एक टूरिज्म एक्सपर्ट, एक रूरल डेवलपमेंट एक्सपर्ट व टीम लीड की तैनाती होगी। प्रत्येक गांव में 10 लोकल गाइड, 5 स्टोरी टेलर, तथा लोकल कुजीन का स्वाद उपलब्ध कराने का दायित्म 5 परिवारों को सौंपा जाएगा। इसके अतिरिक्त, जरद-ोजी, मूंज, लकड़ी के शिल्पकार, कुम्हार तथा बोटिंग, फिशिंग, फल व सब्जी तोड़ने तथा साइक्लिंग इत्यादि की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 20 कलाकारों तथा स्थानीय लोगों को कार्यभार सौंपा जाएगा। ग्राम स्तर पर 10 होम स्टे तक निर्मित किए जा सकेंगे। इनकी रजिस्ट्रेशन, विकास व नियमन इत्यादि की प्रक्रिया को स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकार की पॉलिसी के अनुरूप पूरा किया जाएगा। सारी प्रक्रिया उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के दिशा-निर्देशन में पूरी की जाएगी। परियोजना के अनुसार, सभी रूम स्टे निधि प्लस पोर्टल के साथ भी एकीकृत होंगे। इसके अतिरिक्त, 4 आइसोलेटेज एग्रो टूरिज्म प्रॉपर्टीज के विकास की संभावनाओं को भी तलाशा जाएगा। परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक तीन महीने में गांवों में टूरिज्म को प्रमोट करने के लिए विभिन्न प्रकार के आयोजन किए जाएंगे। साथ ही, इन सभी ग्रामों का सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर अकाउंट बनाकर उन्हें प्रमोट किया जाएगा। ग्रामों में 15 रूम तक की कैपेसिटी पर रूम स्टे विकसित किए जाएंगे। सारी विकास प्रक्रिया को 6 महीने के 3 चरण, 4 महीने के चौथे चरण तथा 2 महीने के पांचवें चरण के रूप में 24 महीनों यानी दो वर्षों की अवधि में विकसित किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश घरेलू पर्यटकों के लिहाज से देश का नंबर वन टूरिस्ट डेस्टिनेशन है। प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन के अतिरिक्त प्राकृतिक, वन्य व लोक पारंपरिक कलाओं आधारित पर्यटन की भी अपार संभावनाएं हैं। उत्तर प्रदेश की संस्कृति और प्रकृति को देखने और उसे अनभूत करने की ललक न केवल देसी बल्कि विदेशी पर्यटकों में भी बहुत है। यही कारण है कि प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाओं को भी व्यापक स्तर पर जागृत करने की दिशा में योगी सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं। प्रदेश के प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशंस के समीप ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गांवों में होम स्टे समेत पर्यटन विकास की प्रक्रिया पर फोकस किया जा रहा है। साथ ही, ग्रामीण, वन समेत पर्यटन के लिहाज से प्रमुख टूरिस्ट सर्किट में टूर गाइड्स व ऑपरेटर्स की ट्रेनिंग प्रक्रिया को भी बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में विस्तृत फ्रेमवर्क पर काम जारी है।

वाराणसी के बाद अब लखनऊ के मंदिरों से हटेगी साईं की प्रतिमा

लखनऊ, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हिंदू देवी-देवताओं के मंदिर से साईं की प्रतिमा को हटाया जा रहा है। वाराणसी के लगभग 10 मंदिरों से साईं की प्रतिमा को हटाया जा चुका है। कुछ हिंदूव-ादी मंदिर साईं की प्रतिमा का विरोध कर रहे हैं। वाराणसी में सनातन रक्षक दल की ओर से हिन्दुओं के मंदिर से साईं की प्रतिमा को हटाए जाने के लिए मंदिर की प्रबंधक समिति से सहमति ली जा रही है। इसके बाद मंदिर से साईं की प्रतिमा को हटवाया जा रहा है। वाराणसी के बाद अब लखनऊ में भी हिन्दुओं के मंदिरों से साईं की प्रतिमा को हटवाने की शुरुआत हो चुकी है। सनातन रक्षक दल के अध्यक्ष अजय शर्मा ने कहा है कि मंदिर प्रबंधन की सहमति के बाद प्रतिमाओं को हटाया जा रहा है। किसी की आस्था का अनादर नहीं किया जा रहा है और न ही साईं की प्रतिमा के प्रति कोई

दुर्भावना है।

हिंदू लोग सभी के प्रति आदर का भाव रहते हैं। जिन लोगों को साईं की पूजा करनी हो। उन लोगों को चाहिए की साईं का एक अलग से मंदिर बनवा लें। मगर सनातन धर्मावलम्बियों के मंदिर में साईं की प्रतिमा का कोई स्थान नहीं है। वाराणसी में बड़ा गणेश मंदिर से पहले पुरुषोत्तम मंदिर सहित शहर के 10 मंदिरों से साईं की प्रतिमा हटाई जा चुकी है। अगस्त्यकुंडा और भूतेश्वर मंदिर से भी जल्द ही साईं की प्रतिमा हटाए जाने के लिए वहां की प्रबंधक समिति से बातचीत चल रही है। सनातन रक्षक दल के इस अभियान को देखते हुए कुछ मंदिरों में साईं की प्रतिमाओं को सफेद कपड़े से लपेट दिया गया।

वाराणसी के बाद अब लखनऊ में भी साईं की प्रतिमा हटाए जाने की मांग चल रही है। अखिल भारतीय हिंदू महासभा ने राजधानी के मंदिरों से साईं की प्रतिमा हटाये जाने की मांग की है। लखनऊ में भी मंदिर की प्रबंधक समिति से बात-चीत करके साईं की प्रतिमा को हटवाया जा रहा है। अखिल भारतीय हिंदू महासभा की तरफ से कहा गया है कि हिन्दुओं के मंदिरों से साईं प्रतिमा को हटाया जाना चाहिए। मंदिर की प्रबंधक समिति से इसके लिए सहमति बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में वेस्ट से वेल्थ बन रही है पराली

सीबीजी प्लांट से अन्नदाता बन रहे ऊर्जादाता

लखनऊ, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पराली से अक्टूबर-नवम्बर में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में होने वाले प्रदूषण की खबर सुर्खियों में रहती है। इसके उलट योगी सरकार के प्रयास से पराली अब ऊर्जा और उर्वरक का सोर्स बनकर आम के आम और गुठलियों के भी दाम की कहावत को चरितार्थ कर रही है। फसल काटने के बाद किसानों और पर्यावरण के लिए समस्या मानी जाती रही पराली अब यूपी में वेस्ट से वेल्थ बनकर किसानों की आमदनी, ऊर्जा और बेहतरीन कंपोस्ट खाद के रूप में आमदनी और उत्पादन बढ़ाने का जरिया बनने लगी। यह संभव हो रहा है सीबीजी (कम्प्रेस्ड बायो गैस) प्लांट से। सीबीजी प्लांट के लिए पराली की आपूर्ति कर किसान अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता भी बन रहे हैं।

सीबीजी प्लांट में पराली से ईंधन तैयार हो रहा है और ईंधन बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में किसानों से उनकी पराली खरीदी जा रही है। पिछले साल तक उत्तर प्रदेश में दस सीबीजी प्लांट क्रियाशील थे। वर्तमान में सीबीजी के उत्पादन में यूपी देश में नंबर वन है। सीबीजी की 24 इकाइयों में उत्पादन हो रहा है। 93 इकाइयां निर्माणाधीन हैं। आने वाले समय में प्रदेश में इनकी संख्या बढ़कर सौ हो जाएगी। मार्च 2024 में केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी इसकी घोषणा भी कर चुके हैं।

उल्लेखनीय है कि यंत्रीकरण के बढ़ते चलन और श्रमिकों की अनुपलब्धता और श्रम के मंहगा होने की वजह से अब फसलों की कटाई कंबाइन से ही होती है। खरीफ और रबी की प्रमुख फसल धान और गेहूं की कटाई के बाद अगली फसल की तैयारी के लिए इन फसलों के अवशेष जलाने की प्रथा रही है। इसके कारण खासकर धान की कटाई के बाद अक्टूबर-नवम्बर में रबी की मुख्य फसल गेहूं की समय से बोआई के लिए पराली जलाने से मौसम में नमी के कारण पर्यावरण की समस्या कुछ इलाकों में गंभीर हो जाती है।

उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा नीति 2022 के अनुसार कृषि अपशिष्ट आधारित बायो सीए-नजी, सीबीजी इकाइयों को कई तरह के प्रोत्साहन के प्रावधान किए गए हैं।

सरकार की मंशा हर जिले में सीबीजी प्लांट लगाने की है। इसी कड़ी में पिछले साल 8 मार्च को गोरखपुर के धुरियापार में इंडियन ऑयल के सीबीजी प्लांट का शुभारंभ हो चुका है। इसके उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उपस्थित रहे केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद थी।

165 करोड़ रुपये की लागत से बना गोरखपुर का यह सीबीजी प्लांट पर्यावरण की रक्षा, किसानों की आमदनी बढ़ाने और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा प्रयास साबित हो रहा है। इस प्लांट में रोजाना 200 मीट्रिक टन पराली यानी कृषि अवशेष (धान का भूसा), 20 मीट्रिक टन प्रेसमड और 10 मीट्रिक टन मवेशियो के गोबर के उपयोग की क्षमता वाला है। बायोगैस प्लांट में प्रतिदिन लगभग 20 मीट्रिक टन बायोगैस और 125 मीट्रिक टन जैविक खाद का उत्पादन होगा। जैविक खाद से कृषि की पैदावार बढ़ाने में मदद मिलेगी इस तरह के प्लांट का सीधा मतलब यह हुआ कि ऊर्जा क्षेत्र में भी अन्नदाता किसानों की बड़ी भूमिका होगी। और, इस ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र से जुड़कर वह अतिरिक्त आय भी अर्जित करेंगे। उधर पराली जब जलाई नहीं जाएगी तो पर्यावरण संरक्षण आप ही होने लगेगा।

उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा नीति (2022) के बाद इस क्षेत्र में निवेशकों ने खासी रुचि दिखाई है। इसके मद्देनजर योगी सरकार को उम्मीद है कि कि अगले पांच साल में उत्तर प्रदेश में बयोकोल/बायोडीजल का उत्प-ादन भी मौजूदा स्तर से दो गुना हो जाएगा। इस बाबत आई 26 परियोजनाओं में से 21 को सरकार की सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। सरकार का प्रयास है कि अगले साल 2025 तक 20 परियोजनाएं संचलन की स्थिति में आ जाएं।

गोचर भूमि को कब्जा मुक्त कराने का अभियान चलेगा

प्रदेशभर में 65 हजार से अधिक हेक्टेयर है गोचर भूमि

लखनऊ, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार प्रदेश भर में गोचर भूमि को अवैध कब्जाधारियों से मुक्त कराने के लिए विशेष अभियान चलाने जा रही है। सीएम योगी ने इसके लिए नोडल अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अभियान की रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराने के भी आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान लापरवाही बदार्शत नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोवंश को हरा

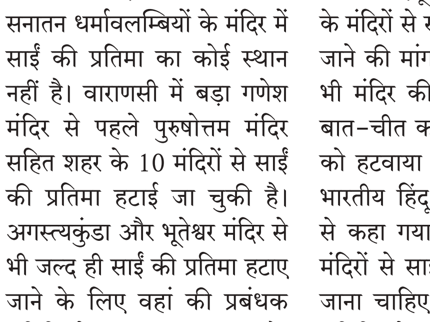

चारा, भूसा और पौष्टिक पशुआहार उपलब्ध कराने के लिए फैसला लिया है। इसी क्रम में प्रदेश के 12 जिलों में 27 हजार से अधिक गोचर भूमि को शत प्रतिशत कब्जामुक्त किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को गोचर भूमि को अवैध कब्जाधरियों से मुक्त कराने के निर्देश दिए हैं। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप अभियान को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए नोडल अधिकारियों की सूची तैयार की जा रही है ताकि अभियान की प्रॉपर मानीटरिंग हो सके। वहीं नोडल अधिकारियों को प्रतिदिन अभियान की रिपोर्ट शासन को सौंपनी होगी।

सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेश भर में गोचर भूमि की सूची तैयार की जा रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कितनी गोचर भूमि पर कब्जा है। इसी के अनुसार जिल-ावार अभियान को चलाया जाएगा। समय-समय पर गोचर भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करने के लिए अभियान चलाया जाता है। इसी क्रम में एक बार फिर वृहद स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। सीएम योगी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में निराश्रित गोवंश का वास्तविक आकलन करें और गो-आश्रय स्थलों में अतिरिक्त शेड का निर्माण करें। गोआश्रय स्थलों की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था हो, कहीं पर भी कीचड़ और जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो। सभी आश्रय स्थलों में भूसा, हरा चारा, पानी आदि की समुचित व्यवस्था होनी चाहिये। मृत गोवंश को ससम्मान एवं ठीक विधि से दफनाने की व्यवस्था हो।

प्रदेश भर में राजस्व अभिलेखों के अनुसार 65,177 हेक्टेयर गोचर भूमि है। इनमें हरदोई में 4,599 हेक्टेयर, कानपुर नगर में 3,678 हेक्टेयर, रायबरेली में 3349 हेक्टेयर, लखनऊ में 3,077 हेक्टेयर, फतेहपुर में 2805 हेक्टेयर और अमेठी में 2,005 हेक्टेयर गोचर भूमि है। वहीं अब तक 27,688.75 हेक्टेयर गोचर भूमि कब्जामुक्त कराई जा चुकी है, जिसका प्रतिशत कुल गोचर भूमि का 42.48 प्रतिशत है। वहीं 37,488.25 हेक्टेयर गोचर भूमि को कब्जामुक्त कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

फ्लिपकार्ट के डिलीवरी ब्वॉय की हत्या के बाद दर्जनों डिलीवरी ब्वॉय ने किया प्रदर्शन

लखनऊ , 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजधानी लखनऊ में फ्लिपकार्ट के डिलीवरी ब्वॉय भरत कुमार प्रजापति की हत्या के बाद अपनी सुरक्षा को लेकर फ्लिपकार्ट के अन्य दर्जनों डिलीवरी ब्वॉय ने भी प्रदर्शन किया। इसमें भरत के परिजन भी शामिल हुए।

सभी ने भरत के हत्यारों को फ्फांसी की सजा देने, परिजनों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। चिनहट स्थित फ्लिपकार्ट के वेयरहाउस पर प्रदर्शन करते हुए डिलीवरी ब्वॉय का काम करने वाले युवकों ने कहा कि हम अपनी सुरक्षा के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे हैं साथ ही मांग करते हैं कि भरत के परिजनों को न्याय दिया जाए और हमें भी सुरक्षा प्रदान की जाए। उनके प्रदर्शन के कारण फ्लिपकार्ट के पार्सल का काम आज ठप हो गया है।

वहीं, हत्याकांड के मुख्य आरोपी गजानन दुबे उफ्फ़ दुबे ने बुधवार को बाराबंकी कोर्ट में सरेंडर कर दिया और जेल चला गया। पुलिस की तीन टीमें खाक छानती रह गई। अब चिनहट पुलिस उसको कस्टडी रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में अर्जी देगी। उधर अभी भी इंदिरा नहर में एसडीआरएफ्फ़ की टीम भरत की तलाश में जुटी है। नहर से सटे थाना क्षेत्रों से भी संपर्क कर जानकारी साझा की है।

चिनहट सतरिख के सविता विहार निवासी भरत 24 सितंबर को एक लाख रुपये के कीमत के दो मोबाइल डिलीवर करने के लिए इलाके में गए थे। इस दौरान मोबाइल और कैश लूटने के बाद गजानन दुबे और उसके साथी आकाश शर्मा ने भरत की हत्या कर दी थी। शव बैग में भरकर बाराबंकी में माती में जाकर इंदिरा नहर में फ्फ़ेंक दिया था।

पुलिस ने मंगलवार को आर-ोपी आकाश को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इंस्पेक्टर चिनहट अश्विनी चतुर्वेदी ने बताया कि आरोपी गजानन पर बाराबंकी के कुर्सी थाने में अमानत में खयानत की धारा का केस वर्ष 2021 में दर्ज हुआ था। वारदात को अंजाम देने के बाद इसी केस में बुधवार को सरेंडर कर दिया।

संपादकीय

अब ईरान दोहरे निशाने पर

अंततः ईरान ने पलटवार किया और इजरायल पर बैलेस्टिक मिसाइलों की बौछार कर दी। करीब 180 मिसाइलों का आक्रमण इजरायल पर किया गया, लेकिन उसकी वायु रक्षा प्रणाली 'आयरन डोम' ने अधिकांश मिसाइलों का हमला नाकाम कर दिया। इसके बावजूद मध्य और दक्षिण इजरायल में कुछ मिसाइलें गिरीं, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ईरान का हमला आकस्मिक नहीं था। अमरीका इजरायल को सचेत कर चुका था और खुफिया एजेंसी 'मोसाद' की भी लीड्स मिल रही थीं कि ईरान बहुत जल्द हमला कर सकता है। चूंकि ईरान-इजरायल के दरमियान करीब 2000 किलोमीटर की दूरी है, लिहाजा इजरायल ने यथासमय रणनीति बना ली थी कि आक्रमण को किस तरह ध्वस्त करना है। इजरायल ने यथासमय अपने नागरिकों और निवासियों को भी 'बंकरों' में चले जाने की सूचना दे दी थी। येरुशलम और तेल अवीव जैसे महत्वपूर्ण शहरों में सायरन गूंज रहे थे। भीषण विस्फोटों की आवाजें भी सुनी जा रही थीं। इजरायल छोटा-सा देश है, लेकिन उसका सुरक्षा-कवच वाकई 'अभेद्य' है। आक्रमण कर ईरान ने अपनी कुंठा पूरी कर ली थी कि उसने हमास के मुखिया इस्माइल हनियेह, हिजबुल्लाह के सरगना नसरल्लाह और ईरान के एक कमांडर की हत्याओं का बदला ले लिया, लेकिन इजरायल की ताकत और लडने की क्षमता जस की तस बरकरार है। यही नहीं, इजरायल ने अपनी उत्तरी सीमा से सटे लेबनान में जमीनी ऑपरेशन शुरू कर हिजबुल्लाह के लड़ाई के कई ठिकानों को 'मिट्टी-मलबा' भी कर दिया है। बीते 7 अक्तूबर, 2023 को हमास हमले के बाद उत्तरी इजरायल से 60,000 से अधिक इजरायली नागरिकों ने पलायन किया था। अब इजरायल उस इलाके को हिजबुल्लाह-मुक्त कर अपने नागरिकों की वापसी तय करना चाहता है। आश्चर्य है कि लेबनान की सेना ने इजरायली ऑपरेशन के लिए रास्ता ही छोड़ दिया। आत्मसमर्पण कर दिया। इजरायल इस जमीनी ऑपरेशन के जरिए लेबनान में हिजबुल्लाह को नेस्तनाबूद कर देना चाहता है। बेशक ईरान का हमला स्वाभाविक था, क्योंकि पश्चिम एशिया में उसकी पुरानी धाक का सवाल था। प्रमुख इस्लामी देश भी इजरायल के खिलाफ, ईरान के साथ, नहीं हैं। बहरहाल हमला इतना सिलसिलेवार और जबरदस्त था कि अमरीका के 'व्हाइट हाउस' में राष्ट्रपति बाइडेन को तुरंत अपनी सुरक्षा-टीम को तलब करना पड़ा। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और रक्षा मंत्री से विमर्श कर तुरंत रणनीतियां तय की गईं और सेना को निर्देश दिया गया कि वह इजरायल की तरफ जाने वाली मिसाइलों, ड्रोन्स और अन्य विस्फोटकों को बेअसर करे, मार गिराए और इजरायल के अस्तित्व की रक्षा करे। इस हमले से पहले 14 अप्रैल, 2024 को भी ईरान ने 300 से अधिक मिसाइलों और ड्रोन से इजरायल पर हमला किया था। तब भी अमरीका ने उसकी सुरक्षा की थी। इस तरह ईरान-इजरायल टकराव में अमरीका का भी प्रवेश हो गया। इजरायली हमले की योजनाएं बनाई जा चुकी हैं। इजरायली सेना ने समय और स्थान की बात करते हुए कहा है कि ईरान पर पलटवार किया जाएगा। सवाल है कि क्या अब ईरान अमरीका और इजरायल के दोहरे निशाने पर आ गया है? क्या यहां से कथित युद्ध का विस्तार होगा और नए यौद्धिक समीकरण सामने आएंगे? अमरीका को ईरान का परमाणु कार्यक्रम चुभता रहा है। उसके सभी नक्शे अमरीका के पास हैं। क्या अमरीका ईरान के परमाणु संयंत्र को निशाना बनाते हुए कोई हमला करेगा? इजरायल का निशाना ईरान के तेल भंडारों और ढांचों पर है। यदि उन पर हमला किया गया, तो विश्व में तेल आपूर्ति का संकट पैदा हो सकता है। विश्व में इस समय कई मोर्चों पर युद्ध जारी हैं। मध्य-पूर्व में जो तनाव बढ़ रहा है, उससे कई देश चिंतित हैं।

करीब 180 मिसाइलों का आक्रमण इजरायल पर किया गया, लेकिन उसकी वायु रक्षा प्रणाली 'आयरन डोम' ने अधिकांश मिसाइलों का हमला नाकाम कर दिया। इसके बावजूद मध्य और दक्षिण इजरायल में कुछ मिसाइलें गिरीं, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ईरान का हमला आकस्मिक नहीं था। अमरीका इजरायल को सचेत कर चुका था और खुफिया एजेंसी 'मोसाद' की भी लीड्स मिल रही थीं कि ईरान बहुत जल्द हमला कर सकता है। चूंकि ईरान-इजरायल के दरमियान करीब 2000 किलोमीटर की दूरी है, लिहाजा इजरायल ने यथासमय रणनीति बना ली थी कि आक्रमण को किस तरह ध्वस्त करना है। इजरायल ने यथासमय अपने नागरिकों और निवासियों को भी 'बंकरों' में चले जाने की सूचना दे दी थी। येरुशलम और तेल अवीव जैसे महत्वपूर्ण शहरों में सायरन गूंज रहे थे। भीषण विस्फोटों की आवाजें भी सुनी जा रही थीं। इजरायल छोटा-सा देश है, लेकिन उसका सुरक्षा-कवच वाकई 'अभेद्य' है।

भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है

विश्व के वित्तीय एवं निवेश संस्थान भारत के आर्थिक विकास के अनुमानों को बढ़ा रहे हैं

प्रह्लाद सबनानी

भारत में आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रमों को लागू किया गया है। स्टैंडर्ड एवं पूअर (एसएंडपी) नामक विश्व विख्यात क्रेडिट रेटिंग संस्थान ने हाल ही में अपने एक प्रतिवेदन में बताया है कि भारत, केलेंडर वर्ष 2024 में एवं इसके बाद के वर्षों में 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर के साथ वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा तथा भारतीय अर्थव्यवस्था का वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान वर्तमान के 3.6 प्रतिशत से बढ़कर 4.5 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच जाएगा।

आज जब विश्व में कई विकसित एवं विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं दिखाई दे रही है, वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। कई विदेशी एवं निवेश संस्थान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के सम्बंध में पूर्व में दिए गए अपने अनुमानों में संशोधन कर रहे हैं कि आगे आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास की गति और अधिक तेज होगी। विशेष रूप से कोरोना महामारी के पश्चात भारत ने आर्थिक विकास के क्षेत्र में तेज रफ्तार पकड़ ली है। भारत में आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रमों को लागू किया गया है। स्टैंडर्ड एवं पूअर (एसएंडपी) नामक विश्व विख्यात क्रेडिट रेटिंग संस्थान ने हाल ही में अपने एक प्रतिवेदन में बताया है कि भारत, केलेंडर वर्ष 2024 में एवं इसके बाद के वर्षों में 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर के साथ वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा तथा भारतीय अर्थव्यवस्था का वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान वर्तमान के 3.6 प्रतिशत से बढ़कर 4.5 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच जाएगा। साथ ही, भारत में प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर उच्च मध्यम आय समूह की श्रेणी की हो जाएगी। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार भी वर्तमान के 3.92 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। हालांकि एसएंडपी ने भारत में आर्थिक विकास दर के 6.7 प्रतिशत प्रतिवर्ष बढ़ने का अनुमान लगाया है जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक विकास दर के 7.3 प्रतिशत के अनुमान के विरुद्ध 8.2 प्रतिशत की रही है। भारत में अब सरकारी क्षेत्र के साथ ही निजी क्षेत्र भी पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर ध्यान देता हुआ दिखाई दे रहा है, इससे आगे आने वाले समय में केंद्र सरकार पर पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने सम्बंधी दबाव कम होगा और केंद्र सरकार का बजटीय घाटा और अधिक तेजी से कम होगा, जिससे अंततः विदेशी निवेशक भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित होंगे। इसी प्रकार, विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी वर्ष 2024, 2025 एवं 2026

में भारत के आर्थिक विकास सम्बंधी अपने अनुमानों के बढ़ाया है। विश्व बैंक का तो यह भी कहना है कि भारत ने केलेंडर वर्ष 2023 में विश्व के वार्धिक आर्थिक विकास में 16 प्रतिशत का योगदान दिया है और इस प्रकार भारत अब विश्व में आर्थिक विकास के इंजिन के रूप में कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वर्ष 2023 में 7.2 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की थी, जो विश्व की अन्य उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं द्वारा इसी अवधि में हासिल की गई विकास दर से दुगुनी थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की आर्थिक विकास दर के वर्ष 2024 के अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत की विकास दर को बढ़ा कर 7 प्रतिशत कर दिया है। ओईसीडी देशों के समूह ने भी वर्ष 2024 एवं 2025 में वैश्विक स्तर पर आर्थिक प्रगति के अनुमान जारी किए हैं। इन अनुमानों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर वर्ष 2024 एवं 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में 3.2 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की जा सकेगी। वहीं भारत की आर्थिक विकास दर वर्ष 2024 के 6.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 6.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। चीन की आर्थिक विकास दर वर्ष 2024 में 4.9 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में 4.5 रहने की सम्भावना है। इसी प्रकार रूस एवं अमेरिका की आर्थिक विकास दर भी वर्ष 2024 में क्रमशः 3.7 प्रतिशत एवं 2.6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में क्रमशः 1.1 प्रतिशत एवं 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। कुल मिलाकर आज विश्व के लगभग समस्त वित्तीय एवं निवेश संस्थान आगे आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक विकास दर के बढ़ने के अनुमान लगा रहे हैं। वैश्विक स्तर पर वित्तीय संस्थानों द्वारा भारत के आर्थिक विकास दर के सम्बंध में लगाए जा रहे अनुमानों के अनुसार यदि भारत आगे आने वाले वर्षों में प्रतिवर्ष 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल करता है तो भारत वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसके ठीक विपरीत भारत ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की थी एवं भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार भारत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर हासिल करेगा, इस प्रकार तो भारत वर्ष 2031 के पूर्व ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। दूसरे, विश्व में भारत से आगे जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाएं हैं, आज इन दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में कई प्रकार की समस्याएं दिखाई दे रही हैं जिनके चलते इन देशों की आर्थिक विकास दर आगे आने वाले कुछ वर्षों में शून्य रहने की सम्भावना दिखाई दे रही है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है कि भारत मार्च 2025 तक जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा एवं मार्च 2026 अथवा मार्च 2027 तक जर्मनी की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा और भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए वर्ष 2031 तक इंतजार ही नहीं करना पड़ेगा। विश्व बैंक द्वारा जारी वैश्विक आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 ने भी वित्तीय वर्ष 2025 में भारत को विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने के संकेत दिए हैं। पिछले तीन वर्षों में पहली बार वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्ष 2024 में स्थिर होने के संकेत दे रही है। वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के वर्ष 2024-25 में 2.6 प्रतिशत एवं वर्ष 2025-26 में 2.7 प्रतिशत रहने की सम्भावना विश्व बैंक द्वारा की गई है। इसी प्रकार, मुद्रा स्फीति में भी धीरे धीरे कमी आने के संकेत मिल रहे हैं एवं यह वैश्विक स्तर पर औसतन 3.5 प्रतिशत रहने की सम्भावना है। मुद्रास्फीति उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को कम करती है एवं उनके व्यय करने की क्षमता को भी हत्तोत्साहित करती है। कई देशों को मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरों को बढ़ाना पड़ता है।

दृष्टि कोण

सेहत पर भारी मिलावटी खाद्य सामग्री

भारत में बढ़ती आबादी के कारण और मांग एवं आपूर्ति में अंतर के चलते प्रायः खाद्य वस्तुओं की किल्लत और दामों में बढ़ोत्तरी होती ही रहती है और इसी किल्लत का फायदा जमाखोरों की टोलियां उठाने से नहीं चूकती हैं, तो वहीं घटिया एवं मिलावटी चीजें बेचने वालों की पौबारह हो जाती है। भारत में इन दोनों तिरुमला तिरुपति देवस्थानम द्वारा श्रद्धालुओं को दिए जाने वाले लड्डुओं को मिलावटी देसी घी से बनाने से भक्तों की धार्मिक आस्था आहत होने का मुद्दा भी चर्चा में है। देवस्थानम को देसी घी की आपूर्तिकर्ता कंपनी एआर डेयरी फूड प्राइवेट लिमिटेड से खाद्य नियामक ने पूछा है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक विनियमन 2011 के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए उसका केंद्रीय लाइसेंस निलंबित क्यों न कर दिया जाए? आज भारत में मिलावट का कारोबार उस स्तर को पार कर चुका है जहां खाद्य उत्पादों में सस्ते और घटिया पदार्थ मिलाकर बेईमान व्यापारी व विक्रेता सामान की मात्रा को बढ़ा देते हैं और भारतीयों की जान की कीमत पर भारी मुनाफा कमाते हैं। ऐसा अनुमान है कि 60 करोड़ लोग अर्थात विश्व में लगभग 10 में से 1 व्यक्ति हर वर्ष दूषित भोजन खाने के कारण बीमार पड़ते हैं तथा 420000 लोग मर भी जाते हैं। भारत में दूध और डेयरी उत्पाद, वसा और तेल, फल और सब्जियां, अनाज, कॉफी, चाय, शहद और मसाले आदि सहित लगभग हर खाद्य सामग्री में मिलावट का प्रतिशत अत्यधिक बढ़ गया है और स्वच्छता मानकों की बुरी तरह से अनदेखी हो रही है। इतना ही नहीं, भारत के कई क्षेत्रों से ऐसे भी वीडियो की सोशल मीडिया में भरमार हो रखी है जिसमें समोसे, चाट, ब्रेड, कुल्फी, प्लास्टिक के चावल और गुलाब जामुन से भरी कड़ाही में पेशाब करते युवक और गोल गप्पे वाले जलजीरा पानी से ही हाथ मुंह धोने, गंदे हाथ पैरों से आलू और आटा गूंथने जैसे कृत्यों द्वारा गंदगी से परिपूर्ण खाद्य सामग्री आम लोगों को परोसी जा रही है। ऐसे कृत्य न केवल निंदनीय हैं अपितु दोषी लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग भी करते हैं। सवाल उठता है कि आखिर ऐसी गतिविधियों में संलिप्त लोगों को तत्काल जेल की सलाखों के पीछे क्यों नहीं डाला जाता है? विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या रासायनिक पदार्थों से युक्त असुरक्षित भोजन 200 से अधिक बीमारियों का कारण बनता है जिसमें डायरिया से लेकर कैंसर तक शामिल हैं। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में असुरक्षित भोजन के कारण चिकित्सा व्यय में हर साल 110 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान होता है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन के महानिदेशक डा. कू डोंग्यू के अनुसार, 'हमें अपने भोजन की पहचान, गुणवत्ता और सुरक्षा पर एक आम समझ की जरूरत है। लेकिन भारत में दूध में पानी मिलाने, नकली दूध, घी में केमिकल, दाल में सिंथेटिक रंग और वैक्स कोटिंग, सब्जियों में हॉर्मोन के इंजेक्शन तथा सिंथेटिक रंग, हर्बल उत्पादों में एलोपैथिक दवाइयां तथा केमिकल्स, सौंदर्य प्रसाधनों में और देसी घी बनाने में पशुओं की चर्बी होने की जानकारी किसी से छुपी हुई नहीं है। खाद्य अपमिश्रण से आखों की रोशनी जाना, हृदय संबंधित रोग, लीवर खराब होना, कुष्ठ रोग, आहार तंत्र के रोग, पक्षाघात व कैंसर जैसे असाध्य रोग हो सकते हैं। हिमाचल प्रदेश में मिलावटी खाद्य पदार्थों की समस्या से निपटने के लिए राज्य सरकार कुछ उपायों पर काम करती दिख रही है। राज्य में फूड फोरेंसिक यूनिट स्थापित करने की मंजूरी मिल चुकी है। यह यूनिट गुजरात के बाद देश की दूसरी फूड फोरेंसिक यूनिट होगी। यह यूनिट खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और संदिग्ध खाद्य मामलों की जांच करेगी। इस यूनिट से खाद्य पदार्थों में कीटनाशकों, रासायनिक शर्करा और स्टीरॉइड की मात्रा का पता लगाया जा सकेगा। राज्य सरकार को मिलावटी और बासी खाद्य पदार्थों से निपटने के लिए केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय से 37 लाख रुपे की मोबाइल फूड सेफ्टी वैन भी मिली है। खाद्य अपमिश्रण के परीक्षण के लिए मैसूर, पुणे, गाजियाबाद एवं कोलकाता में भारत सरकार द्वारा चार केन्द्रीय प्रयोगशालाएं व्यवस्थित रूप से स्थापित की गई हैं। खाद्य अपमिश्रण एवं रेहड़ी फड़ी वालों द्वारा लोगों को गंदा और घटिया खाने-पीने की वस्तुएं बेचने से आगाह करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा 'ईट राइट इंडिया मूवमेंट' की पहल की गई है, जिसका उद्देश्य भारत में स्वस्थ खाने की आदतों और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने 'ईट राइट इंडिया' अभियान के माध्यम से सभी भारतीयों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और पोषक भोजन सुनिश्चित करने के लिए देश की खाद्य प्रणाली को बदलने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास शुरू किया है। इस प्रकार, 'सही भोजन बेहतर जीवन' टैगलाइन इस आंदोलन की नींव बनाती है। ईट राइट मूवमेंट अभियान तीन प्रमुख विषयों पर आधारित है- सुरक्षित खाएं, व्यक्तिगत और आसपास की स्वच्छता सुनिश्चित करें, स्वस्थ खाएं, आहार विविधता और संतुलित आहार को बढ़ावा दें एवं स्थानीय और मौसमी सब्जियों/भोजन को बढ़ावा दें, भोजन के नुकसान को रोकें। खाने-पीने के शौकीन अथवा महानगरों में नौकरी आदि के चलते कम मूल्य लागत वाला भोजन तलाशने वाले भारतीयों के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि स्वाद एवं सस्ते के चक्कर में न पडक़र स्वच्छता मानकों एवं साफ-सफाई को अपनी सेहत के दृष्टिगत स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन को अपनी प्राथमिकता में रखें।

कुछ अलग

प्रेम की हरियाली की तलाश

भूखे आदमी को प्रेम शास्त्र कैसे पढ़ाया जाए? बादल फिरते हैं, तो कहीं मयूर अवश्य नाचते होंगे। अमराइयों में से कोयल की बिरही कूक अवश्य उठती होगी। आकाश की ओर बहुत दिन से देखा नहीं, लेकिन आज भी उसके बारिश से धुल पुंछ जाने के बाद कहीं तो इन्द्रधनुष खिलता होगा। लेकिन भूख से बिलबिलाते हुए लोगों की कतार उस खैरात का इंतजार करती है जो उनमें मुफ्त अनाज प्रति व्यक्ति बांट देने की घोषणा हो गई। खैरात बांटने की तिथि बढ़ा दी गई है, वो भी अगले पांच साल तक के लिए। यह खैरात एक को नहीं, पूरे अस्सी करोड़ को मिलेगी। आंकड़े आश्वस्त करते हैं, लेकिन इनकी दिलासा केवल भूखे पेट पर तबला बजाती रहती है। बहुत बरस पहले अपना गांव, घर छोड़ कर ये लोग आए थे कि चलो धरती मां ने उन्हें भर पेट रोटी देने का फर्ज छोड़ दिया। खेत आज भी फसलों के रूप में सोना उगलते हैं। लेकिन उनके लिए दिन-रात हाड तोडऩे वाले जीव उसे ट्रकों में, गोदामों में बंद होता देखते हैं। इनके जराजीर्ण ओसारे पहले भी उनकी आमद का इंतजार करते थे, आज भी यह इंतजार खत्म नहीं हुआ। वहां रह ऐसी हालत में कोई किसी प्रिया को प्रेम पाती कैसे लिखे? बरसाती नालों की तरह उफन कर कब तक उपेक्षित भीड़ में निर्वासित हो गए लोगों पर कब जवानी आई और कब वह बुढ़ौती बन गई, कोई नहीं जानता। फसलें अवश्य उनके खेतों में लहलहाती रही, लेकिन वे जन्म लेने से पहले ही बनिये बक्कालों और सूदखोर महाजनों के पास बंधक हो जातीं। अब बंधक फसलों में दौड़ते भागते हुए कोई युगल प्रेम गीत कैसे गा सकता है, बन्धु। पहले फसल पकती थी, उसे पास की मंडी में ले जाते थे। सरकारी दाम घोषित होते, खरीददार अफसर की चिरौरी करते, मौसम की नाराजगी के बावजूद जो फसल बच जाती उसे बेच जीने की उम्मीद लेकर घर वापस लौटते। अब बताइए ऐसे में बादल घुमड़ते रहें तो कैसे पपीहे पी की रट लगाते? प्रियतमा कैसे आकाश की ओर टकटकी लगा कर कहती, 'बरखा रानी जरा थम के बरसो।' और बरखा थमने के बाद जब माही आंगन में आ जाता तो मन झूम के गाता 'बरखा रानी मेरा दिलबर जा न पाए, अब झूम के बरसो।' लेकिन जानते हो अब ऐसे प्रेम गीतों से बड़ी बद्दुआ कोई नहीं। पौन सदी बीत गई। किसानों के सिर छिपाने के लिए गोदाम नहीं बने। ऐसे में बरखा रानी जम के बरस गई तो इन फसलों का क्या होगा? अपना शरीर ढकने को पूरे कपड़े नहीं, इनको ढंकने के लिए तिरपाल कहां से लाते। अब भला बताइए ऐसी हालत में दादुर, मोर, पपीहे को नाचता देखने की इच्छा कौन करे? यहां मंडियों में खुली पड़ी फसल खराब हो गई। फसल की पूरी कमाई न मिलने के इंतजार में किसानों के मण्डियों के चौराहों पर फंदा ले आत्महत्या करने के समाचार मिलने लगे। अब आसमान में बादल बरसने के बाद इन्द्रधनुष खिला कि उससे पहले ही टूट गया, इसकी परवाह कौन करता है। हां, फसल बेच कर अपनी नन्हीं बच्ची के लिए जो गुडिया खरीद कर लानी थी, वह उनके बाजार में जाने से पहले ही टूट गई। पहली फसल कटी। अब खेतों में धान बीजने चले तो हाथ बंटाने वाले मजदूर नहीं थे, भूख की महामारी से उखड़ कर वे अपने गांव, घरों की ओर चले गए थे। लेकिन अब 80 करोड़ जनता को अगले पांच साल तक के लिए मुफ्त राशन बंटेगा। इस देश में धनधान्य की कमी नहीं। किसी भी व्यक्ति को भूख से मरने नहीं दिया जाएगा। आपके पास राशन कार्ड नहीं तो क्या चिंता। बिना राशन कार्ड भी राशन मिलेगा। वैसे अभी एक देश एक राशन कार्ड कर दिया है। एक देश एक चुनाव बाद में होता रहेगा।

देश दुनिया से

जाहि विधि राखे राम

विद्वानों ने और संतों-मुनियों, मनीषियों ने ब्रह्मचर्य के गुण की बहुत प्रशंसा की है। यही कारण है कि अक्सर मान लिया जाता है कि संन्यास लेने के लिए ब्रह्मचर्य एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही नहीं, यह भी कहा जाता है कि आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए भी ब्रह्मचर्य एक अनिवार्य आवश्यकता है। यानी, अगर आप ब्रह्मचारी नहीं हैं तो आप संन्यास नहीं ले सकते और आपका जीवन आध्यात्मिक भी नहीं हो सकता। बुद्ध हों या महावीर, दोनों ने निर्वाण की राह में चलने के लिए ब्रह्मचर्य अपनाया। संसर्ग की तो बात की क्या है, जैन धर्म में दीक्षित संन्यास लेने वाली महिलाएं तो किसी पुरुष को छू भी नहीं सकतीं, यहां तक कि किसी पुरुष और किसी महिला संत द्वारा एक-दूसरे के कपड़ों का छू जाना भी निषिद्ध माना गया है। दरअसल, यह एक मिथ है, एक मिथ्या विश्वास है।

भारतीय सनातन संस्कृति में रचे-पगे हमारे समाज ने, पंडित जनों ने, अधिकारी विद्वानों ने और संतों-मुनियों, मनीषियों ने ब्रह्मचर्य के गुण की बहुत प्रशंसा की है। यही कारण है कि अक्सर मान लिया जाता है कि संन्यास लेने के लिए ब्रह्मचर्य एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही नहीं, यह भी कहा जाता है कि आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए भी ब्रह्मचर्य एक अनिवार्य आवश्यकता है। यानी, अगर आप ब्रह्मचारी नहीं हैं तो आप संन्यास नहीं ले सकते और आपका जीवन आध्यात्मिक भी नहीं हो सकता। बुद्ध हों या महावीर, दोनों ने निर्वाण की राह में चलने के लिए ब्रह्मचर्य अपनाया। संसर्ग की तो बात की क्या है, जैन धर्म में दीक्षित संन्यास लेने वाली महिलाएं तो किसी पुरुष को छू भी नहीं सकतीं, यहां तक कि किसी पुरुष और किसी महिला संत द्वारा एक-दूसरे के कपड़ों का छू जाना भी निषिद्ध माना गया है। दरअसल, यह एक मिथ है, एक मिथ्या विश्वास है। व्यक्ति ब्रह्चारी हो, यह एक बहुत अच्छा गुण है, पर संन्यासी होना और ब्रह्मचारी होना, दो अलग-अलग बातें हैं। इनका आपस में कोई संबंध नहीं है, और शादीशुदा जीवन का संन्यास से कोई विरोध भी नहीं है। आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए भी ब्रह्चारी होना एक अच्छा गुण तो है, पर यह आवश्यक हो, ऐसा नहीं है। हमारे समाज में एक और भ्रम भी बड़ी गहराई से जुड़ा हुआ है कि संन्यासी होने के लिए घर और परिवार को छोडऩा आवश्यक है। महात्मा बुद्ध अपनी धर्मपत्नी और छोटे से बच्चे को सोता छोड़ कर निकल गए थे ताकि वो निर्वाण की राह खोज सकें। आज हम जितने संन्यासियों को देखते हैं, अधिकांश ने घर-परिवार छोडक़र संन्यस्त जीवन अपनाया है। घर-परिवार छोडऩे का दूसरा मतलब यह भी है कि आप अपना व्यवसाय या नौकरी भी छोड़ देंगे। उपरोक्त दोनों ही धारणाएं ऐसी हैं जिनका संन्यास से या आध्यात्मिक जीवन से कोई लेना-देना नहीं है। संन्यास लेने के लिए ब्रह्मचर्य कोई आवश्यक शर्त नहीं है। संन्यास लेने के लिए घर, परिवार, समाज, दुनिया या नौकरी और व्यवसाय को छोडऩा कोई आवश्यक शर्त नहीं है। आपने छोड़ दिया, बहुत बढिया। आपने नहीं छोड़ा, बहुत बढिया। अगर हम अपने इतिहास को देखें तो हमारे सनातनी संत न केवल विवाहित थे, संन्यस्त जीवन में भी वे अपनी धर्मपत्नियों के साथ थे, बल्कि उनके बच्चे भी थे। यानी, वे संत थे, लेकिन ब्रह्मचारी नहीं थे। अधिकांश संत और ऋषि-मुनि गुरुकुल चलाते थे और समाज में शिक्षा का प्रसार करते थे। उन्होंने शिक्षण का अपना काम भी नहीं छोड़ा था। समाज में रहते हुए, घर-परिवार में रहते हुए, दुनिया में रहते हुए, अपना व्यवसाय या नौकरी करते हुए, अपनी जिम्मेदारियां निभाते हुए भी आध्यात्मिक जीवन जिया जा सकता है और संन्यास भी लिया जा सकता है। आइये, अब 'उल्टे बांस बरेली को' भी कर लें। संन्यास लेने के लिए या आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए ब्रह्मचर्य भी आवश्यक है और घर, परिवार के साथ-साथ अपनी नौकरी या व्यवसाय को छोडऩा भी आवश्यक है। इसे समझना आवश्यक है। घर-परिवार, नौकरी या व्यवसाय को शारीरिक रूप से छोडऩे की जरूरत नहीं है, पर मन से छोडऩा आवश्यक है। इसी तरह काम वासना को शरीर से नहीं, बल्कि मन से छोडऩे की आवश्यकता है। काम वासना को मन से छोडऩे का मतलब यह है कि हमेशा काम वासना में ही रत नहीं रहना और अपने जीवनसाथी के अतिरिक्त किसी अन्य से संसर्ग नहीं करना। लेकिन आपस में मिलना-जुलना, बातचीत करना, साथ बैठना, साथ खाना खाना आदि निषिद्ध नहीं है। इसी तरह नौकरी या व्यवसाय को मन से छोडऩा है, उससे आसक्ति नहीं रखनी। पदोन्नति के लिए किसी दूसरे की झूठी शिकायतें नहीं करनी, और व्यवसाय में लाभ के लिए झूठ नहीं बोलना। 'सहज संन्यास मिशन' का सहज जीवन मार्ग हमें जीवन में आध्यात्मिक सफलता के राज सिखाता है। सहज संन्यास मिशन में कोई दान या चढ़ावा स्वीकार नहीं किया जाता, किसी कोर्स की कोई फीस नहीं ली जाती, या साधकों को आध्यात्मिक होना सीखने के लिए कोई पैसा खर्च नहीं करना पड़ता। सहज जीवन मार्ग में हम सहजता से जीना सीखते हैं, सच्चाई से जीना सीखते हैं और ईमानदारी से जीना सीखते हैं। हम खुद के प्रति जिम्मेदार हो जाते हैं, खुद ही खुद के गवाह हो जाते हैं, खुद ही खुद के चरित्र की रखवाली करते हैं, और खुद से झूठ बोलना या खुद को धोखा देना बंद कर देते हैं। यही संन्यास है, यही आध्यात्मिक जीवन है। सहज जीवन मार्ग में हमारा जीवन प्रेममय हो जाता है, या यूं कहिए कि हम खुद प्रेममय हो जाते हैं, हम प्रेम की प्रतिमूर्ति बन जाते हैं और इस ब्रह्मांड की हर जड़-चेतन वस्तु से प्रेम करने लगते हैं। अकारण प्रेम करने लगते हैं, बिना किसी लाभ की आशा के प्रेम करने लगते हैं। मनुष्यों से ही नहीं, पशु-पक्षियों से भी, पेड़-पौधों से भी और प्राणहीन मानी जाने वाली वस्तुओं से भी प्रेम करने लगते हैं, पर उनसे अटैच नहीं होते, उनमें मोह नहीं रखते। इसके साथ ही हम हर अवस्था में परमात्मा के प्रति कृतज्ञ होना सीख लेते हैं।

आप का नजरिया

इन पन्नों पर गिरी कालिख

उन चार पंक्तियों ने उधेड़ दिया सारा, था खत मगर पढ़ते ही टूट गए चश्मे। ये चश्मे पत्रकारिता के नाम को उस चरित्र में बदनाम कर रहे हैं जो आज के दौर में माफिया हो गए हैं। एक प्रशासनिक अधिकारी शिल्पी बेक्टा ने सोशल मीडिया में 'चार पंक्तियां' ही तो लिखीं, लेकिन कालिख कई पन्नों पर गिरी है। उनका अनुभव किसी ब्लैकमेलर पत्रकार की शिकायत से रूबरू है। वह 'प्रेस' शब्द के धनुष पर चढ़े भ्रष्ट तीर को इंगित करते हुए कार्रवाई की मांग कर रही हैं। हम मीडिया की व्यापकता में ऐसी बदनाम गलियों में पहुंच गए हैं जहां 'माइक' अपने परिचय की भूमिका में तथाकथित डिजीटल मीडिया का कारिंदा है। है फिर भी कुछ असर तेरी निगाहों में, जो लिखते हैं आज भी आंख से खबर। ऐसा नहीं है कि सारे परिंदे खेत लूट गए, बहुत से आज भी उड़ान पे हैं। आज भी पत्रकारिता क्षेत्र में समाज के दायित्व, देश के फर्ज, व्यवस्था के आईने व अभिव्यक्ति की खुली किताबों में राष्ट्र का विश्वास है, तो इस स्तंभ के पैरोकार विद्यमान हैं। इसमें दो राय नहीं कि खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदल रहा है, लेकिन शब्दों की होली हर जगह बदनाम नहीं हो सकती। मीडिया आज भी अपनी इंद्रधनुषी छटा में समाज के सामने एक अद्भुत तस्वीर है, भले ही इस किरदार की शुमारी कम है। शिल्पी बेक्टा एक व्हिसल ब्लोअर की तरह पूरे मीडिया को सचेत कर रही हैं और अगर हम खुद में झांक कर देखें तो हर प्रेस कांफ्रेंस में आने वाला हुजूम पत्रकार नहीं है। हर नेता का मुखबिर या मीडिया सलाहकार पत्रकार नहीं हो सकता। बदनाम तो सत्ता की गलियों में मुंह मारने वाले हर जगह हैं, लेकिन मीडिया के भेष में जो दलाल मिल गए, तो सारे प्रोफेशन पर अंगुलियां उठती हैं। जाहिर तौर पर मीडिया में एक असंगठित व स्वयंभू पत्रकारों की खेप अब डिजीटल मीडिया के माध्यम से अपने दुराग्रहों का उपभोग कर रही है। महज एक मोबाइल और माइक पर चमकाया गया परिचय, पूरे मीडिया जगत की नुमाइंदगी नहीं कर सकता, लेकिन यहां तो अब संपादकों की फौज में, हर पक्ष गौण और कमजोर है। हिमाचल में आज भी अखबारी दुनिया के मार्फत पत्रकारिता के संदर्भ काफी हद तक पुख्ता माने जा सकते हैं, लेकिन नए दौर के डिजीटल माध्यम ने यह छूट दे रखी है कि जहां कोई निर्धारित नियम या आचार संहिता नहीं। अफसोस यह कि मीडिया संगठन भी यहां प्रेस क्लब के सियासी संपर्कों में व्यस्त हैं और सरकारी सुविधाओं के आखेट में कठपुतलियां खुद को शिकारी मान रहीं। ऐसे में प्रशासनिक अधिकारी बेक्टा प्रत्यक्ष को परिमाणित करने के लिए सामने आएं, तो मीडिया निश्चित रूप से इस मामले की व्याख्या और अपनी समीक्षा कर पाएगा। बेशक प्रोफेशन की व्यावसायिक जरूरतें, प्रबंधकीय दबाव तथा तकनीकी प्रसार के कारण मीडिया को अपना अर्थगणित व आर्थिक संतुलन बैठाना पड़ता है, लेकिन इसका यह भी अर्थ नहीं कि व्यवस्था के बीच मोहरों को नचाया जाए।

दूसरे विश्व युद्ध का बम जापान के हवाई अड्डे पर फटा,80 उड़ानें रद्द

टोक्यो, 03 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान फेंका गया बम उस समय तो नहीं फटा लेकिन बीते रोज अचानक जापान के हवाई अडडे पर फट गया। यह बम इस एयरपोर्ट में दफन था।

लेकिन बुधवार को उसमें विस्फोट हो गया। जिससे हड़कंप मच गया। ब्लास्ट से 'टैक्सीवे में बड़ा गड्ढा हो गया और 80 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जापानी अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

भूमि एवं परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण-पश्चिमी जापान के मियाज़ाकी हवाई अड्डे पर जब बम विस्फोट हुआ, तब वहां कोई विमान नहीं था।

अधिकारियों ने बताया कि आत्मरक्षा बलों और पुलिस द्वारा की गई जांच से पुष्टि हुई है कि विस्फोट 500 पाउंड के अमेरिकी बम से हुआ था और अब कोई खतरा नहीं है।

वे यह पता लगा रहे हैं कि अचानक विस्फोट किस वजह से हुआ। पास के एक एविएशन स्कूल द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो में विस्फोट से डामर के टुकड़े हवा में फव्वारे की तरह उछलते हुए दिखाई दिए।

जापानी टेलीविज़न पर प्रसारित वीडियो में 'टैक्सीवे में एक गहरा गड्ढा दिखाई दिया। मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने कहा कि हवाई अड्डे पर 80 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं तथा उम्मीद है कि बृहस्पतिवार सुबह तक परिचालन फिर से शुरू हो जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

युद्धग्रस्त इजराइल जाएंगे दो हजार से अधिक नेपाली

काठमांडू। इजराइल अपने पड़ोसी देशों फिलिस्तीन, लेबनान और इरान से युद्ध में फंसा है। इसके बाद भी नेपाल से लगभग दो हजार से अधिक लोग इजराइल के विभिन्न शहरों में जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। युद्ध की भयावह के बीच यह लोग रोजगार के लिए जाना चाहते हैं। दरअसल, इजराइल सरकार ने नेपाली नागरिकों को अपने यहां केयर गिवर के रूप में ले जाने के लिए नेपाल सरकार से एक समझौता किया था। इसी समझौते के तहत वहां की भाषा की परीक्षा पास करने वाले 3461 लोगों ने इजरायल में केयर गिवर के रूप में आवेदन किया था। इनमें से लॉटरी के जरिए 2112 लोगों का चयन हुआ है। वैदेशिक रोजगार विभाग के महानिदेशक गुरूदत्त सुवेदी ने गुरुवार को कहा कि इजराइल सरकार और नेपाल सरकार के बीच हुए वैदेशिक रोजगार समझौते के तहत इन नेपाली नागरिकों को भेजा जा रहा है। सुवेदी ने यह भी बताया कि इस पूरी प्रक्रिया में दोनों देशों की सरकार के बीच के समझते में सीधे भेजा जा रहा है, इसलिए ठगी जैसी बातें नहीं होगी। उन्होंने कहा कि केयर गिवर के रूप में इजरायल जाने वाले नेपाली नागरिकों को अच्छा वेतन, रहने खाने की सुविधा के अलावा ओवर टाइम के साथ ही उनकी और उनके पूरे परिवार का जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा का खर्च भी इजराइल सरकार ही देगी। उन्होंने बताया कि इजराइल जाने के लिए चयनित लोगों में 60 प्रतिशत महिलाएं हैं। इजराइल में पुरुष कामदार से अधिक केयर गिवर के रूप में महिला कामदारों की मांग अधिक होने से इनका चयन किया गया है।

बांग्लादेश ने भारत सहित विभिन्न देशों से अपने 5 राजनयिकों को वापस बुलाया

ढाका। बांग्लादेश की अंतिम सरकार ने बुधवार को अहम फैसला लेते हुए विभिन्न देशों से अपने पांच

राजनयिकों को तुरंत ढाका लौटने को कहा है। इन राजनियकों में भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त मुस्तफिरजुर रहमान भी शामिल हैं, जो अगले कुछ माह बाद रिटायर होने वाले हैं। वापस बुलाए गए राजनयिकों का काम संतोषजनक नहीं माना गया है। बांग्लादेश विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी आदेश के मुताबिक भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त के साथ-साथ न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र के स्थायी प्रतिनिधि और ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम और पुर्तगाल के राजदूतों को वापस बुलाया गया है। जिन राजनयिकों को वापस बुलाया गया है, वे राजनीतिक नियुक्ति नहीं थे। जुलाई 2022 में मुस्तफिजुर रहमान भारत के लिए बांग्लादेश के उच्चायुक्त नियुक्त किए गए थे। दोनों देशों के संबंधों की मजबूती में उनकी खासी भूमिका मानी जाती है। भारत के हाई कमिश्नर नियुक्त किए जाने से पहले मुस्तफिजुर रहमान जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र के स्थायी प्रतिनिधि और स्विट्जरलैंड और सिंगापुर में बांग्लादेश के राजदूत रह चुके हैं। भारत के संदर्भ में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का यह फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इस समय भारत-बांग्लादेश संबंधों में कड़वाहट महसूस की जा रही है। 5 अगस्त को शेख हसीना सरकार के तख्तापलट, भारत में हसीना को शरण और उसके बाद हिंदुओं सहित देश के अल्पसंख्यकों पर जिस तरह हमले हुए उससे दोनों देशों के संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। रही-सही कसर अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद युनूस के इस बयान ने पूरी कर दी कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले धार्मिक नहीं बल्कि राजनीतिक हैं।

मोबाइल फोन से नपुंसकता जैसी गंभीर समस्या का खतरा

लंदन । मोबाइल फोन ने वर्तमान में हमें कई सहूलियतें दी हैं, लेकिन इसके बढ़ते इस्तेमाल से स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी सामने आए हैं। इनमें सबसे प्रमुख खतरा है रेडिएशन, जो मोबाइल फोन से निकलती है और शरीर पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, खासकर तब जब इसे जेब में रखा जाता है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि मोबाइल फोन को जेब में रखना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है और इसके कारण नपुंसकता जैसी गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं। विभिन्न अध्ययनों में यह पाया गया है कि मोबाइल फोन से निकलने वाली विकिरणें (रेडिएशन) कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती हैं। एक रिसर्च के अनुसार, लगातार मोबाइल फोन का उपयोग करने से क्रोनिक स्ट्रेस, ब्रेन ट्यूमर और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऑस्ट्रिया और मिस्र के मेडिकल रिसर्चर्स ने एक अध्ययन में दावा किया कि मोबाइल का अत्यधिक उपयोग यौन समस्याओं का कारण बन सकता है। इस अध्ययन के दौरान 6 साल तक दो समूहों का विश्लेषण किया गया। एक समूह के पुरुषों में सेक्स से जुड़ी समस्याएं पाई गईं, जबकि दूसरे समूह में यह समस्या नहीं थी।

हिजबुल्लाह पड़ा कमजोर, इजराइली हमले में नसरल्लाह के दामाद कासिर की मौत

तेल अवीव, 03 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह की मौत के साथ उनके दामाद हसन जाफर कासिर के मारे जाने की सूचना भी मिली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हसन जाफर कासिर को दमिश्क के करीब एक हवाई हमले में मारा गया है। वह मुहम्मद जाफर कासिर का भाई है, जो बुधवार को बेरूत में एक हवाई हमले में मारा गया था। हिजबुल्लाह के लिए यह एक और बड़ा झटका है, क्योंकि इस हमले से इजरायल के खिलाफ उसका नेतृत्व कमजोर पड़ रहा है।

कासिर बंधु 1982 के लेबनान युद्ध के बाद से अहमद कासिर ने अपनी कार में विस्फोटक भरकर इजरायली बेस में घुसपैठ की थी, जिससे वहां बड़ा धमाका हुआ। यह लेबनान के इतिहास में पहला आत्मघाती हमला था और इसे हिजबुल्लाह के संस्थापक इमाद मुग्निया के निर्देश पर अंजाम दिया गया था। अहमद कासिर को 2008 में दमिश्क में रहस्यमय तरीके से हत्या कर दी गई थी। हिजबुल्लाह ने बताया था कि अहमद के हमले ने सभी शहीद अभियानों की शुरुआत की और यह युवाओं के बीच प्रतिरोध की प्रेरणा बना। हिजबुल्लाह हर साल अहमद कासिर की मौत को शहीद दिवस के रूप में मनाता है। हसन जाफर कासिर ने हसन नसरल्लाह की बेटी से शादी की थी, जिससे उसके और हिजबुल्लाह के बीच संबंध और मजबूत हो गए थे। अमेरिका ने मुहम्मद जाफर कासिर की गतिविधियों को देखते हुए उसे आतंकवादी घोषित कर दिया था और उसके पकड़ने या जानकारी देने वाले को 10 मिलियन डॉलर का इनाम देने का ऐलान किया था। यदि कासिर की कोई संपत्ति अमेरिका में है, तो उसे जब्त कर लिया जाएगा। इस घटना ने इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति और भी जटिल हो गई है।

अमेरिका और यूरोप की उपस्थिति पश्चिमी एशिया में समस्याओं का मूल कारण: खामेनेई

हरान । ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने कहा कि पश्चिम एशिया में समस्याओं का मूल कारण इस क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों की उपस्थिति है। उनके कार्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक बयान के अनुसार उन्होंने राजधानी तेहरान में ईरानी अभिजात वर्ग और वैज्ञानिक प्रतिभाओं के एक समूह के साथ बैठक के दौरान यह टिप्पणी की, जबकि उन्होंने क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों पर विस्तार से चर्चा की। एक समाचार एजेंसी के अनुसार खामेनेई ने कहा कि यदि संयुक्त राज्य अमेरिका और कुछ यूरोपीय देश इस क्षेत्र को छोड़ देते हैं, तो संघर्ष, युद्ध और झड़पें पूरी तरह से बंद हो जाएंगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्रीय राज्य खुद को नियंत्रित करने में सक्षम हैं और शांति और समृद्धि में सह-अस्तित्व में रह सकते हैं। उनकी टिप्पणी ईरान द्वारा मंगलवार शाम को इजरायल में टारगेट्स पर लगभग 180 बैलिस्टिक मिसाइलों के प्रक्षेपण के बाद आई। तेहरान का दावा है कि यह हमला इजरायल द्वारा हमास नेता इस्माइल हनीयेह, हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह और वरिष्ठ आईआरजीसी कमांडर अब्बास निलफोरुशन की हत्याओं के साथ-साथ अमेरिकी समर्थन से लेबनानी और फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ इजरायल द्वारा बढ़ते दुर्भावनापूर्ण कृत्यों के प्रतिशोध में किया गया था।

मैक्सिको सीमा पर सैनिकों की गोलीबारी में छह प्रवासियों की मौत, कई घायल

ग्वाटेमाला, 03 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

मैक्सिको की सीमा के पास एक ट्रक पर सैनिकों की गोलीबारी में छह प्रवासियों की मौत हो गई। बताया जा रहा है जब ट्रक हुइक्सटला शहर के पास तैनात सैनिकों के पास पहुंचा। मीडिया रिपोर्ट में गुआटेमाला के रक्षा विभाग के एक बयान के मुताबिक सैनिकों ने ट्रक और दो अन्य वाहनों के पास गोलियों की आवाज सुनी। जब वे ट्रक के पास पहुंचे, तो उन्होंने चार प्रवासियों को मृत पाया और 12 अन्य घायल थे। बाद में घायलों में से दो प्रवासियों की मौत हो गई। ट्रक में कुल 33 प्रवासी सवार थे, जिनमें से ज्यादातर मिस्र, नेपाल, क्यूबा, भारत, पाकिस्तान के थे।

गौरतलब है कि चियापास क्षेत्र में अक्सर प्रवासियों की तस्करी होती है, जहां उन्हें मालवाहक ट्रकों में भरकर ले जाया जाता है। यह मामला प्रवासी संकट को लेकर एक बार फिर से गंभीर सवाल उठ रहे है, जिसमें तस्करों और अधिकारियों के बीच की जटिलता और प्रवासियों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह घटना ग्वाटेमाला और मैक्सिको के बीच की सीमा पर प्रवासियों की सुरक्षा और मानवाधिकारों के उल्लंघन के मुद्दे को उजागर करती है। स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इस घटना की निंदा की है और प्रवासियों के लिए सुरक्षित और मानवीय यात्रा सुनिश्चित करने की मांग की है। अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

सुंदर दिखने के लिए 8 घंटे में 6 बार सर्जरी, 22 दिन में मौत

ब्राजीलिया । ब्राजील की 24 साल की महिला विवियन लीरा मोटे ने अपने आप को सुंदर दिखाने के लिए एक ही दिन में 6 बार सर्जरी कराई। 8 घंटे के अंदर छह बार सर्जरी की गई। 31 अगस्त को यह ऑपरेशन किए गए थे।

सर्जरी के माध्यम से ब्रेस्ट रिडक्शन, पेट, बेन,पीठ इत्यादि के छह ऑपरेशन हुये थे। ऑपरेशन के 22 दिन बाद गंभीर इंस्फेक्शन और हार्ट फ़ैल हो जाने के कारण उसकी मौत हो गई।

पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है। मृतक लीरा के परिजनों का आरोप है, ऑपरेशन के 15 घंटे बाद ही उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया था। ऑपरेशन के बाद उसकी हालत ठीक नहीं थी। जिसके कारण शरीर में इंफेक्शन फैला।

ईरान ने इजराइल पर दागे थे 400 मिसाइल, लक्ष्यों को किया हिट

तेल अवीव, 03 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

ईरान ने मंगलवार को इजरायल पर बड़ा मिसाइल हमला किया, था जिसके बाद इस मुद्दे पर नया विवाद खड़ा हो गया है। एक ईरानी पत्रकार ने दावा किया है कि ईरान ने इजराइल पर 400 मिसाइलें दागी हैं, न कि 200, जैसा कि पहले बताया गया था कि इन मिसाइलों में से 90 फीसदी ने अपने लक्ष्यों को हिट किया है। इजरायल ने इस हमले पर प्रतिक्रिया दी, चेतावनी दी कि ईरान ने एक बड़ी गलती की है और उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। इजरायली अधिकारियों का कहना है कि उनके डिफेंस सिस्टम ने ज्यादातर मिसाइलों को रोक दिया। हालाँकि, ईरानी पत्रकार ने इजरायल के इस दावे को चुनौती दी और कहा कि वहां पर एक सख्त सेंसरशिप है, जिसके कारण इजरायल अपना नुकसान छिपा रहा है।

उन्होंने कहा कि इजरायल झूठ बोल रहा है। हमारे पास जो जानकारी है, उसके मुताबिक 90 फीसदी मिसाइलों ने अपने लक्ष्यों को हिट किया है। ईरान की ओर से इस हमले में हाइपरसोनिक फतह मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया था। कुछ वीडियो में दिखाया गया है कि मिसाइलें गिर रही हैं और बड़े धमाके कर रही हैं।

नेपाल, भारत और बांग्लादेश के बीच होगा त्रिपक्षीय विद्युत व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर

काठमांडू, 03 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

नेपाल, भारत और बांग्लादेश के बीच गुरुवार को 40 मेगावाट बिजली बिक्री समझौते पर हस्ताक्षर होने जा रहा है। बांग्लादेश में भारत के रास्ते से नेपाल की बिजली निर्यात की जाएगी। नेपाल और बांग्लादेश के ऊर्जा मंत्रियों की मौजूदगी में विद्युत व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने जा रहा है।

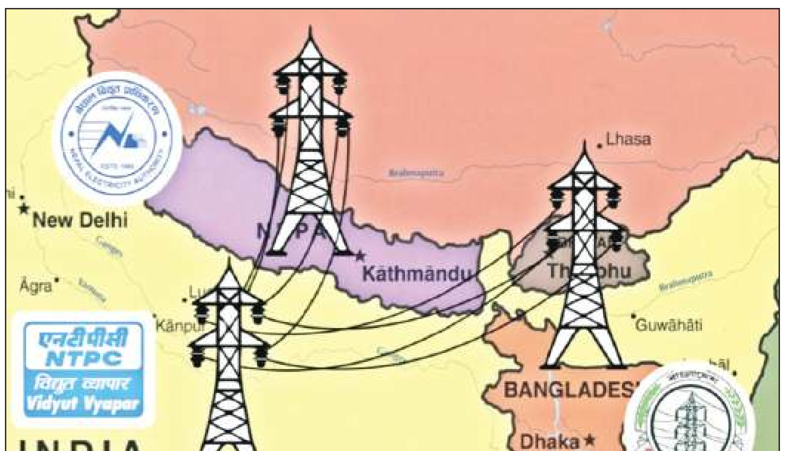

नेपाल विद्युत प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कुलमन घीसिंग ने कहा, नेपाल अब तक केवल भारत के साथ बिजली का व्यापार करता आ रहा है, लेकिन अब हम बांग्लादेश के साथ भी बिजली का व्यापार शुरू करने जा रहे हैं, जो कि नेपाल के विद्युत व्यापार के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि नेपाल विद्युत प्राधिकरण, भारत के एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम (एनवीवीएन) और बांग्लादेश के बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड (बीपीडीबी) के बीच त्रिपक्षीय समझौता होगा।

प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक घीसिंग ने कहा कि बाकी सभी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद इस बरसात के मौसम से बांग्लादेश को बिजली निर्यात का काम शुरू कर दिया जाएगा। प्राधिकरण ने भारत द्वारा निर्मित 25 मेगावाट की त्रिशूली और 22 मेगावाट की चिलिमे जल विद्युत परियोजनाओं द्वारा उत्पादित बिजली के निर्यात की तैयारी की है। ये दोनों ऐसी परियोजनाएं हैं, जिन्हें भारत में बिजली निर्यात के लिए मंजूरी मिल चुकी है।

समझौते पर प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक कुलमन घीसिंग, बीपीडीबी के अध्यक्ष मोहम्मद रेजुल करीम और एनवीवीएन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रेनू नारंग द्वारा हस्ताक्षर किया जाएगा। प्राधिकरण बांग्लादेश को पांच साल तक बरसात के 6 महीने (हर साल 15 जून से 15 नवंबर तक) 40 मेगावाट बिजली बेचेगा। बांग्लादेश को बिजली बेचने पर प्राधिकरण को प्रति यूनिट 6.40 अमेरिकी सेंट मिलेंगे।

नेपाल में फिर हो रही है भारी बारिश, कोशी और बागमती नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब

काठमांडू, 03 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

पिछले हफ्ते ही हुई लगातार बारिश के कारण भीषण बाढ़ और भूस्खलन के कारण लोगों का जनजीवन अभी पटरी पर लौटा भी नहीं था कि बीती रात से दोबारा बारिश शुरू हो गई है। पूर्वी तथा मध्य नेपाल में लगातार बारिश होने से कोशी और बागमती नदी का जलस्तर फिर बढ़ने लगा है और यह खतरे के निशान के करीब पहुंचने लगा है।

नेपाल के जल एवं मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार वर्तमान में कोशी, बागमती और गंडकी प्रांतों के कुछ स्थानों पर तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश हो रही है जबकि कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश हो रही है। विभाग ने कहा कि देश के अन्य स्थानों पर मौसम आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और साफ रहेंगे।

पिछले 6 घंटों में पूर्वी नेपाल के भारतीय सीमा एस जुड़े इलाम, झापा, मोरंग और सुनसरी में काफी बारिश हुई है। मौसम विभाग ने उनके आसपास बहने वाली नदियों बाढ़ आने की

चेतावनी देते हुए उच्च सतर्कता बरतने का अनुरोध किया है। इसी तरह पूर्वी नेपाल के पहाड़ी जिला पाँचथर, तेह्रथुम, दोलखा, सिन्धुपाल्चोक, काठमांडू, ललितपुर, भक्तपुर, काभ्रेपलाञ्चोक जिला में बहने वाली नदियों में आकस्मिक बाढ आने का पूर्वानुमान किया गया है। विभाग ने इन क्षेत्रों में उच्च सतर्कता अपनाने की अपील की गई है।

विभाग के मुताबिक कोशी और बागमती प्रांतों के एक-दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। कोशी क्षेत्र के तराई इलाके के कुछ स्थानों पर हवा और तूफान के भी आने की भी आशंका है। विभाग ने सूचना जारी करते हुए कहा है कि कोशी, मधेश, बागमती, गंडकी और लुंबिनी प्रांतों में कुछ स्थानों पर और शेष प्रांतों में एक या दो स्थानों पर गरज/बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।कोशी और बागमती में भारी बारिश की संभावना के कारण विभाग ने बाढ़, भूस्खलन, मिट्टी कटाव जैसी आपदाओं के जोखिम या क्षति से बचने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने का भी अनुरोध किया है। पूर्वी नेपाल के तेज आंधी के कारण विमानों के अवतरण में काफी परेशानी हो रही है। आंधी और भारी बारिश के कारण काठमांडू से विराटनगर की तरफ गए बुद्ध एयर, श्रीएयर, यति एयर के विमानों को अवतरण नहीं करा पाने के कारण वापस काठमांडू आना पड़ा। एयरपोर्ट ऑथरिटी के प्रवक्ता सुभाष झा ने बताया कि विराटनगर के एयरपोर्ट के ऊपर करीब आधा घंटा तक चक्कर लगाने के बावजूद वहां अवतरण नहीं कर पाने के बाद उन विमानों को वापस काठमांडू बुला लिया गया है।

सीपीएल 2024 के फाइनल में पहुंची सेंट लूसिया किंग्स

जॉर्ज टाउन, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। **सेंट लूसिया किंग्स ने प्रोविडेंस के गुयाना नेशनल स्टेडियम में मौसम बाधित मैच में मौजूदा चैंपियन गुयाना अमेज़ॅन वॉरियर्स पर 15 रन की जीत के साथ 2024 रिपब्लिक बैंक कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।**

वॉरियर्स अब शुक्रवार को बारबाडोस रॉयल्स से भिड़ेगा और उस मैच का विजेता रविवार को किंग्स के साथ फाइनल में भिड़ेगा।

मैच में किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। फाफ डु प्लेसिस ने एक बार फिर अपनी टीम के लिए आगे बढ़कर नेतृत्व किया। उनके और जॉनसन चार्ल्स के बीच 124 रनों की शुरुआती साझेदारी हुई जिसकी बदौलत किंग्स अपने बीस ओवरों में 198/5 का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

चार्ल्स 45 गेंदों में 79 रन बनाकर मोईन अली की गेंद पर कीमो पॉल द्वारा लॉन्ग ऑन बाउंड्री पर लपके गए। इसके बाद डु प्लेसिस अपने अच्छे अर्धशतक से चूक गए, किंग्स के कप्तान को शमर जोसेफ की गेंद पर रहमानुल्लाह गुरबाज़ ने बेहतरीन कैच पकड़कर पवेलियन भेजा।

इसके बाद वॉरियर्स के गेंदबाजों ने बेहतरीन वापसी की और एक समय 200 के पार बढ़ रहे किंग्स के स्कोर को ।198 रन पर ।रोक दिया। मोईन अली ने एक बार फिर गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन किया, उन्होंने अपने चार ओवरों में 24 रन देकर 2 विकेट लिए।

जवाब में, वॉरियर्स 13वें ओवर की समाप्ति पर 106/4 पर पहुंच गया था, इसके बाद बूंदाबांदी शुरू हो गई जो जल्द ही भारी बारिश में बदल गई बारिश न रुकने पर मैच एक घंटे से अधिक समय बाद रद्द कर दिया गया।

जब मौसम ने हस्तक्षेप किया तो वॉरियर्स को शेष 42 गेंदों पर 92 रनों की आवश्यकता थी, शिमरोन हेटमायर 18 गेंदों में 37 रन बनाकर खतरनाक दिख रहे थे और मोइन अली भी उनके साथ शामिल हुए थे।

हेटमायर ने नूर अहमद और रोस्टन चेज़ की गेंदों पर लगातार छक्के लगाए, हालांकि उनकी इस पारी के बावजूद के वॉरियर्स 121 के आवश्यक डीएलएस स्कोर से पीछे थी।

वॉरियर्स के पास शुक्रवार शाम को अंतिम एलिमिनेटर मैच में बारबाडोस रॉयल्स की जीत के साथ दोबारा फाइनल में जगह बनाने का मौका होगा। सेंट लूसिया किंग्स रविवार के फाइनल में दोनों टीमों में से किसी एक का इंतजार करेगी, जिसकी नजर उद्घाटन सीपीएल खिताब पर होगी।

न्यूज ब्रीफ

वेस्टइंडीज के आगामी सफेद गेंद दौरे के लिए जोश बटलर की इंग्लिश टीम में वापसी

लंदन। वेस्टइंडीज के आगामी दौरे के लिए नियमित सीमित ओवरों के कप्तान जोस बटलर की इंग्लैंड की टीम में वापसी होगी। इंग्लिश टीम वेस्टइंडीज दौरे पर इस साल अक्टूबर-नवंबर में तीन टी20 और पाँच वनडे खेलेगी। बटलर हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 और वनडे मैचों में नहीं खेल पाए थे क्योंकि वे पिंडली की चोट से उबर रहे थे। इंग्लैंड ने टीम में तीन अनकैप्ड खिलाड़ियों को भी शामिल किया है, जिसमें 22 वर्षीय यॉर्कशायर के लेग स्पिनर जाफर चौहान शामिल हैं, जिन्हें सीनियर टीम में पहली बार शामिल किया गया है। वह साउथ एशियन क्रिकेट अकादमी के पहले स्नातक हैं। अन्य दो अनकैप्ड खिलाड़ी जॉन टर्नर और डैन मूसली हैं, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में टीम का हिस्सा थे। इंग्लैंड ने 14 खिलाड़ियों की शुरुआती टीम चुनी है, और 28 अक्टूबर को रावलपिंडी में होने वाले सीरीज के तीसरे मैच के शुरू होने के बाद पाकिस्तान में टेस्ट टीम से दो और खिलाड़ी शामिल किए जाएंगे। बटलर की जगह ऑस्ट्रेलिया सीरीज में इंग्लैंड की अगुआई करने वाले हैरी ब्रूक टेस्ट टीम का हिस्सा हैं। कैरेबियाई दौरे की शुरुआत वनडे से होगी - पहले दो मैच 31 अक्टूबर और 2 नवंबर को एंटीगुआ में होंगे, उसके बाद 6 नवंबर को तीसरे मैच के लिए बारबाडोस जाएंगे। पांच टी20 मैच 9 से 17 नवंबर के बीच खेले जाएंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम: जोस बटलर, जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, जाफर चौहान, सैम करन, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, साकिब महमूद, डैन मूसली, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले, जॉन टर्नर।

मेसी की फीफा विश्व कप क्वालीफायर के लिए अर्जेंटीना टीम में वापसी

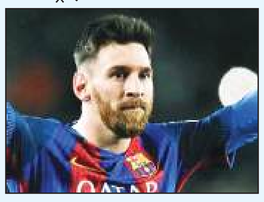

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने कहा है कि स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी फीफा विश्वकप क्वालीफायर में खेलेंगे। टखने की चोट के कारण पिछले कुछ समय से मैदान से बाहर थे। फुटबॉल संघ के अनुसार मेसी वेनेजुएला और बोलीविया के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर में खेलेंगे। मेसी टखने की चोट के कारण चिली और कोलंबिया के खिलाफ सितंबर में एल्बिसेलेस्टे के खिलाफ क्वालीफायर से बाहर हो गये थे हालांकि अब वह फिट हैं और अपने क्लब इंटर मियामी की ओर से उन्होंने मैदान में वापसी कर ली है। अर्जेंटीना का मुकाबला 10 अक्टूबर को वेनेजुएला से और 15 अक्टूबर को बोलीविया से होगा। अभी अर्जेंटीना10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी समूह में आठ मैचों में 18 अंकों लेकर शीर्ष पर है। वह दूसरे स्थान पर चल रहे कोलंबिया से दो अंक आगे है। इसमें से शीर्ष छह टीमें 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी, जिसकी मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा करेंगे। वहीं सातवें स्थान पर रहने वाली टीम अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ में खेलेगी। अर्जेंटीना टीम: डिफेंडर्स: गोंजालो मोंटिएल (सेविला), नहुएल मोलिना (एटलेटिको मैड्रिड), क्रिस्टियन रोमेरो (टोटेनहम), जर्मन पेज़ेला (रिवर प्लेट), मार्कोस एक्यूना (रिवर प्लेट), लियोनार्डो बलेरडी (ओलंपिक मार्सिले), निकोलस ओटामेंडी (बेनफिका), लिसेंड्रो मार्टिनेज (मैनचेस्टर यूनाइटेड), निकोलस टैग्लियाफिको (ल्योन)।

एशिया रग्बी सेवेंस ट्रॉफी: शिखा, मोहित की अगुआई में भारतीय टीमें शुक्रवार को करेंगी अपने अभियान की शुरुआत

काठमांडू। भारतीय रग्बी पुरुष और महिला टीमें 4 और 5 अक्टूबर को यहां होने वाली एशिया रग्बी सेवेंस ट्रॉफी (एआरएसटी) में भाग लेंगी। शिखा यादव और मोहित खत्री को अपनी-अपनी टीमों का कप्तान बनाया गया है। पुरुष टीम शुक्रवार को बांग्लादेश के खिलाफ, जबकि महिला टीम श्रीलंका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। महिला टीम पिछले तीन सालों से रजत पदक जीतने के अपने सिलसिले को इस बार स्वर्ण में बदलना चाहेगी। दूसरी ओर, पिछले साल पांचवें स्थान पर रहने वाली पुरुष टीम अपने प्रदर्शन को बेहतर करने और अपने स्तर को ऊपर उठाने की कोशिश करेगी। पुरुष और महिला दोनों टीमें 2 अक्टूबर को नेपाल के लिए रवाना हुईं। नेपाल रवाना होने से पहले विशेष रूप से नए भारतीय 7एस हेड कोच वैसाले सेरेवी के नेतृत्व में एशिया रग्बी सेवेंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए साई, कोलकाता में कठोर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था। भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा, भारतीय राष्ट्रीय 7एस टीमों का हमेशा से लक्ष्य एशिया रग्बी सेवेंस सीरीज से आगे पहुंचना रहा है।

29वीं फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे विष्णु, माया

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

एशियाई खेलों के पदक विजेता विष्णु वर्धन और युवा माया रेवती ने बुधवार को नई दिल्ली के डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में चल रहे 29वें फेनेस्टा ओपन नेशनल टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त और पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन विष्णु को मणिपुर के भिक्की सागोलशेम के खिलाफ अपने दूसरे दौर के मैच में कड़ी मेहनत करनी पड़ी और अंतत: उन्होंने 6-3, 5-7, 6-2 से जीत हासिल की। तेलंगाना के खिलाड़ी ने जोरदार शुरुआत की, भिक्की की सर्विस दो बार तोड़कर 5-1 की बढ़त ले ली। भिक्की ने लगातार दो गेम जीतकर वापसी की और पहला सेट जीवंत रखा। हालांकि, विष्णु ने पहला सेट जीतने के लिए अपने अनुभव का इस्तेमाल किया।

दूसरे सेट में कड़ी टक्कर देखने को मिली, स्कोर 5-5 से बराबर था, लेकिन भिक्की ने अपने खेल को बेहतर बनाते हुए अगले दो गेम जीतकर मैच को बराबर कर दिया। अंतिम सेट में विष्णु ने दबदबा बनाते हुए 6-2 से जीत दर्ज की।

महिला एकल में तमिलनाडु की युवा माया ने तेलंगाना की सौम्या रोंडे को हराकर एक और दमदार प्रदर्शन किया। 15 वर्षीय माया, जिनके नाम आईटीएफ जूनियर्स में लगातार सबसे लंबे समय तक जीत का रिकॉर्ड है, ने पूरे नियंत्रण में रहते हुए सीधे सेटों में 6-3, 6-0 से जीत दर्ज की।

पिछले साल की फाइनलिस्ट गुजरात की वैदेही चौधरी ने दिल्ली की रिया सचदेवा को 6-0, 6-0 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई, जबकि अनुभवी खिलाड़ी रिया भाटिया ने झारखंड की नेमहा किस्पोट्टा को सीधे सेटों में 6-2, 6-2 से हराया।

डीसीएम श्रीराम लिमिटेड द्वारा समर्थित और अखिल भारतीय टेनिस संघ और दिल्ली लॉन टेनिस संघ के तत्वावधान में आयोजित भारत का सबसे बड़ा घरेलू टेनिस टूर्नामेंट देश भर की प्रतिभाओं को सामने ला रहा है। टूर्नामेंट के पिछले संस्करणों में भारत के कुछ शीर्ष टेनिस सितारे शामिल हो चुके हैं, जिनमें रोहन बोपन्ना, सोमदेव देववर्मन, युकी भांबरी, सानिया मिर्जा और रुतुजा भोसले शामिल हैं।

पुरुष एकल में कुछ आश्चर्यजनक परिणाम देखने को मिले, जैसे नितिन कुमार सिन्हा (आरएसपीबी) ने ओडिशा के चौथे वरीय कबीर हंस को 7-6(5), 6-2 से हराया और मणिपुर के बुशन हाओबाम ने तमिलनाडु के छठे वरीय रंजीत वीएम को 6-1, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

गुजरात के स्मित पटेल (9वीं वरीयता प्राप्त) ने लड़कों के अंडर-18 एकल में अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखते हुए चंडीगढ़ के आठवीं वरीयता प्राप्त अक्षत ढुल को तीसरे दौर में 7-5, 6-0 से हराया।

लड़कियों के अंडर-18 एकल में, महाराष्ट्र की सेजल भुटाडा (14वीं वरीयता प्राप्त) ने शीर्ष वरीयता प्राप्त लक्ष्मी डांडू को तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में 6-4, 5-7, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

प्रतिष्ठित खिताबों के साथ-साथ विजेताओं को जूनियर श्रेणियों में किट भत्ते के साथ कुल 21.55 लाख रुपये से अधिक की पुरस्कार राशि भी मिलेगी। अंडर-16 और अंडर-14 एकल स्पर्धाओं के विजेता और उपविजेता को 25,000 रुपये की टेनिस छात्रवृत्ति भी मिलेगी। लड़कों और लड़कियों के अंडर-16 और अंडर-14 क्वालीफाइंग और मुख्य ड्रॉ मैच 5 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक होंगे।

महिला टी20 विश्व कप: पहली बार किसी आईसीसी टूर्नामेंट में हो रहा स्मार्ट रिप्ले सिस्टम का इस्तेमाल

दुबई। आईपीएल 2024 और द हंड्रेड के बाद अब महिला टी20 विश्व कप 2024 में इस बार स्मार्ट रिप्ले सिस्टम का प्रयोग किया जा रहा है। ये पहली बार है जब किसी आईसीसी टूर्नामेंट में आईसीसी स्मार्ट रिप्ले सिस्टम का प्रयोग कर रही है। इसके तहत हर मैच में कवरेज के लिए कम से कम 28 कैमरे रहेंगे। इससे बेहतर प्ररिणाम मिलने की उम्मीदें हैं। सभी मैचों में डिसीज़न रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) भी उपलब्ध होगा, इसमें हॉक-आई स्मार्ट रिप्ले सिस्टम का प्रयोग होता है। इससे टीवी अंपायर को विभिन्न कोणों से एकसाथ आने वाले फुटेज़ की तुरंत समीक्षा कर सटीक फैसला देने में सहायता मिलेगी। वहीं स्मार्ट रिप्ले सिस्टम के तहत टीवी अंपायर को सीधे दो हॉक-आई ऑपरेटरों से जानकारी मिलेगी, जो अंपायर के साथ एक ही कमरे में बैठेंगे और उन्हें मैदान में लगे हॉक-आई के आठ हाई-स्पीड कैमरों से ली गयीं तस्वीरों को दिखाएंगे। अब तक टीवी प्रसारण निदेशक, तीसरे अंपायर और हॉक-आई ऑपरेटरों के बीच मध्यस्थ का काम करते थे पर अब इसकी जरुरत नहीं रहेगी। यह सिस्टम टीवी अंपायर को पहले से अधिक दृश्य देखने की सुविधा भी देता है, जिसमें स्प्लिट-स्क्रीन भी शामिल हैं। स्मार्ट रिप्ले सिस्टम के तहत स्टंपिंग रेफरल के मामले में भी टीवी अंपायर हॉक-आई ऑपरेटरों से स्प्लिट-स्क्रीन (दो भागों मं बंटी हुई स्क्रीन) के विजुअल मांग सकते हैं जिससे अंपायर ले लिए फैसला लेना आसान रहेगा।

भ्रष्टाचार विरोधी संहिता के उल्लंघन के लिए श्रीलंकाई स्पिनर जयविक्रमा पर लगा एक साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। **अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के बाएं हाथ के स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा पर एक वर्ष के लिए सभी प्रकार के क्रिकेट से प्रतिबंध लगा दिया है, जिसमें से अंतिम छह महीने निलंबित हैं, क्योंकि उन्होंने वैश्विक संस्था की भ्रष्टाचार रोधी संहिता का उल्लंघन करने की बात स्वीकार की है।**

अगस्त में आईसीसी ने जयविक्रमा पर संहिता के दो उल्लंघनों का आरोप लगाया। उन्होंने अनुच्छेद 2.4.7 का उल्लंघन करना स्वीकार किया है, जो एसीयू [भ्रष्टाचार निरोधक इकाई] द्वारा की जा रही किसी भी जांच में बाधा डालना या देरी करना, जिसमें किसी भी दस्तावेज या अन्य जानकारी को छिपाना, छेड़छाड़ करना या नष्ट करना शामिल है जो उस जांच के लिए प्रासंगिक हो सकती है और/या जो सबूत हो सकती है या भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के तहत भ्रष्ट आचरण के सबूत की खोज का कारण बन सकती है, से संबंधित है।

आईसीसी की विज्ञप्ति के अनुसार, ये आरोप अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) से संबंधित हैं। अप्रैल 2021 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले जयविक्रमा ने पांच टेस्ट, पांच वनडे और पांच टी20 मैच खेले हैं। श्रीलंका के लिए उनका आखिरी प्रदर्शन 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज में था।

एलपीएल 2021 में, जयविक्रमा जाफना किंग्स की टीम का हिस्सा थे जिसने अपना दूसरा खिताब जीता। उन्होंने उस सीजन में एक मैच खेला था, जिसमें उन्होंने दो विकेट लिए थे। एलपीएल 2024 में, वह दांबुला सिक्सर्स के लिए खेले।

आईएसएल: ओड़ीशा एफसी के सामने केरला ब्लास्टर्स चुनौती

भुवनेश्वर, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ओडिशा एफसी की टीम आज शाम अपने घरेलू मैदान कलिंगा स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में केरला ब्लास्टर्स एफसी की मेजबानी करेगी। दोनों टीमों ने अब तक अपने तीन मैचों में एक-एक जीत हासिल की है। ओडिशा ने पिछले शनिवार को जमशेदपुर एफसी को 2-1 से हराकर सीजन की पहली जीत हासिल की जबकि केरला ब्लास्टर्स एफसी ने गुवाहाटी में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी से 1-1 का ड्रा खेला। उसे आगामी मुकाबले में जीत की राह पर लौटने की उम्मीद होगी।

ओडिशा एफसी के स्पेनिश हेड कोच सर्जियो लोबेरा ने केरला ब्लास्टर्स के खिलाफ अपने 11 मुकाबलों में से नौ जीते है, जो 82त्न की सफलता दर है। इस कैलेंडर वर्ष में, केरला ब्लास्टर्स ने लीग के अपने आठ मैचों में केवल एक जीत हासिल की है। उन्होंने इन सभी मैचों में गोल खाए हैं, और यह निश्चित रूप कोच मिकेल स्टेहरे के लिए चिंता का विषय होगा।

ओडिशा एफसी और उसके फैंस लगातार दो हार के सिलसिले के टूटने से खुश हैं। लोबेरा ने मुश्किल समय में टीम का हौंसला बढ़ाने के लिए फैंस के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं क्योंकि आखिरकार, हमने तीन महत्वपूर्ण अंक बटोर लिये। हर बार जब अधिक फैंस स्टेडियम आते हैं, तो वे हमें मुश्किल क्षणों से निकालते हैं। मैं इनका समर्थन पाकर खुश हूं।

केरला ब्लास्टर्स एफसी के स्वीडिश हेड कोच मिकेल स्टेहरे को भरोसा है कि सीजन के शुरुआती तीन मैचों के बाद उनकी टीम सही रास्ते पर है।

स्टाहरे ने कहा, मैं खुश नहीं हूं, लेकिन मैं बहुत दुखी भी नहीं हूं। हम और बेहतर कर सकते हैं। हम अभी भी मजबूत हैं और अंक जीत रहे हैं। मुझे लगता है कि हम सही रास्ते पर हैं। दोनों टीमें आईएसएल में 23 बार एक-दूसरे से खेल चुकी हैं, जिसमें केरला ब्लास्टर्स ने नौ मुकाबले जीते हैं, जबकि ओडिशा को सात जीत मिली है। सात मुकाबले ड्रा रहा है।

डायमंड लीग 2025: चीन करेगा शुरुआती दो स्पर्धाओं की मेजबानी, ज्यूरिख में होगा फाइनल

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ज्यूरिख अगस्त में 2025 डायमंड लीग के दो दिवसीय सीज़न के समापन समारोह का आयोजन करेगा, जबकि प्रतियोगिता की शुरुआत चीन में दो मुकाबलों के साथ होगी। आयोजकों ने बुधवार को उक्त जानकारी दी।

आयोजकों ने बुधवार को बताया कि ज्यूरिख अगस्त में 2025 डायमंड लीग के दो दिवसीय सीज़न के समापन समारोह का आयोजन करेगा, जबकि प्रतियोगिता की शुरुआत चीन में दो मीट से होगी। ट्रैक एंड फील्ड की प्रीमियर वन-डे मीटिंग सीरीज़ के 16वें संस्करण के अनंतिम कैलेंडर में 14 देशों और चार महाद्वीपों के 15 मेज़बान शहर शामिल हैं।

शंघाई/सूज़ौ से एक हफ्ते पहले 26 अप्रैल को ज़ियामेन उद्घाटन कार्यक्रम की मेज़बानी करेगा। जून में रोम में होने वाली पहली यूरोपीय मीट से पहले मई में दोहा और रबात में मीटिंग निर्धारित हैं।

ओस्लो, स्टॉकहोम और पेरिस में होने वाले आयोजनों के बाद, प्रतियोगिता संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित की जाएगी, जहाँ जुलाई में ओरेगन के यूजीन में प्रीफोंटेन क्लासिक का आयोजन किया जाएगा।

मोनाको, लंदन, सिलेसिया, लॉज़ेन और ब्रुसेल्स जुलाई और अगस्त में मुकाबलों की मेज़बानी करेंगे, उसके बाद ज्यूरिख में 2022 के बाद पहली बार फ़ाइनल (27-28 अगस्त) का आयोजन किया जाएगा, जो टोक्यो में 13-21 सितंबर को होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की तैयारी में होगा। डायमंड लीग के 2025 संस्करण में 9 मिलियन डॉलर से ज़्यादा की पुरस्कार राशि दी जाएगी, जो इस टूर्नामेंट के लिए एक रिकॉर्ड है।

2025 डायमंड लीग कैलेंडर:

ज़ियामेन - 26 अप्रैल, शंघाई/सूज़ौ - 3 मई, दोहा - 16 मई, रबात/माराकेच - 25 मई, रोम - 6 जून, ओस्लो - 12 जून, स्टॉकहोम - 15 जून, पेरिस - 20 जून, यूजीन - 5 जुलाई, मोनाको - 11 जुलाई, लंदन - 19 जुलाई, सिलेसिया - 16 अगस्त, लॉज़ेन - 20 अगस्त, ब्रुसेल्स - 22 अगस्त, ज़्यूरिख - 27-28 अगस्त।

सविता ने लैंगिक समानता के लिए की हॉकी इंडिया के प्रतिबद्धता की सराहना

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय महिला हॉकी गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पुनिया ने हॉकी इंडिया की समग्र रूप से लैंगिक समानता के प्रति प्रतिबद्धता और आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 की सराहना की है।

एचआईएल के इतिहास में पहली बार, इस टूर्नामेंट में न केवल पुरुष टीमें बल्कि महिला टीमें भी भाग लेंगी, जिसमें दोनों श्रेणियों को समान महत्व दिया जाएगा।

एचआईएल 2024-25 दिसंबर 2024 के अंतिम सप्ताह से फरवरी 2025 के पहले सप्ताह तक अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) द्वारा स्वीकृत अवधि में आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में 8 पुरुष टीमें और 6 महिला टीमें भाग लेंगी। विशेष रूप से, पुरुष और महिला एचआईएल एक साथ चलेंगे, जो वैश्विक खेल लीगों में एक अनूठा क्षण होगा।

सविता ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, पुरुष और महिला एचआईएल एक साथ चलेंगे, जो कि मुझे नहीं लगता कि किसी अन्य खेल में पहले कभी हुआ है। हॉकी इंडिया ने हमेशा सुनिश्चित किया है कि पुरुष और महिला दोनों टीमों के साथ समान व्यवहार किया जाए।

उदाहरण के लिए, जब पुरुष और महिला टीमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मैच या प्रतियोगिता जीतती हैं, तो दोनों के लिए पुरस्कार राशि समान होती है। यह खेलों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए हॉकी इंडिया के समर्पण के बारे में बहुत कुछ बताता है। एक खिलाड़ी के रूप में, एक ऐसे संगठन का हिस्सा बनना सशक्त महसूस होता है जो महिला एथलीटों के योगदान को उनके पुरुष समकक्षों जितना ही महत्व देता है।

हॉकी इंडिया लंबे समय से पुरुष और महिला राष्ट्रीय टीमों के बीच समानता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। चाहे सुविधाओं, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन या मैच पुरस्कारों के मामले में, दोनों टीमों को समान समर्थन मिलता है। इसमें अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने के लिए समान वित्तीय प्रोत्साहन और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में ट्रॉफी हासिल करने के लिए समान पुरस्कार राशि प्रदान करना शामिल है। सविता ने उभरती हुई प्रतिभाओं को निखारने में महिला एचआईएल के प्रभाव पर प्रकाश डाला और कहा, एक समर्पित महिला लीग की शुरुआत एक गेम चेंजर है और निश्चित रूप से भारतीय हॉकी के लिए एक बड़ा कदम है। युवा महिला एथलीटों के लिए, यह मंच न केवल उन्हें उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का मौका देगा बल्कि खिलाड़ियों के रूप में भी सुधार करेगा। यह उनकी प्रतिभा को दिखाने और रैंकों में ऊपर चढ़ने का एक शानदार अवसर है, और मुझे विश्वास है कि हम आने वाले सीज़न में कुछ असाधारण प्रदर्शन देखेंगे।

नवरात्रि के पहले दिन महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। नवरात्रि की शुरुआत के साथ ही घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में तेजी आ गई है। हालांकि चांदी के भाव में गुरुवार को भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने के भाव में उछाल आने के कारण सोना 500 से 560 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये से लेकर 77,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,160 रुपये से लेकर 71,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु भी 94,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,510 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी तेजी आने की वजह से सोना महंगा हो गया है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व क्रिकेटर व कांग्रेस नेता अजहरुद्दीन को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने तलब किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) के वित्तीय घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन को तलब किया है। ईडी ने उन्हें गुरुवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। वे एचसीए के अध्यक्ष रह चुके हैं। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन को वित्तीय घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए तलब किया है। ईडी ने कांग्रेस नेता को यह पहला समन जारी किया है, जिसके तहत उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसी के समक्ष पेश होना है। पूर्व क्रिकेटर पर अपने कार्यकाल के दौरान धन की हेराफेरी का आरोप है। यह हैदराबाद के उप्पल में राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम के लिए डीजल जनरेटर, अग्निशमन प्रणाली और छतरियों की खरीद के लिए आवंटित 20 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी से जुड़ा मामला है। अजहरुद्दीन सितंबर 2019 में एचसीए अध्यक्ष चुने गए थे। एपेक्स काउंसिल के फंड की हेराफेरी के आरोप में एक्शन लेने के बाद जून 2021 में उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ा था।

वाहन निर्माताओं को अक्टूबर पर भरोसा, 40 फीसदी तक बिक्री की उम्मीद

मुंबई। वाहन निर्माताओं को अक्टूबर महीने पर भरोसा है। इसमें नवरात्रि, दशहरा और दिवाली शामिल हैं। उनका कहना है कि वार्षिक बिक्री की 30 से 40 फीसदी बिक्री इन्हीं दिनों पर होती है। कार निर्माता मौसमी मांग में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। होंडा मोटर, ह्युंडई, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसे वाहन निर्माता सुस्त बिक्री को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक कदम उठा रहे हैं। मांग को बढ़ाने के लिए वाहन निर्माताओं के पास तीन मुख्य रणनीति हैं। इनमें नए मॉडल लॉन्च करना, पर्याप्त छूट देना और कीमतों में कटौती लागू करना। कई कंपनियां ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए पहले ही छूट दे चुकी हैं। टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने चुनिंदा मॉडलों पर ऑफर बढ़ा दिए हैं। मारुति सुजुकी ने पहले ही कई मॉडलों की कीमतों में कटौती की। ऑल्टो के10 और एस-प्रेसो पर 40,000 तक की छूट, वैगनआर पर 30,000 तक का ऑफर, नेक्सा शोरूम में जिम्नी पर 2.5 लाख की छूट, पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर 15,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस है। वहीं ह्यूंडई की ग्रैंड आई10 निओस पर 35,000 रुपये तक छूट, ऑरा सेडान पर 30,000 रुपये तक छूट, वेन्यू एसयूवी पर 45,000 तक फायदा है। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अगस्त में स्कॉर्पियो क्लासिक एसयूवी पर छूट को बढ़ाकर 1,00,000 रुपये किया गया है।

सितंबर में 47 कंपनियों ने आईपीओ से जुटाए 16152 करोड़

नई दिल्ली। निवेशकों के जबरदस्त उत्साह के चलते सितंबर में आईपीओ से 47 कंपनियों ने 16,152 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

इसमें से 13 मुख्य प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध हुई हैं। एक्सचेंजों के आंकड़ों के मुताबिक, 13 प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम यानी आईपीओ में बजाज हाउसिंग ने सर्वाधिक 6,560 करोड़ व प्रीमियर एनर्जीज ने 2,830 करोड़ जुटाए। 34 कंपनियां छोटी एवं मझोली यानी एसएमई थीं। 47 कंपनियों में से 61 फीसदी के शेयर इश्यू भाव से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। ट्रैवल्स एंड रेंटल्स का एसएमई आईपीओ 283 फीसदी लाभ के साथ सबसे आगे है। प्रीमियर एनर्जीज 146 फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर है।आईपीओ में खुदरा निवेशकों की उत्साही भागीदारी ने एसएमई में सदस्यता स्तर को आश्चर्यजनक ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। इस साल के आठ महीनों में आईपीओ बाजार तीन गुना बढ़ा है। इस अवधि में 227 आईपीओ सूचीबद्ध हुए। इन्होंने 12.2 अरब डॉलर जुटाए। 2023 में इसी अवधि के दौरान महज 4.3 अरब डॉलर की रकम जुटाई गई थी।

कैप्टिव और वाणिज्यिक ब्लॉक से कोयला उत्पादन पहली छमाही में 32 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही एक अप्रैल, 2024 से 30 सितंबर, 2024 के दौरान पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि की तुलना में कैप्टिव और वाणिज्यिक दोनों कोयला ब्लॉकों से कोयला उत्पादन और प्रेषण में वृद्धि दर्ज हुई है। पहली छमाही में कोयला उत्पादन सालाना आधार पर 32 फीसदी बढ़ा है जबकि कोयला डिस्पैच में 34 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है।

कोयला मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया कि कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला ब्लॉकों से चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में कोयला उत्पादन सालाना आधार पर 32 फीसदी बढ़कर 79.72 मीट्रिक टन (एमटी) हो गया, जो बीते वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में 60.52 मीट्रिक टन था। इसी तरह दोनों कोयला ब्लॉक से कोयला डिस्पैच में भी सालाना आधार पर 34 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है, जो बीते वित्त वर्ष की पहली छमाही के 65.37 मीट्रिक टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में 87.86 मीट्रिक टन हो गया है।

मंत्रालय के मुताबिक कैप्टिव और वाणिज्यिक दोनों कोयला ब्लॉकों से कोयला उत्पादन और प्रेषण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अलावा सितंबर महीने में कोयला उत्पादन में 32 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 10.40 मीट्रिक टन से बढ़कर चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 13.74 मीट्रिक टन हो गया है। इसी तरह सितंबर महीने में कोयला का प्रेषण सालाना आधार पर 47 फीसदी बढ़ा है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 9.68 मीट्रिक टन से बढ़कर चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 14.27 मीट्रिक टन हो गया है।

कोयला मंत्रालय ने इस उपलब्धि के लिए कोयला कंपनियों और उद्योग भागीदारों सहित सभी हितधारकों के अमूल्य समर्थन और उनके अथक प्रयासों की सराहना की है। मंत्रालय ने कहा कि उसका प्राथमिक उद्देश्य देश की बढ़ती ऊर्जा की मांगों को पूरा करने के लिए एक स्थिर और विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए कोयला के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि करना है। मंत्रालय का लक्ष्य कोयला क्षेत्र में दक्षता, स्थिरता और उत्पादन को बढ़ाना है।

दवाइयों, इंश्योरेंस और ट्रैक्टरों पर जीएसटी दर कम कर सकती है सरकार

नई दिल्ली। जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के लिए बनी मंत्री स्तरीय समिति आम आदमी को बड़ी राहत दे सकती है। समिति कई दवाइयों, इंश्योरेंस और ट्रैक्टरों पर जीएसटी दर को कम करके 5 फीसदी तक कम करने पर विचार कर रही है। वर्तमान में ट्रैक्टरों पर 12 फीसदी या 28 फीसदी जीएसटी लगता है, जो उनके वर्गीकरण पर निर्भर करता है। ट्रैक्टरों से होने वाले कम राजस्व की भरपाई महंगे इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी दर बढ़ाकर की जा सकती है। हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस पर जीएसटी दर में कटौती होने की भी संभावना है। स्वास्थ्य बीमा पर 18 फीसदी से घटाकर 12 फीसदी तक जीएसटी किया जा सकता है, जबकि टर्म इंश्योरेंस पर 5 फीसदी जीएसटी लगने की उम्मीद है। हालांकि, टर्म इंश्योरेंस पर जीएसटी शून्य करने की मांग कई दिनों से उठ रही है, लेकिन इससे बीमा कंपनियों को इनपुट टैक्स क्रेडिट का नुकसान हो सकता है. ऐसे में टर्म इंश्योरेंस पर 5 फीसदी जीएसटी का प्रस्ताव सबसे उपयुक्त माना जा रहा है। एक खबर के अनुसार मंत्री स्तरीय समिति जीएसटी की चार दरों को तीन में बदलने के पक्ष में नहीं है, लेकिन 12 फीसदी की दर वाली वस्तुओं की संख्या घटाने पर विचार हो रहा है। कुछ वस्तुओं को 5 फीसदी के स्लैब में डाला जा सकता है, जबकि कुछ अन्य वस्तुएं 18 फीसदी के स्लैब में स्थानांतरित की जा सकती हैं। समिति इस महीने के अंत तक अपनी सिफारिशें स्पष्ट करेगी। 19 अक्टूबर को बीमा पर चर्चा के लिए बैठक होगी और 20 अक्टूबर को दर युक्तिकरण पर वस्तु-विशेष पर चर्चा की जाएगी।

बायोकॉन ने 1.1 अरब डॉलर के दीर्घकालिक ऋण का किया पुनर्वित्तपोषण

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने डॉलर बॉण्ड और नई सामूहिक सुविधा के जरिये 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर (9,347 करोड़ रुपये) के दीर्घकालिक ऋण का पुनर्वित्तपोषण किया है।बायोकॉन की इकाई बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने बयान में कहा कि बॉण्ड बायोकॉन बायोलॉजिक्स ग्लोबल पीएलसी द्वारा जारी किए जाएंगे, जो कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। इसे एक मजबूत सुरक्षा पैकेज द्वारा समर्थित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह लेनदेन नौ अक्टूबर 2024 को पारंपरिक समापन शर्तों के अधीन निपटाए जाने की उम्मीद है। बायोलॉजिक्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह रणनीतिक पुनर्वित्तपोषण वित्तीय जुझारूपन को बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बायोकॉन बायोलॉजिक्स की दीर्घकालिक वृद्धि को बढ़ावा देता है और हमारे व्यवसाय के समेकन चरण का मूल है। उन्होंने कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि इस लेनदेन से पूंजी संरचना मजबूत होगी और उसे व्यवसाय में निवेश को पुनः स्थापित करने में मदद मिलेगी। इसमें बायोसिमिलर की हमारी पाइपलाइन को आगे बढ़ाना भी शामिल है।

टाटा इलेक्ट्रानिक्स प्लांट में लगी आग का आईफोन बनने पर असर नहीं

नई दिल्ली। देश में त्योहारी सीजन शुरू होने के ठीक पहले टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के संयंत्र होसूर में शनिवार को लगी आग का आईफोन के विनिर्माण पर असर पड़ने की संभावना नहीं है। भारत में आईफोन16 सीरीज भी 20 सितंबर से देश में मिलने लगा है। ऐपल भारत में आईफोन का उत्पादन बढ़ाना चाहता है और उसकी इस योजना में होसूर संयंत्र अहम भूमिका निभाने जा रहा है। सूत्रों के अनुसार तमिलनाडु के श्रीपेरम्बुदूर में फॉक्सकॉन के असेंबली संयंत्रों में आईफोन के कलपुर्जों (एन्कलोजर) की कमी नहीं है। बेंगलूरु के नजदीक विस्ट्रॉन और चेन्नई के निकट पेगाट्रॉन के संयंत्रों में भी ऐसे एन्क्लोजर की कोई कमी नहीं है। लिहाजा, आईफोन तैयार करने में रुकावट का कोई जोखिम नहीं है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ऐपल वेंडरों को कुल इन्क्लोजर का एक हिस्सा ही भेजती है और बाकी का अब भी आयात किया जाता है। ऐपल ने आवश्यकता महसूस होने पर अपने दूसरे आपूर्तिकर्ताओं से एन्क्लोजर मंगाने की आपात योजना तैयार कर रखी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

17 राज्यों के...

न्यायालय ने इस दलील पर गौर किया था कि इन राज्यों के जेल नियमावली उनकी जेलों के अंदर काम के आवंटन में भेदभाव करते हैं और कैदियों की जाति से ही उनके रहने की जगह तय होती है। याचिका में केरल के जेल नियमों का हवाला दिया गया था और कहा गया कि वे आदतन और फिर से दोषी ठहराए गए दोषी के बीच अंतर करते हैं। याचिका में दावा किया गया कि पश्चिम बंगाल जेल संहिता में यह प्रावधान है कि जेल में काम जाति के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए, जैसे खाना पकाने का काम प्रभावशाली जातियों द्वारा किया जाएगा और झाड़ू लगाने का काम विशेष जातियों के लोगों द्वारा किया जाएगा।

हमें पीएम...

तो शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति से इस पर आवाज उठाने की उम्मीद की जाती है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र महासचिव इसमें विफल रहे। हम चाहते हैं कि संयुक्त राष्ट्र सकारात्मक भूमिका निभाए।

अच्छे काम की...

वे कहते हैं कि अगर आप अच्छी चीजों के बारे में बात करते हैं तो मीडिया इसे कवर नहीं करता है। अगर आप संसद में गाली देते हैं और हंगामा करते हैं, तभी यह खबर बनती है।केंद्रीय मंत्री ने छात्रों के सीखने के परिणाम पर भी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मैं सीमावर्ती क्षेत्र से आता हूं। मेरे बचपन में वहां कोई स्कूल और सड़क नहीं थी। हमारे पास कोई सुविधा नहीं थी। शिक्षक, विशेष रूप से यूपी, बिहार, बंगाल और असम से, चार-पांच किलोमीटर की यात्रा करके हमारे गांव आते थे। उन्होंने कहा, शिक्षकों ने हमें मूल्यों और समाज के बारे में जो सिखाया, हम कभी नहीं भूले। लेकिन, आज बच्चे कॉन्वेंट और पब्लिक स्कूलों में पढ़ते हैं। ऐसे कई स्कूल हैं, जहां शिक्षा का स्तर बहुत अच्छा है। लेकिन, मुझे लगता है कि जिस तरह की शिक्षा हासिल करनी चाहिए, उसमें कहीं न कहीं कमी दिख रही है। रिजिजू ने कहा कि समाज में अच्छे लोग हैं जो देश के भविष्य के निर्माण के बारे में सोचते हैं लेकिन एक वर्ग ऐसा भी है जो कोई योगदान नहीं देता और समाज को गलत तरीके से प्रभावित करता है।

सरगना तुषार ...

वह 2022 में कांग्रेस दिल्ली का आरटीआई सेल का प्रमुख था। उसने बताया कि वह साल 2002 में यूथ कांग्रेस का सदस्य बना था।पुलिस तुषार गोयल के बैकग्राउंड को खंगाल रही है। कहा जा रहा है कि 40 वर्षीय तुषार गोयल ने दिल्ली के इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से स्नातक किया है। वह दिल्ली के वसंत विहार में रहता है। उसके पिता दिल्ली में तुषार पब्लिकेशन और ट्यूलिप पब्लिकेशन के मालिक हैं। तुषार ने साल 2008 में शादी की और उसके बाद देह व्यापार का काम शुरू कर दिया और सेक्स रैकेट चलाने लगा। इसी दौरान तुषार गोयल की मुलाकात दुबई के एक गिरोह से हुई। तभी से वह देह व्यापार के साथ-साथ ड्रग्स के धंधे में जुड़ गया और ड्रग्स की तस्करी करने लगा। दिल्ली पुलिस को अगस्त में इसकी भनक लगी थी। इसके बाद दिल्ली पुलिस पिछले दो महीने से उस पर और उसके गिरोह पर नजर रख रही है। आखिरकार उसे दबोच लिया गया।तुषार गोयल का साथी हिमांशु पहले बाउंसर था। वहीं, तुषार का ड्राइवर औरंगजेब सिद्दीकी उत्तर प्रदेश के देवरिया का रहने वाला है। चौथा आरोपी भरत जैन ही मुंबई से 15 किलोग्राम कोकीन दिल्ली लाया था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से पहले 15 किलोग्राम कोकीन बरामद की थी। इसके बाद उनकी निशानदेही पर महिपालपुर के गोदाम में छापा मारकर बाकी की ड्रग्स जब्त की गई।दरअसल, दिल्ली के महिपालपुर में 550 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई थी। इस मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें तुषार गोयल, भरत कुमार जैन, औरंगजेब सिद्दीकी और हिमांशु कुमार शामिल है। लगभग 5600 करोड़ रुपए की कोकीन के तार दुबई से जुड़े हैं। सप्लायर के तौर पर दुबई के एक बड़े कारोबारी का नाम सामने आया है। यह ड्रग्स मुंबई के बंदरगाह तक पहुंचा और वहां से इसे दिल्ली लाया गया था। इसे महिपालपुर के गोदाम में रखा गया था। कोकीन के साथ-साथ वहां से 40 किलोग्राम गांजा भी बरामद किया गया है। कहा जा रहा है कि इन ड्रग्स से 50 लाख डोज बनाई जा सकती हैं। इस खेप को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड पहुंचाया जाना था।

अब सौ साल...

चेराई के ग्रामीणों ने मांग की है कि सरकार वक्फ बोर्ड एक्ट में संशोधन करके उनकी समस्याओं का समाधान निकाले।उन्हें उम्मीद है कि चर्चों द्वारा गठित जेपीसी को लिखे गए पत्र से उन्हें इस संकट से निकलने में मदद मिलेगी।

ग्रामीणों का कहना है कि वे चेराई गांव में एक सदी से अधिक समय से निवास कर रहे हैं। उनके अनुसार, यह भूमि 1902 में सिद्दीकी सैत द्वारा खरीदी गई थी और बाद में 1950 में फारूक कॉलेज को दान कर दी गई थी। मछुआरों और कॉलेज के बीच लंबे समय से चल रहा विवाद 1975 में हल हुआ, जब उच्च न्यायालय ने कॉलेज के पक्ष में फैसला सुनाया। 1989 से, स्थानीय लोगों ने कॉलेज से जमीन खरीदना शुरू किया, लेकिन 2022 में अचानक यह दावा किया गया कि गांव वक्फ बोर्ड की जमीन पर बसा है।इस स्थिति ने गांव के निवासियों को गहरे संकट में डाल दिया है, क्योंकि उन्हें अपने राजस्व अधिकारों से वंचित कर दिया गया है और उनकी संपत्तियों को बेचने या गिरवी रखने से रोक दिया गया है। चेराई गांव के लोग अब न्याय की उम्मीद कर रहे हैं, ताकि उनकी मेहनत और वर्षों की परंपराओं का सम्मान किया जा सके।

बंगाल में अटकी ...

जहां भूमि संबंधी मुद्दों के कारण काम आगे नहीं बढ़ सका। वैष्णव ने कहा, लोगों के कल्याण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। विकास समय की मांग है। रेलवे परियोजनाओं को लेकर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। अगर राज्य सरकार हमारा समर्थन करती, तो लोगों की भलाई के लिए इन 61 लंबित परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा सकता है।रेलवे दुर्घटनाओं पर बढ़ती चिंताओं पर अश्विनी वैष्णव ने कहा कि दस साल पहले, सालाना 171 दुर्घटनाएं होती थीं, लेकिन पिछले साल यह संख्या घटकर 40 हो गई है। रेल हादसे में लगभग 60 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। यूपीए सरकार के तहत औसतन 450-500 सालाना पटरी से उतरने की घटनाएं होती थीं, जो अब घटकर लगभग 80 हो गई हैं। मंत्री ने कहा, रेलवे सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कवच का विकास अब पूरा हो गया है। कवच 4.2 को हाल ही में कोटा और सवाई माधोपुर में लागू किया गया है।

उड़न-ताबूत बनता...

ये सभी हेलीकॉप्टर भारतीय सेनाओं में सेवारत हैं। इसे बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने हाल ही में सेना के एएलएच बेड़े में सुरक्षा से जुड़े अहम अपग्रेडेशन किए हैं।दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में सबसे पहले चेतक हेलीकॉप्टर की लैंडिंग करने वाले रिटायर्ड एयर वाइस मार्शल मनमोहन बहादुर ने को बताया कि यह एक टेक्निकल फॉल्ट हो सकता है, जो बेहद कॉमन हैं। 2022 और 23 में भी जो हादसे हुए थे उनमें कंट्रोल रॉड की समस्या थी, जिसे दुरुस्त भी किया गया था। वहीं हेलीकॉप्टर की मेंटेनेंस को लेकर उन्होंने कहा कि जल्दी-जल्दी मेंटेनेंस करना भी समस्या का हल नहीं है। अगर किसी हेलीकॉप्टर की सर्विस 600 घंटे बाद होती है, और अगर हम उसे जल्दी करेंगे तो इसका सबसे पहला नुकसान तो यह होगा कि हेलीकॉप्टर को कुछ दिनों के लिए ग्राउंड करना पड़ेगा, साथ ही समय से पहले सर्विस से उसकी परफॉर्मेंस पर भी असर पड़ेगा और उसकी ऑपरेशनल क्षमता कमजोर होगी। वहीं रेट्रोफिटिंग में लंबा वक्त लगता है। सर्विसिंग का वक्त जितना लंबा होता है, वह उतना ही बढ़िया होता है। वह कहते हैं कि अगर हेलीकॉप्टर में कोई डिजाइनिंग इश्यू या कोई और समस्या है, तो एचएएल को देखना चाहिए। एचएएल के बनाए सभी हेलीकॉप्टरों को रिकॉल करना समस्या का हल नहीं है। रिटायर्ड एयर वाइस मार्शल मनमोहन बहादुर आगे कहते हैं कि हां लगातार हो रहे हादसों से इसके एक्सपोर्ट की संभावनाओं पर असर जरूर पड़ता है। क्योंकि इसका असर विदेशी खरीदारों पर पडता है।

वहीं इससे पहले 2023 में भी एएलएच ध्रुव कई बार हादसों का शिकार हुआ। 4 मई, 2023 को जम्मू-कश्मीर में जब ध्रुव हादसे का शिकार हुआ था, तो इसमें भारतीय सेना के दो पायलट मारे गए थे। जिसके चलते सेना ने ध्रुव हेलीकॉप्टर के ऑपरेशन एक महीने तक के लिए रोक लगा दी थी, पायलटों ने ध्रुव में पावर लॉस की शिकायत की थी। इससे पहले मार्च में नेवी और कोस्ट गार्ड ने ध्रुव हेलीकॉप्टर के ऑपरेशन पर रोक लगाई थी। भारतीय सेना में सबसे ज्यादा 96 एलएएच और इसका सैन्य वर्जन रुद्र है, जिसकी संख्या लगभग 75 के आसपास है। वहीं भारतीय वायुसेना में 70 एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलए) ध्रुव अभी सेवा में हैं। बाकी नौसेना और तटरक्षक बल के पास हैं। इससे पहले अक्टूबर 2022 अरुणाचल प्रदेश में मिगिंग के पास भारतीय सेना का एएलएच एमके4 वेरिएंट हेलीकॉप्टर दुर्घटना का शिकार हुआ था, जिसमें सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई थी।ध्रुव बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की टीम ने हेलीकॉप्टरों की सुरक्षा जांच में पाया कि इनके गियरबॉक्स में कंट्रोल रॉड और हाइड्रोलिक्स से संबंधित दिक्कतें थीं। कंट्रोल रॉड का इस्तेमाल हेलीकॉप्टर के दोनों इंजनों से उसके ऊपरी रोटरों तक पावर ट्रांसफर करने के लिए होता है। एएलएच में कंट्रोल रॉड एल्यूमीनियम की बनी होती है, और एचएएल ने कुछ हेलीकॉप्टरों में इसे स्टील से बदलने का फैसला लिया। साथ ही, 300 घंटे की उड़ान के बाद की जांच के बजाय हर 100 घंटे बाद रॉड की जांच का सुझाव भी दिया, जिससे हेलीकॉप्टर की परफॉर्मेंस बढ़ेगी और पायलट का चॉपर पर कंट्रोल बेहतर रहे।ध्रुव 5.5 टन वजनी डबल इंजन वाला मल्टी-मिशन हेलीकॉप्टर है। एएलएच के ऑपरेशन पर पहले भी रोक लगाई जा चुकी है। साल 2006 में टेल रोटर की दिक्कतों के चलते और फिर 2014 में एक बड़े हादसे के बाद इनके ऑपरेशन पर रोक लगाई जा चुकी है। जुलाई 2014 में उत्तर प्रदेश के सीतापुर के पास हुई दुर्घटना में इसके सात सदस्यीय चालक दल के सदस्य मारे गए थे। बरेली में सर्विस होने के बाद उस हेलीकॉप्टर ने केवल दो घंटे की उड़ान भरी थी। वहीं, अक्टूबर 2019 में हुए एक दूसरे हादसे में, पूर्व उत्तरी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल रणबीर सिंह और आठ अन्य लोग पुंछ सेक्टर में एएलएच दुर्घटना में बाल-बाल बचे थे।इतने हादसों के बावजूद इस साल अप्रैल में रक्षा मंत्रालय ने 34 एडवांस लाइट हेलिकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव एमके खखख की खरीद की मंजूरी दी है, जिन्हें 25 भारतीय सेना में, 09 हेलीकॉप्टर भारतीय तटरक्षक बल में शामिल किए जाने हैं। स्वदेश में ही बने इस ध्रुव हेलीकॉप्टर की खूबियों को देखते हुए इसके निर्यात के भी दरवाजे खुले। लैटिन अमेरिका से लेकर अफ्रीका, पश्चिम और दक्षिण पूर्व एशिया के करीब 35 देशों ने इसे खरीदने की इच्छा जताई। तो कई देशों ने इसका प्रदर्शन देखने के लिए भी आग्रह किया। एएलएच को सैन्य उपयोग के लिए मालदीव, मॉरीशस, नेपाल और इक्वाडोर जैसे देशों को भी बेचा गया है। इनमें से एक हेलीकॉप्टर को इज़राइल के सुरक्षा बलों (आईडीएफ) को पट्टे पर दिया गया है। इसके अलावा, तुर्की और पेरू जैसे देशों ने नागरिक उद्देश्यों के लिए ध्रुव को खरीदा है। एचएएल ने 2000 के दशक में एलबिट, यूरोकॉप्टर और कजान जैसे निर्माताओं को पीछे छोड़ कर इक्वाडोर को 45.2 मिलियन डॉलर के कॉन्ट्रैक्ट के तहत सात ध्रुव हेलीकॉप्टर बेचे। लेकिन अक्टूबर 2009 में पहला ध्रुव हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया। जिसके बाद दक्षिण अमेरिकी देश इक्वाडोर ने ऐलान किया कि यह सेवा के लिए उपयुक्त नहीं है और इसे भारत को लौटाने का फैसला किया। हालांकि एचएएल ने अपनी जांच में पाया कि इसमें पायलट की गलती थी, जिसके बाद इक्वाडोर ने अपना फैसला पलट दिया।लेकिन खुशी ज्यादा दिनों तक नहीं चली। 2015 तक इक्वाडोर को दिए सात में से चार हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हो गए। जिसके बाद ध्रुव हेलीकॉप्टरों को उड़ान भरने से रोक दिया गया और उसी साल इक्वाडोर ने एचएएल से अपना कॉन्ट्रैक्ट एकतरफा खत्म कर दिया। साथ ही, इक्वाडोर ने आखिरी तीन ध्रुव हेलीकॉप्टर को बेचने का फैसला किया और पश्चिमी देशों से छह एयरबस एच145 हेलीकॉप्टरों का ऑर्डर दिया। जिसके चलते देश के भीतर भी ध्रुव को आलोचना का शिकार होना पड़ा। सितंबर 2023 में अर्जेंटीनी सेना के पायलटों ने बैंगलोर में दोनों वैरिएंटों को उड़ाया। पायलट दोनों वैरिएंटों की परीक्षण उड़ान से संतुष्ट दिखे। वहीं अर्जेंटीना अब इसके 20 हेलीकॉप्टरों के ऑर्डर देने का विचार कर रहा है।ध्रुव के एमके-3 वेरिएंट में पहले एएलएच की तुलना में कई सुधार किए गए हैं। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि इसमें शक्ति इंजन लगाया गया है, जिसे एचएएल और फ्रांस की इंजन निर्माता सफ्रान ने मिल कर बनाया है। इसके ग्लास कॉकपिट के साथ, एडवांस मैरीटाइम पेट्रोल रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल पेलोड और नाइट विजन डिवाइस लगाए गए हैं। साथ ही, नए इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) सूट, वार्निंग सिस्टम, फ्लेयर डिस्पेंसर और बेहतर वाइब्रेशन कंट्रोल सिस्टम से भी भी लैस किया गया है। नए एमके-3 वेरिएंट के बारे में कहा जाता है कि इसका रडार 120 समुद्री मील दूर से दुश्मन के जहाजों को ट्रैक कर सकता है। साथ ही इसमें सैन्य अभियानों के लिए 12.7 मिमी केबिन-माउंटेड गन भी लगी है। ध्रुव ने सियाचिन ग्लेशियर और लद्दाख जैसे ऊंचाई वाले इलाकों के अलावा समुद्री अभियानों में भी अपनी क्षमता साबित की है। लद्दाख में तैनात आर्मी एविएशन ब्रिगेड पास भी ध्रुव हेलीकॉप्टर हैं, जिन्हें पुराने पड़ चुके चीता, चेतक और चीतल से रिप्लेस किया जाना है।सेना में धीरे-धीरे लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर ध्रुव की संख्या बढ़ रही है, क्योंकि ये न केवल चीता और चीतल के मुकाबले दमदार हैं, बल्कि लॉजिस्टिक के लिहाज से देखा जाए, तो उनमें ज्यादा जगह भी है। लेकिन भारतीय सेना के पास ध्रुव जितनी संख्या में होने चाहिए, वह काफी नहीं हैं, वह और लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर की बाट जोह रही है। सेना को 225 लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टरों की जरूरत है और 110 लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टरों की खरीद को लेकर बातचीत जारी है।

माता दुर्गा को समर्पित बेहद कल्याणकारी 8 दिन

हिंदू पंचांग के अनुसार वर्ष में चार बार नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है जो शरद, चैत्र, माघ और आषाढ़ के महीने में पड़ती हैं। शरद और चैत्र के महीने में पड़ने वाली नवरात्रि मां दुर्गा के भक्तों के लिए विशेष होती है वहीं माघ और आषाढ़ के महीने में पड़ने वाली नवरात्रि तांत्रिकों व अघोरियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है जिसे गुप्त नवरात्रि कहते हैं। इन 9 दिनों में भक्त मां दुर्गा की भक्ति में लीन रहते हैं तथा दिन-रात उनकी उपासना करते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पंचांग के अनुसार, आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि का आरंभ 3 अक्टूबर की सुबह 12:19 मिनट से होगा और इसका समापन अगले दिन 4 अक्टूबर की सुबह 2:58 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, शारदीय नवरात्रि गुरुवार 3 अक्टूबर 2024 से आरंभ होंगी और इस पर्व का समापन शनिवार 12 अक्टूबर 2024 को होगा। वर्ष में दो बार चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की विधि विधान से पूजा की जाती है। हालांकि कि गुप्त नवरात्रि भी आती है, लेकिन चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि की लोक मान्यता ज्यादा है। इस नवरात्रि माता भक्तों को दर्शन देने के लिए घोड़े में सवार होकर आ रही हैं। शक्ति का स्वरुप माने जाने वाली माता दुर्गा को समर्पित यह 9 दिन बेहद कल्याणकारी होते हैं। इन 9 दिनों में माता दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है और पूरे भारत में भक्ति और उल्लास का माहौल रहता है।

द्वितीया तिथि: – 4 अक्टूबर

मां दुर्गा का दूसरा स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी है और नवरात्रि के दूसरे दिन इनकी पूजा का विधान है। मां ब्रह्मचारिणी मंगल ग्रह को प्रदर्शित करती हैं और जो भक्त मां ब्रह्मचारिणी की पूजा सच्चे दिल से करता है उसके सभी दुख, दर्द और तकलीफें दूर हो जाती हैं। मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करते समय हरे रंग के कपड़े पहनें।

तृतीया तिथि: – 5 – 6 अक्टूबर

नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा होती है जो शुक्र ग्रह को नियंत्रित करती हैं। इनकी पूजा करने से शक्ति का संचार होता है तथा हर तरह के भय दूर हो जाते हैं। मां चंद्रघंटा की पूजा में ग्रे रंग का कपड़ा पहनें।

चतुर्थी तिथि: – 7 अक्टूबर

शरद नवरात्रि के चौथे दिन मां कुष्मांडा की पूजा का विधान है जो सूर्य देव को प्रदर्शित करती हैं। चतुर्थी तिथि पर संतरे रंग का कपड़ा पहनना शुभ माना जाता है। मां कुष्मांडा की पूजा करने से भविष्य में आने वाली सभी विपत्तियां दूर होती हैं।

पंचमी तिथि: – 8 अक्टूबर

बुध ग्रह को नियंत्रित करने वाली माता मां स्कंदमाता की पूजा शरद नवरात्रि के पांचवें दिन होती है। जो भक्त मां स्कंदमाता की पूजा करता है उसके ऊपर मां की विशेष कृपा बरसती है। पंचमी तिथि पर सफेद रंग का कपड़ा पहना अनुकूल माना जाता है।

षष्ठी तिथि: – 9 अक्टूबर

नवरात्रि की षष्ठी तिथि मां कात्यायनी को समर्पित है। इस दिन लाल कपड़े पहनकर मां कात्यायनी की पूजा करें जो बृहस्पति ग्रह को नियंत्रित करती हैं। मां कात्यायनी की पूजा करने से हिम्मत और शक्ति में वृद्धि होती है।

सप्तमी तिथि: – 10 अक्टूबर

इस दिन मां कालरात्रि की पूजा की जाती है जो शनि ग्रह का प्रतीक हैं। मां कालरात्रि की पूजा करने से भक्तों में वीरता का संचार होता है। सप्तमी तिथि पर आपको रॉयल ब्लू रंग के कपड़े पहनने चाहिए।

अष्टमी तिथि: – 11 अक्टूबर

अष्टमी तिथि पर महागौरी की पूजा करने का विधान है। इस दिन गुलाबी रंग का कपड़ा पहनना मंगलमय माना जाता है। माता महागौरी राहु ग्रह को नियंत्रित करती हैं और अपने भक्तों के जीवन से सभी नकारात्मक शक्तियों को दूर करती हैं।

नवमी तिथि: – 12 अक्टूबर

मां सिद्धिदात्री राहु ग्रह को प्रदर्शित करते हैं जिनकी पूजा करने से बुद्धिमता और ज्ञान का संचार होता है। नवमी तिथि पर आपको पर्पल रंग का कपड़ा पहनना चाहिए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

नवरात्रि : असंतुलन से सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने का समय

अष्टाँग योग के पाँच नियमों में से एक नियम है 'तप' जिसका अर्थ है अपने शरीर को किसी भी रूप में कष्ट देकर तपाना। तप, एक शुद्धिकरण की प्रक्रिया है, जो कि नकारात्मक कर्मों को निष्फल करने में और आत्मिक उत्थान में सहायक होती है। उपवास भी स्वयं को तपाने का एक माध्यम है। यही कारण है कि शरीर और आत्मा की शुद्धि के लिए, नवरात्रों में उपवास किए जाते हैं। देवी माँ के दस 'शक्ति'- रूप- शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रकान्ता, कुशमंदा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री तथा अपराजिता, इन नौ रातों और दस दिनों में समाये हुए हैं। इस प्रकार, नवरात्रों में, प्रत्येक रात की एक विशेष शक्ति है और उस शक्ति का एक विशेष उद्देश्य।

इस अवधि के दौरान मौसम परिवर्तन होता है, अर्थात सृष्टि की विभिन्न शक्तियाँ एक असंतुलन से संतुलन की ओर बढ़ती हैं। चूँकि, हम इस सृष्टि के पूर्ण अंश हैं, तो इस समय में हमारी प्राण शक्ति भी सृष्टि की अन्य शक्तियों की तरह एक संतुलन, एक पुनः निर्माण की प्रक्रिया से होकर गुजरती है। इस समय शरीर को अल्प और सुपाच्य आहार के माध्यम से हल्का रखा जाता है तथा सम्पूर्ण विषहरण के लिए, उपवास के अलावा कुछ विशेष मन्त्रों का जाप भी किया जाता है।

नौ दिनों तक शरीर को पुनः संगठित किया जाता है और दसवें दिन एक नयी ऊर्जा, एक नयी शक्ति को ग्रहण किया जाता है। साधक की क्षमता व आवश्यकता अनुसार ही' गुरु' उसके लिए उपवास व मन्त्र साधना निर्धारित करते हैं। बिना किसी निरिक्षण या वज़न घटाने के उद्देश्य से किए गए उपवास का शरीर पर विपरीत प्रभाव पड़ता है जो कि शरीर में असंतुलन पैदा करता है। किसी भी उपवास या साधना का परिणाम तभी फलित होता है जब वह वैराग्य भाव से किया जाता है। इसलिए किसी भी उपवास या साधना से पूर्व वैराग्य भाव अति आवश्यक है जो कि अष्टाँग योग और सनातन क्रिया के अभ्यास द्वारा सरलता से प्राप्त किया जा सकता है।

■ अश्विनी गुरुजी, ध्यान आश्रम

नवरात्रि में अलग-अलग प्रसाद से माता होंगी प्रसन्न

नवरात्रि का पर्व देवी शक्ति मां दुर्गा की उपासना का उत्सव है। नवरात्रि के नौ दिनों में देवी शक्ति के नौ अलग-अलग रूप की पूजा-आराधना की जाती है। एक वर्ष में चार बार नवरात्र आते हैं चैत्र, आषाढ़, माघ और शारदीय नवरात्र। इनमें चैत्र और अश्विन यानि शारदीय नवरात्रि को ही मुख्य माना गया है। इसके अलावा आषाढ़ और माघ गुप्त नवरात्रि होती है। अजमेर की प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि पंचांग के अनुसार, आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि का आरंभ 3 अक्टूबर की सुबह 12:19 मिनट से होगा और इसका समापन अगले दिन 4 अक्टूबर की सुबह 2:58 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, शारदीय नवरात्रि गुरुवार 3 अक्टूबर 2024 से आरंभ होंगी और इस पर्व का समापन शनिवार 12 अक्टूबर 2024 को होगा। शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की आराधना के लिए नवरात्रा सर्वोत्तम समय माना जाता है। भगवान राम ने नवरात्र में मां भगवती की आराधना से देवी को प्रसन्न कर विजयादशमी के दिन रावण का संहार किया था। ऐसे में माता के भक्त पूरे 9 दिनों तक माता की पूजा-अर्चना करके मां को प्रसन्न करना चाहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं इन नौ दिनों में हर दिन माता को अलग-अलग चीजों का भोग लगाने का विधान बताया गया है। नवरात्र की 9 देवियां अलग-अलग 9 शक्तियों का प्रतीक मानी जाती हैं। अगर आप भी इन नौ दिनों में माता को प्रसन्न करके अपनी हर मुराद झट से पूरी कर लेना चाहते हैं तो नवरात्रि में हर दिन के हिसाब से माता को लगाएं उनकी पसंद का भोग। ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा से जानते हैं किस दिन किस माता को लगाया जाता है किस चीज का भोग।

पहला दिन- मां शैलपुत्री

नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा होती है। मां शैलपुत्री को आरोग्य की देवी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यदि कोई व्यक्ति नवरात्रि के पहले दिन गाय के शुद्ध देसी घी का भोग माता को लगाता है तो मां शैलपुत्री की कृपा से व्यक्ति को निरोग और खुश रहने का वरदान मिलता है।

दूसरा दिन- मां ब्रह्मचारिणी

जो लोग मां ब्रह्मचारिणी से अपने लिए दीर्घायु का वरदान चाहते हैं उन्हें नवरात्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी को शक्कर का भोग लगाना चाहिए। मां ब्रह्मचारिणी को शक्कर का भोग लगाने से माना जाता है कि व्यक्ति को अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता।

तीसरा दिन- मां चंद्रघंटा

नवरात्र के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा को दूध और दूध से बनी चीज़ों का भोग लगाया जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति के जीवन के हर दुख समाप्त जाते हैं।

चौथा दिन- मां कूष्मांडा

नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा की जाती है। मां कूष्मांडा को मालपुए का भोग लगाने की परंपरा है। ऐसा भी कहा जाता है कि इस दिन ब्राह्मणों को मालपुए खिलाने चाहिए। ऐसा करने से बुद्धि का विकास होता है और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।

पांचवां दिन- मां स्कंदमाता

नवरात्र के पांचवे दिन स्कंदमाता की पूजा होती है। नवरात्र के पांचवें दिन मां स्कंदमाता को केले का भोग लगाया जाता है। स्कंदमाता की पूजा करने से आजीवन आरोग्य रहने का वरदान मिलता है।

छठां दिन- मां कात्यायनी

नवरात्र के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा होती है। मां कात्यायनी को शहद का भोग लगाने से आकर्षण का आशीर्वाद मिलता है।

सातवां दिन- मां कालरात्रि

नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजी की जाती है। इस दिन माता को गुड़ का भोग लगाया जाता है। माना जाता है कि गुड़ का भोग लगाने से आकस्मिक संकट से रक्षा होती है।

आठवां दिन- मां महागौरी

नवरात्रि के आठवें दिन महागौरी की पूजा की जाती है। इस दिन लोग कन्या पूजन भी करते हैं। इस दिन महागौरी की पूजा करते समय माता को नारियल का भोग लगाया जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से संतान से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं।

नौवां दिन- मां सिद्धिदात्री

नवरात्र के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है। इस दिन माता को तिल का भोग लगाते हैं। जिन लोगों को आकस्मिक मृत्यु का भय होता है वो मां सिद्धिदात्री की पूजा करते हैं।

■ ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा,अजमेर

कौन हैं शुंभ-निशुंभ का वध करने वाली देवी मां कौशिकी और कैसे हुई इनकी उत्पत्ति?

देवी माहात्म्य में कथा है कि शुंभ और निशुंभ नाम के दो राक्षस थे। उन्होंने कठोर तपस्या से यह वरदान प्राप्त किया था कि देव-दानव, पुरुष-पशु, नाग, किन्नर, गंधर्व और यक्ष कोई भी उन्हें मार नहीं सकते। उन्होंने अहंकार में यह सोचा ही नहीं कि उनका वध एक स्त्री भी कर सकती है। वरदान पाकर दोनों राक्षस अत्यधिक शक्तिशाली हो गए और संसार में उत्पात मचाने लगे। एक बार शुंभ और निशुंभ के सेनापतियों चंड-मुंड ने देवी कौशिकी (देवी दुर्गा का एक स्वरूप) को देखा तो उनकी सुंदरता पर मुग्ध हो गए। उन्होंने शुंभ और निशुंभ को देवी के सौंदर्य के बारे में बताया।

देवी की सुंदरता का वर्णन सुनकर शुंभ ने देवी कौशिकी को विवाह का प्रस्ताव भेजा। देवी ने उनसे यह शर्त रखी कि यदि वे युद्ध में देवी को हरा पाएंगे, तभी वह उससे विवाह करेंगी। इन असुरों ने सोचा कि कोई भी स्त्री उनके जितनी शक्तिशाली नहीं हो सकती और किसी अबला स्त्री के साथ युद्ध करना उनकी प्रतिष्ठा के विरुद्ध है, इसलिए उन्होंने अपने तीन सेनापतियों-धूम्रलोचन, चंड और मुंड को देवी से युद्ध करने के लिए भेज दिया।

इन तीनों असुरों ने देवी से युद्ध किया और मारे गए। देवी के पराक्रम से जब शुंभ और निशुंभ की सारी सेना नष्ट हो गई तो अंत में उन्हें युद्ध के लिए आना ही पड़ा और फिर देवी ने उनका भी वध कर डाला। इस प्रकार देवी ने सभी राक्षसों का अंत किया और संसार को उनके उत्पात से मुक्ति दिलाई। इस कहानी का एक गूढ़ अर्थ है। शुंभ 'आत्म-संदेह' और निशुंभ 'दूसरों पर संदेह का' प्रतीक है। जब कोई व्यक्ति अपने आप पर संदेह करता है, तो प्रायः वह दूसरों पर भी संदेह करने लगता है।

ऐसे व्यक्तियों से निपटना बहुत कठिन होता है। एक दिन एक दंपती हमसे मिलने आए। वे आश्रम से केवल 500 मीटर की दूरी पर रहते थे, लेकिन उन्हें आश्रम पहुंचने में कई घंटे लग गए। उन सज्जन को हर चीज में संदेह करने की समस्या थी। वे दरवाजा बंद करते थे, दस कदम चलते थे, फिर इस संदेह से कि शायद दरवाजा ठीक से बंद नहीं किया है, वापस उसे देखने जाते थे। उनका आत्म-संदेह उनके और उनकी पत्नी के जीवन में परेशानियां पैदा कर रहा था।

आत्म-संदेह और दूसरों पर संदेह से अक्सर मनोवैज्ञानिक समस्याएं उत्पन्न होती हैं। ऐसे ही यदि आपके बास को आप पर विश्वास नहीं हो तो आपको कैसा लगेगा? या फिर आपके बच्चे को परीक्षा से पहले आत्मविश्वास की कमी हो, तो इससे उसके परिणाम पर प्रभाव पड़ सकता है। आत्म-संदेह के वातावरण में कोई भी रचनात्मक गतिविधि नहीं हो सकती और जब आप दूसरों पर संदेह करते हैं तो कोई भी महत्वपूर्ण उपलब्धि नहीं हो सकती। संदेह आपके अच्छे गुणों और प्रबंधन की क्षमता को दबा देता है, जिससे आपके और आपके आसपास के लोगों के लिए दुख पैदा होता है।

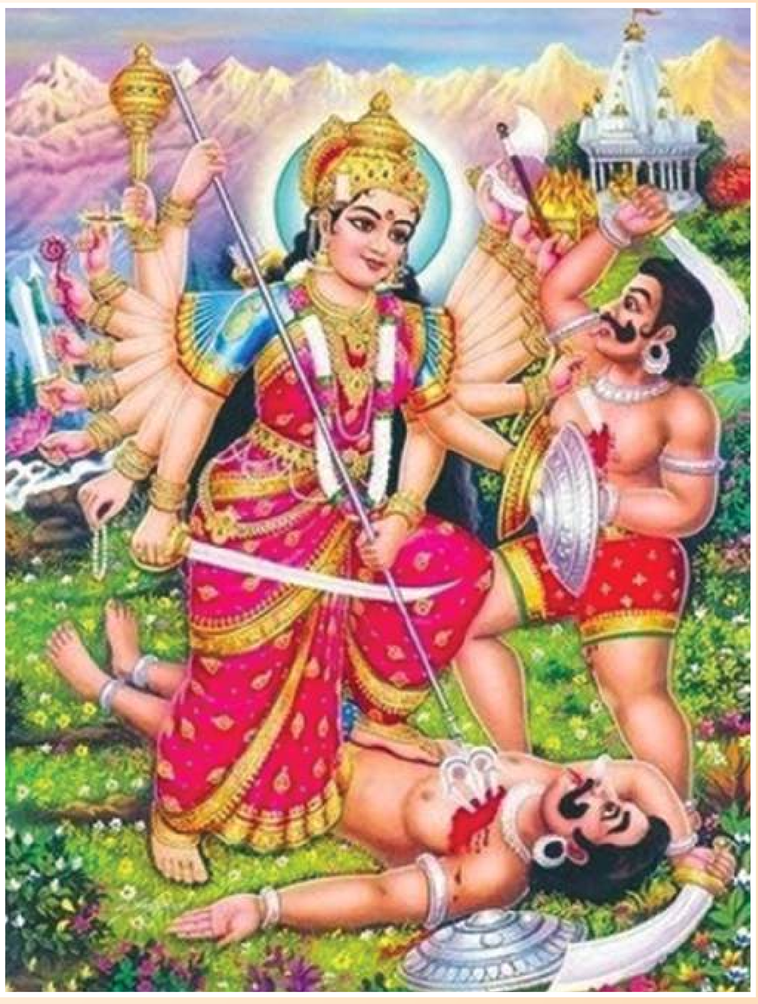

शुंभ और निशुंभ का एक सेनापति था-धूम्रलोचन! 'धूम्र' का अर्थ है धूम (धुएं) के रंग का और 'लोचन' का अर्थ है आंखें। धूम्रलोचन उस व्यक्ति का प्रतीक है, जिसकी दृष्टि धुएं की तरह धुंधली होती है। जब आप संदेह की मनोस्थिति में होते हैं और किसी ऐसे व्यक्ति से मिलते हैं, जिसकी धारणा गलत होती है तो वे आपके संदेह को मान्यता देकर उसे और मजबूत कर सकते हैं। चंड के पास केवल सिर था, लेकिन बाकी का शरीर नहीं था। चंड एक ऐसे अभिमानी व्यक्ति का प्रतीक है, जो किसी की नहीं सुनता। मुंड के पास केवल धड़ है, लेकिन कोई सिर नहीं है।

वह उस व्यक्ति का प्रतीक है, जो प्रभावी ढंग से संवाद नहीं कर सकता और बिना सोचे-समझे हर कार्य करता है। बिना सिर के वास्तविक संवाद नहीं हो सकता, सभी संवाद सिर के माध्यम से होते हैं। जब ज्ञान और कर्म अलग हो जाते हैं तो दोनों आपके भीतर आसुरी वृत्तियों को जन्म देते हैं। 'कौशिकी' का अर्थ है, वह जो हमारे हर कोश में विद्यमान हैं। हमारे पांच कोश हैं: अन्नमय कोश (भोजन), प्राणमय कोश (जीवनी शक्ति), मनोमय कोश (मन), विज्ञानमय कोश (ज्ञान) और आनंदमय कोश। देवी कौशिकी आनंद, सुंदरता, सत्य और ज्ञान की अवतार हैं, जो संदेह, धुंधली दृष्टि, अभिमान और बिना सोचे-समझे कृत्य करने की प्रवृत्ति का विनाश करती हैं।

जब आपकी कुंडलिनी शक्ति जाग्रत होती है तो सभी तरह के संदेह मिट जाते हैं, आपकी प्राणशक्ति बढ़ जाती है, आप सहज हो जाते हैं और विवेकपूर्ण कार्य करने में सक्षम हो जाते हैं। इसीलिए जब आप ध्यान करते हैं, सुदर्शन क्रिया करते हैं तो आपके भीतर प्राणशक्ति बढ़ जाती है, जिससे आत्म-संदेह या दूसरों पर संदेह की दुष्प्रवृत्ति समाप्त हो जाती है और आपका दृष्टिकोण धुंधला नहीं रह जाता। वह स्पष्ट हो जाता है। धूम्रलोचन हार जाता है और आपके भीतर अभिमान और बेतुके कार्य करने की वृत्ति समाप्त हो जाती है।

राजकुमार-तृप्ति की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का नया गाना मेरे महबूब जारी

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की अपकमिंग फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियोळ सुर्खियों में छाया हुआ है। इस फिल्म का नया गाना रिलीज हो गया है। म्यूजिक कंपोजर की जोड़ी सचिन-जिगर ने विक्की विद्या का वो वाला वीडियोळ से अपना शानदार गाना मेरे महबूबळ रिलीज किया। गाने के वीडियो में तृप्ति डिमरी और राजकुमार राव शानदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। यह गाना 90 के दशक की पृष्ठभूमि में बनाया गया है, जो फिल्म की पूरी थीम को दर्शाता है।हाल ही में हुए म्यूजिक लॉन्च इवेंट के दौरान, तेरे वास्तेळ फेम जोड़ी ने अपने क्रिएटिव प्रोसेस के बारे में बताया।

सचिन-जिगर इस गाने के बारे में कहते हैं, हम इस गाने के लिए 90 के दशक की कहानी कहने से प्रेरित थे। पूरी फिल्म में उन पुरानी यादों को ताजा किया गया है और हम चाहते थे कि मेरे महबूबळ उस भावना के साथ जुड़ सके। हम हमेशा विजु शाह और नदीम-श्रवण जैसे दिग्गजों को अपना आदर्श मानते हैं, जिन्होंने हमें प्रभावित किया है।

इस गाने को इसके कैचिंग बीट और पुराने जमाने पर आधारित पूरे सेटअप के लिए नेटिजेंस से काफी सराहना मिली है। यह गाना फिलहाल सभी म्यूजि?क स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। टी-सीरीज, बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले ड्रीम गर्लळ के निर्देशक राज शांडिल्य द्वारा निर्देशित विक्की विद्या का वो वाला वीडियोळ 11 अक्टूबर 2024 को रिलीज होगी।

तृप्ति डिमरी और राजकुमार राव की ये फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर आलिया भट्ट की जिगराळ से टकराएगी। जिगराळ का निर्देशन वासन बाला कर रहे हैं।राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के अलावा, कॉमेडी-ड्रामा में विजय राज, मल्लिका शेरावत, अर्चना पूरन सिंह, मुकेश तिवारी, अर्चना पटेल, राकेश बेदी, टिकू तलसानिया और अश्विनी कालसेकर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

विजय की आखिरी फिल्म थलापति 69 से आया बड़ा अपडेट

बॉलीवुड स्टार बॉबी देओल की हुई एंट्री

थलापति 69 साउथ सुपरस्टार विजय की आखिरी फिल्म हो सकती है इसीलिए फैंस इसे लेकर काफी एक्साइटेड हैं। इसी के साथ मेकर्स भी आए दिन फिल्म से नया अपडेट शेयर करते हुए फैंस की एक्साइटमेंट बरकरार रख रहे हैं। इसी बीच मेकर्स ने फिल्म की कास्ट रिवील की है। तो आइए जानते हैं थलापति की फिल्म में किस बॉलीवुड एक्टर ने एंट्री ली है।थलापति 69 के मेकर्स ने बड़ा अपडेट शेयर करते हुए बताया कि फिल्म में बॉबी देओल की एंट्री हो चुकी है। हालांकि उनका रोल क्या होगा अभी इस बारे में खुलासा नहीं हुआ है। केवीएन प्रोडक्शन ने हाल ही में एक धांसू पोस्टर शेयर किया जिसमें बॉबी देओल का फेस रिवील किया गया। पोस्टर के साथ मेकर्स ने कैप्शन लिखा- 100त्न ऑफिशियल, हम बहुत खुश और एक्साइटेड हैं अनाउंस करते हुए कि बॉबी देओल ने थलापति 69 की कास्ट जॉइन कर ली है।थलापति 69 में बॉबी देओल की एंट्री से फैंस काफी खुश हो गए हैं सबने कमेंट सेक्शन में अपनी खुशी जाहिर की। एक ने लिखा- वाह थलापति विजय और बॉबी देअ-ोल, स्क्रीन पर धमाका होगा। एक ने कमेंट किया- वाव बड़े पर्दे पर धमाका होगा। एक ने लिखा- थलापति का लुक कब सामने आएगा, अब इंतजार नहीं हो रहा। केवीएन प्रोडक्शंस ने थलापति 69 को प्रोड्यूस किया है जिसे तमिल, तेलुगु और हिंदी में रिलीज किया जाएगा। प्रोडक्शन हाउस ने हाल ही में फिल्म का पोस्टर भी रिलीज किया और टैगलाइन के साथ इसकी डिटेल की अनाउंसमेंट की। उन्होंने कैप्शन में लिखा- द टॉर्च बैरियर ऑफ डेमोक्रेसी। हमें यह अनाउंस करते हुए बहुत गर्व और एक्साइटमेंट हो रहा है कि हमारी पहली तमिल फिल्म थलपति 69 है, जिसका निर्देशन दूरदर्शी एच विनोथ ने किया है और म्यूजिक रॉकस्टार अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है। थलपति विजय के साथ कोलेब करके बहुत खुशी हुई। द टॉर्च बेरियर ऑफ डेमोक्रेसी अक्टूबर 2025 में आ रहे हैं।उनकी पॉलीटिकल पार्टी का नाम तमिलगा वेत्री कझगम है।वर्कफ्रंट की बात करें तो फिलहाल विजय अपनी हालिया रिलीज फिल्म गोट की सफलता का आनंद ले रहे हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार ओपनिंग की थी। वहीं घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने 200 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड 400 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री कर ली है। वहीं चर्चा है कि विजय थलापति 69 के बाद सिर्फ अपने पॉलीटिकल करियर पर फोकस करेंगे।

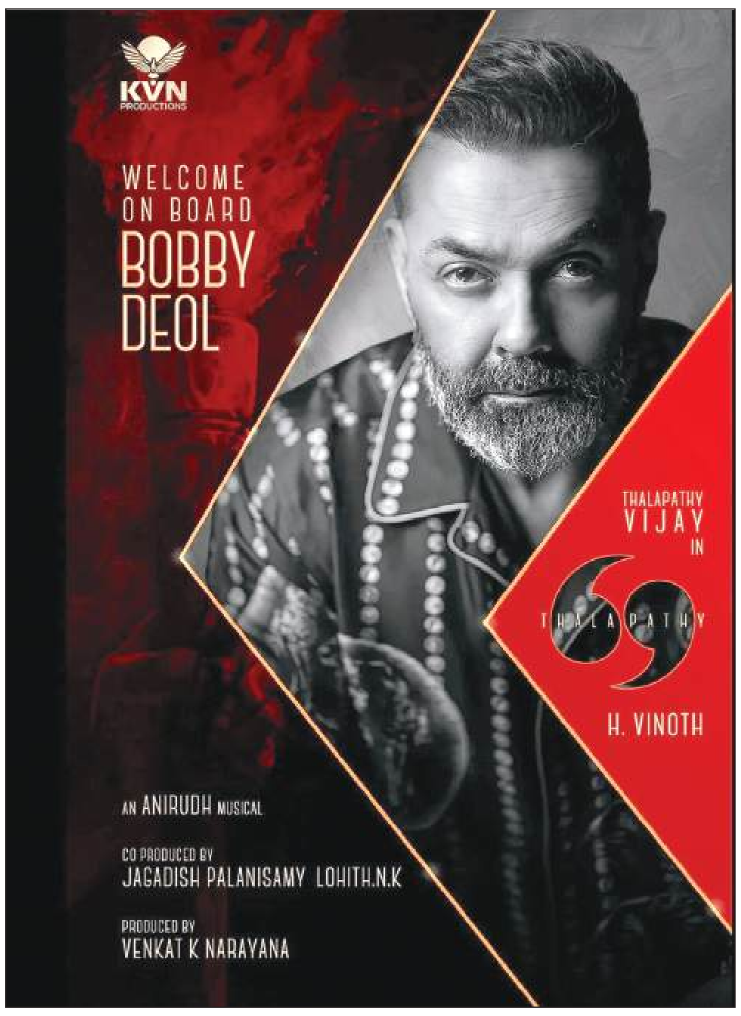

किरण अब्बावरम की फिल्म केए से प्रतिभाशाली अभिनेत्री तन्वी राम का पहला पोस्टर जारी

युवा और प्रतिभाशाली नायक किरण अब्बावरम बहुप्रतीक्षित पीरियड थ्रिलर केए में अभिनय कर रहे हैं। फिल्म में नयन सारिका और तन्वी राम प्रमुख अभिनेत्रियाँ हैं। श्रीमती चिंता वरलक्ष्मी द्वारा प्रस्तुत और श्रीचक्र एंटरटेनमेंट के बैनर तले चिंता गोपालकृष्ण रेड्डी द्वारा निर्मित, केए प्रभावशाली उत्पादन मूल्यों का दावा करता है। सुजीत और संदीप की जोड़ी द्वारा निर्देशित, यह फिल्म एक गाँव की पृष्ठभूमि पर आधारित है और एक एक्शन से भरपूर थ्रिलर का वादा करती है।केए जल्द ही तमिल, मलयालम, कन्नड़ और तेलुगु में रिलीज़ होगी। तेलुगु रिलीज़ को निर्माता वामसी नंदीपति द्वारा संभाला जाएगा, जबकि नायक दुलकर सलमान इसे अपनी वेफ़रर फ़िल्म्स के माध्यम से मलयालम में रिलीज़ करेंगे। हाल ही में, फिल्म केए से तन्वी राम के किरदार राधा का पहला लुक सामने आया है तन्वी राम, जिन्होंने पहले 2018 की ब्लॉकबस्टर फिल्म में अपने प्रदर्शन से दर्शकों को प्रभावित किया था, अपनी सुंदरता और अभिनय कौशल दोनों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं।

ध्रुव सरजा फिल्म मार्टिन का लव सॉन्ग अदनथेले रिलीज

कन्नड़ अभिनेता ध्रुव सरजा की बहुप्रतीक्षित फिल्म मार्टिन 11 अक्टूबर को रिलीज होने की पुष्टि हुई है, जिससे आगे की देरी की अफवाहों पर विराम लग गया है। फिल्म का पहला सिंगल, अधंथाले आज रिलीज हुआ, जिसमें ध्रुव और वैभवी शांडिल्य एक रोमांटिक युगल गीत में नजर आए। मणि शर्मा द्वारा रचित और इमरान सरदारिया द्वारा कोरियोग्राफ किया गया यह गाना देखने में बेहद खूबसूरत और मधुर है, जिसे शानदार लोकेशन पर फिल्माया गया है। हालांकि, उनके प्रयासों के बावजूद मुख्य जोड़ी के बीच केमिस्ट्री की कमी नजर आती है। एपी अर्जुन द्वारा निर्देशित मार्टिन, ध्रुव के चाचा, एक्शन किंग अर्जुन सरजा की कहानी पर आधारित है और काफी समय से निर्माण में है। फिल्म को शुरू में 2022 में रिलीज किया जाना था, लेकिन इसके निर्माण और पोस्ट-प्रोडक्शन में देरी हुई। हाल ही में, फिल्म ने वीएफएक्स वर्क कॉन्ट्रैक्ट के मुद्दों और निर्देशक अर्जुन पर भारी कमीशन लेने के आरोपों के कारण सुर्खियां बटोरीं, जिसका उन्होंने खंडन किया।चुनौतियों के बावजूद, टीम 11 अक्टूबर को मार्टिन को रिलीज़ करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो रजनीकांत की वेट्टैयान के साथ बॉक्स ऑफिस पर टकराव की स्थिति पैदा करेगी। फिल्म में निकितिन धीर और अन्वेषी जैन भी हैं और इसे उदय के मेहता ने प्रोड्यूस किया है। इसकी रिलीज़ की तारीख की पुष्टि के साथ, प्रशंसक एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव की उम्मीद कर सकते हैं।बड़े पर्दे पर मार्टिन की यात्रा लंबी और चुनौतीपूर्ण रही है, लेकिन टीम की दृढ़ता ने भुगतान किया है। अपने शानदार दृश्यों और मधुर साउंडट्रैक के साथ, फिल्म दर्शकों को लुभाने की उम्मीद है। ध्रुव सरजा की अगली बड़ी परियोजना के रूप में, मार्टिन ने महत्व-पूर्ण चर्चा पैदा की है, और कन्नड़ फिल्म उद्योग में इसकी रिलीज़ का बहुत इंतज़ार किया जा रहा है।

रजनीकांत की वेट्टैयन का धांसू ट्रेलर रिलीज
मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने आया थलाइवा

रजनीकांत और टीजे ग्रानवेल का एक्शन ड्रामा वेट्टैयन बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए तैयार है. यह फिल्म 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. रिलीज से एक सप्ताह पहले मेकर्स ने वेट्टैयन का ट्रेलर जारी किया है, जो काफी धांसू है. रजनीकांत का दमदार परफॉर्मेंस ने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है.बुधवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए रजनीकांत की फिल्म वेट्टैयन का धांसू ट्रेलर रिलीज किया है. वेट्टैयन का ट्रेलर तमिल, तेलुगू, हिंदी और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज किया है. फिल्म का ट्रेलर काफी दमदार है.2.39 मिनट के ट्रेलर में एक मिस्ट्री मर्डर दिखाई गई है, जिसे लेकर जनता काफी आक्रोश होती है. इस केस को लेकर जनता सड़क पर उतर आती है और जोर से नारेबाजी करती है।

नाराज जनता पुलिस की गाडिय़ों पर पथराव भी करती है. इस बीच अमिताभ बच्चन, जो एक हाई ऑफिसर की भूमिका में नजर आते है, राणा दग्गुबाती समेत कई कलाकारों की झलक दिखाई जाती है. इस बीच मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने के लिए रजनीकांत की एक पुलिस ऑफिसर के तौर पर धांसू एंट्री होती है, जो दुश्मनों से फाइट करते हुए दिखाई देते हैं.टीजे ग्रानवेल की निर्देशित फिल्म वेट्टैयन रजनीकांत की 170वीं फिल्म भी है।

इस फिल्म की शूटिंग चेन्नई के अलावा हैदराबाद, मुंबई और तिरुवनंतपुरम समेत भारत के कई खूबसूरत जगहों पर की गई है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म को 160 करोड़ रुपये के अनुमानित बजट के साथ बनाया गया है. यह फिल्म इस साल की सबसे बड़ी रिलीज में से एक होने वाली है.फिल्म में रजनीकांत के साथ बॉलीवुड के मेगास्टार अमिताभ बच्चन भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

अवनीत कौर ने रिवीलिंग आउटफिट पहन दिए किलर पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका किलर अवतार इंटरनेट पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कर एक बार फिर से फैंस के बीच लाइमलाइट लूट ली है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।अवनीत कौर ने एक बार फिर अपने बोल्ड लुक से सभी को चौंका दिया है। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह एक नेटेड व्हाइट गाउन में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। ग्लोइंग मेकअप और खास अंदाज में बंधे बालों के साथ उनका यह लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है।अपने इस बोल्ड अवतार में अवनीत ने कई किलर पोज दिए हैं, जिससे उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। सोशल मीडिया पर उनकी इन तस्वीरों को खूब शेयर किया जा रहा है और लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।अवनीत कौर एक जानी-मानी टीवी एक्ट्रेस और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। वह अपने बोल्ड और स्टाइलिश लुक के लिए जानी जाती हैं।

एक्ट्रेस अवनीत कौर हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस अक्सर अपने होश खो बैठते हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है। उनके इंस्टाग्राम पर लाखों फॉलोअर्स हैं, जो उनकी हर एक पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करते हैं।

अवनीत कौर ने फिल्म लव इन वियतनाम का पहला शेड्यूल पूरा किया

अभिनेत्री अवनीत कौर ने अपनी फिल्म लव इन वियतनाम का पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है। यह उनकी अंतर्राष्ट्रीय फिल्म है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी होने के बाद सेट से कुछ तस्वीरें साझा की।इंस्टाग्राम पर अवनीत के 31.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने अपने कलाकारों और क्रू के सदस्यों के साथ तस्वीरों की एक श्रृंखला और खूबसूरत वियतनाम की कुछ झलकियां शेयर की।उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, और यह लव इन वियतनाम (गुलाबी दिल वाली इमोजी के साथ) के पहले शेड्यूल का रैप है। जल्द ही सिनेमाघरों में आ रहा है (क्लैप-बोर्ड इमोजी के साथ)। मुझे इस अंतर्राष्ट्रीय परियोजना और भारत-वियतनाम के सहयोग से बन रही पहली फिल्म का हिस्सा बनने पर बहुत गर्व है। अगले साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में मिलते हैं।पोस्ट में, अभिनेत्री कौर एक क्लैपरबोर्ड पकड़े हुए दिखाई दे रही हैं, जिसके चारों ओर कुछ ऐसी तस्वीरें हैं जो उनकी जिंदादिली को दर्शाती हैं। वियतनाम की खूबसूरती इनमें साफ छलक रही है और अवनीत क्रू के साथ बेहद खुश नजर आ रही हैं।अवनीत के लुक की फैंस ने प्रशंसा की है। एक फैन ने लिखा, हम सभी को बहुत-बहुत बधाई। हम बहुत खुश हैं कि आप इस ऐतिहासिक परियोजना का हिस्सा हैं। और केवल कान्स ही नहीं... हम अगले साल दुनिया को हिलाकर रख देंगे। एक अन्य यूजर ने लिखा, आपको टीवी स्क्रीन पर देखने से लेकर कान्स फ्लोर पर आपको देखना मेरे लिए वास्तव में गर्व की बात है!!! मैं आपके लिए बहुत बहुत बहुत खुश हूं अवु दीदी!!! मेरी तरफ से ढेर सारा प्यार और सम्मान। लव इन वियतनाम फिल्म बेस्टसेलर मैडोना इन ए फर कोट पर आधारित है, फिल्म में शांतनु और वियतनामी अभिनेत्री खा नगन भी हैं, निर्देशन राहत शाह काज़मी ने किया है और इसका निर्माण ओमंग कुमार ने किया है। अवनीत ने साल 2010 में जी टीवी के डांस शो डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स से मनोरंजन की दुनिया में कदम रखा था। उन्होंने 2012 में लाइफ ओके के शो मेरी मां से एक्टिंग में डेब्यू किया।इसके बाद अभिनेत्री सब टीवी के टेढ़े हैं पर तेरे मेरे हैं में नजर आईं। उन्होंने तारे जमीन पर फेम अभिनेता दर्शील सफारी के साथ सेलिब्रिटी डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 5 में भी हिस्सा लिया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मौज–मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। पारिवारिक समारोह और महत्वपूर्ण अवसरों के लिए अच्छा दिन है। नये रोमांस की संभावना प्रबल है, प्रेम का फूल आपकी ज़िन्दगी में जल्दी ही खिल सकता है। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप पिछले कुछ वक़्त से झुंझलाहट महसस कर रहें हैं तो आपको याद रखना चाहिए कि सही कर्म और विचार आज आपके लिए बहुप्रतीक्षित राहत लेकर आएंगे। वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। नए विचारों और आइडिया को जाँचने का बेहतरीन वक़्त।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहें। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं। लेकिन बाद में आपको महसूस होगा कि जो हुआ, अच्छे के लिए ही हुआ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। समस्याओं को दिमाग़ से बाहर खदेड़ दें और घर व दोस्तों के बीच अपनी स्थिति सुधारने के बारे में सोचें। अपनी व्यक्तिगत भावनाएं और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। सेमिनार और प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और तथ्य मुहैया कराएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बच्चे आपके मुताबिक़ नहीं चलेंगे, जो आपके झुंझलाहट की वजह बन सकता है। आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने–समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। समस्याओं को दिमाग़ से बाहर खदेड़ दें और घर व दोस्तों के बीच अपनी स्थिति सुधारने के बारे में सोचें। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आप ऐसी योजनाओं को अमली जामा पहनाने की स्थिति में होंगे, जो कई लोगों को प्रभावित करेंगी। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पुराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। संदिग्ध आर्थिक लेन–देन में फँसने से सावधान रहें। बच्चे की तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। अपने प्रिय को नज़रअंदाज़ करना घर पर तनाव का कारण बन सकता है। कड़ी मेहनत और पर्याप्त कोशिश अच्छा फल देगी। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। जीवनसाथी के कारण कुछ नुक़सान हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर पर काम करते समय ख़ास सावधानी बरतें। घरेलू चीज़ों को लापरवाही से इस्तेमाल करना आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। वक़्त की नाज़ाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक़्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। बच्चों के साथ ज़्यादा सख़्ती उन्हें नाराज़ कर सकती है। ख़ुद को नियंत्रित रखने और यह याद रखने की ज़रूरत है कि ऐसा करने से आप अपने और उनके बीच दीवार खड़ी कर लेंगे। आपमें बहुत–कुछ हासिल करने की क्षमता है– इसलिए अपने रास्ते में आने वाले सभी मौक़ों को झट–से दबोच लें। आप ख़ुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफ़ी खाली समय मिलने की संभावना है।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 04 अक्टूबर 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया रात्रि 05:33 तक
नक्षत्र : चित्रा सायं 06:38 तक
योग : वैधृति रात्रि 05:20 तक
करण : बालव सायं 04:18 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:02 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:07 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 05:59 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 05:54 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : ब्रह्मचारिणी पूजनम् , चन्द्रदर्शन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा के चुनावी रण में गूंजी सीएम योगी आदित्यनाथ की हुंकार

कांग्रेस और राहुल से पूछिए, कहां है खटाखट-खटाखट?

सीएम योगी ने लगाया आरोप कांग्रेस का हाथ,माफिया के साथ

कुरुक्षेत्र/कैथल/जींद, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने झूठ फैलाया था कि फिर से भाजपा सरकार बनी तो संविधान व आरक्षण समाप्त कर देगी। उन्होंने यह भी कहा था कि हर गरीब को एक लाख रुपये देंगे। कांग्रेस से पूछिए कि उनका खटाखट–खटाखट कहां है। खटाखट–खटाखट कहने वाले राहुल गांधी मैदान छोड़कर सफाचट हो चुके हैं। कांग्रेस ने खटाखट के जरिए केवल झूठे वायदे किए, क्योंकि इन्होंने देश को सफाचट किया था। समाज को जाति, क्षेत्र, भाषा, मत–मजहब के नाम पर बांटना कांग्रेस के डीएनए का पार्ट है, जिससे देश को कमजोर किया जा सके। देश कमजोर होगा तो सनातन कमजोर होगा। सनातन कमजोर होगा तो वर्तमान असुरक्षित और भावी पीढ़ी का भविष्य खराब होगा। कांग्रेस साजिश करने के लिए एड़ी–चोटी लगाती है, इसलिए कोई भी ईमानदार, सभ्य, विकास व सुरक्षा का आग्रही व्यक्ति उनके साथ खड़ा नहीं होता है।

सीएम योगी प्रचार के आखिरी दिन गुरुवार को हरियाणा के चुनावी रण में उतरे। सभी को शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने यहां तीन जनसभा की। शाहबाद से भाजपा उम्मीदवार सुभाष कलसाना, कलायत से विधायक व प्रत्याशी कमलेश ढांडा और सफीदों से रामकुमार गौतम के लिए वोट मांगा। सीएम योगी ने कुरुक्षेत्र की पावन धरती की महत्ता बताते हुए इसे युद्ध क्षेत्र होने के साथ धर्म क्षेत्र भी कहा।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस का हाथ ड्रग, भूमाफिया, कैटल, माइनिंग माफिया और दंगाइयों के साथ है। जगत जननी मां भगवती के उपासक समाज का माफिया व देशद्रोही तत्व बाल बांका भी नहीं कर सकते। यह चुनाव ऐसे चंड–मुंड व महिषासुर से निपटने के लिए आया है। सीएम योगी ने कहा यूपी में साढ़े सात साल में दंगा नहीं हुआ, लेकिन इसके पहले हर दूसरे–तीसरे दिन दंगा होता था। महीनों कर्फ्यू लगा रहता था। हमने दंगा करने और करवाने वालों को चेताया कि ऐसा किया तो उल्टा टांगकर मिर्च का झोंका लगा देंगे। कोई बेटी की इज्जत के साथ खिलवाड़ या व्यापारी का अपहरण नहीं कर सकता। किसान की फसल जबरन नहीं काट सकता, नौजवान की नौकरी के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता, क्योंकि ऐसा करने वालों की सात पीढ़ियों की पूरी संपत्ति लेकर गरीबों में वितरित कर दी जाती है। माफिया का उपचार केवल भाजपा है।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस शासन में 14 वर्ष पहले मिर्चपुर में दलित बेटी व पिता को एक साथ जला दिया गया था। जब तक समाज बेटी–बहनों के सम्मान की रक्षा नहीं करेगा, तब तक समाज का भविष्य उज्ज्वल नहीं हो सकता। यूपी में अब कोई भारत–समाज विरोधी गतिविधियों में लिप्त तत्व सिर उठाकर नहीं चल सकता। यूपी सरकार दुर्जनों से ठीक से निपटने के लिए भी जानी जाती है। सीएम योगी ने कहा कि कैथल, कलायत से लाखों श्रद्धालु कांवड़ यात्रा के लिए यूपी आते हैं। 2017 के पहले जब तक भाजपा सरकार नहीं थी, वहां कांवड़ यात्रा नहीं निकल पाती थी। जब मेरी सरकार आई तो पूछा। बताया गया कि इससे कुछ लोगों को परेशानी होती है। मैंने कहा कि ऐसे लोग घरों में रहें। बाहर निकलने की क्या जरूरत है, लेकिन कांवड़ यात्रियों के मार्ग में बाधा आई तो कठोरता से कार्रवाई होगी। वहां अच्छी सड़क, बिजली, पंडाल, भंडारे व गर्म पानी व सम्मान की रक्षा होनी चाहिए। कुछ लोगों को डीजे, घंटा–घड़ियाल व शंख से परेशानी होती है। मैंने कहा कि जिन्हें परेशानी है, वे कान बंद कर लें, लेकिन यूपी में धूम धड़ाके से कांवड़ यात्रा निकलेगी। माइक उन स्थलों के बंद होंगे, जहां से चिल्लाहट होती है। प्रतिवर्ष चार करोड़ से अधिक यात्री दुग्धेश्वर नाथ मंदिर गाजियाबाद से हरिद्वार जाते हैं। मैं खुद पुष्पवर्षा करता हूं, लेकिन यह कार्य कांग्रेस, इनेलो व आम आदमी पार्टी नहीं कर सकती।

सीएम योगी ने कहा कि युद्ध का मैदान हो या खेल का, हरियाणा के जवानों के सामने दुश्मन ठहर नहीं सकता। यहां का खिलाड़ी ओलंपिक, एशियाड व कॉमनवेल्थ में सर्वाधिक मेडल लेकर आता है। जब तक डबल इंजन सरकार रहेगी, हरियाणा के विकास में कोई ग्रहण नहीं लगा सकता। सीएम योगी ने विश्वास जताया कि जम्मू–कश्मीर में भी भाजपा सरकार बनेगी। कांग्रेस झूठे वादे करती है तो भाजपा सुशासन, विकास, विरासत का सम्मान, गरीब कल्याण योजना चलाती है।

सीएम योगी ने कहा कि 22 जनवरी 2024 को पीएम नरेंद्र मोदी के करकमलों से प्रभु श्रीरामलला अपनी पावन जन्मभूमि अयोध्या पर विराजमान हो रहे थे तो हर भारतीय की आंखों में खुशियों के आंसू थे। हर सच्चे भारतीय ने अपने घरों में दीप जलाकर खुशियां मनाई थीं। रामलला का विराजमान होना शोषित, पीड़ित, दलित जातियों, वंचितों के लिए संदेश था कि सभी ताकतें एकजुट होकर कार्य करें तो हर हाल में सफलता मिलेगी। अयोध्या में सफलता का राज न्यायपालिका और डबल इंजन सरकार की ताकत का अहसास है।

सीएम योगी ने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी पीएम बने, 2017 में यूपी में डबल इंजन सरकार बनी तो 2019 में 500 वर्ष की समस्या का समाधान हो गया। आज अयोध्या में गुलामी का कोई ढांचा नहीं है। अयोध्या सुरक्षा, समृद्धि का नया अहसास करा रही है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण और जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद की प्रतीक बन चुकी धारा–370 का दफन हो जाना डबल इंजन की सरकार की ताकत का उदाहरण है। दस वर्ष में हरियाणा ने भी विकास के नए सोपान गढ़े हैं।

सीएम योगी ने कहा कि नशे के कारोबारी युवाओं की जवानी को छीन रहे हैं। वे देश को निगल जाना चाहते हैं। जगत जननी मां भगवती नशे के कारोबार में लिप्त महिषासुर और चंडमुंड का संहार करेंगी। सीएम योगी ने कहा कि हरिभूमि हरियाणा अन्नदाता किसानों के परिश्रम की पावन भूमि है। हरि यानी श्रीराम, श्रीविष्णु, श्रीकृष्ण। इन्हें बार–बार इस धरती पर बुलाने के लिए इसका नाम हरियाणा हो गया है। इसका मतलब जब–जब अत्याचार होंगे, इनके उन्मूलन के लिए हरि को बार–बार आना है। डबल इंजन सरकार हरि के संदेश को लेकर आई है। सीएम योगी ने कहा कि जब देश गुलाम था तो मुगल व अंग्रेज नहीं चाहते थे। आजाद भारत की पहली सरकार कांग्रेस की बनी, लेकिन कांग्रेस ने राम मंदिर निर्माण नहीं कराया। एक तरफ राम की संस्कृति और दूसरी तरफ रोम की संस्कृति को मानने वाले लोग हैं। हम रामभक्त राम की संस्कृति पर विश्वास करते हैं, जिन्हें रामजन्मभूमि पर प्रभु के विराजमान होने का कार्यक्रम अच्छा नहीं लगता, वे रोम की संस्कृति पर विश्वास करते हैं। राम–कृष्ण के कीर्तन को वे नाचगाना कहते हैं। भगवान राम के प्रति कांग्रेस के शब्द उसके भ्रष्ट होने का सबसे बड़ा प्रमाण है।

हरियाणा के लोग करते हैं योगी से प्यारः जिंदल

कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल ने जनसभा में कहा कि यूपी की जनता से अधिक हरियाणा के लोग योगी जी से प्यार करते हैं। इस पर पूरा प्रांगण योगी–योगी की गूंज से गुंजायमान हो गया। नवीन जिंदल ने कहा कि चार महीने पहले लोकसभा चुनाव में कुरुक्षेत्र आकर मेरे लिए प्रचार किया। मेरी जीत योगी जी के कारण हुई। योगी आदित्यनाथ को अपने बीच पाकर हरियाणा का आमजन प्रफुल्लित व उत्साहित दिखा। शाहबाद में पहली जनसभा में संबोधन के उपरांत सीएम योगी के सामने गीत बजता रहा, आ रहे भगवाधारी, अब है मथुरा की बारी।

नवरात्रि प्रारंभ होने के साथ ही 10 दिवसीय लखखी मेला प्रारंभ

अलवर, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। नवरात्रि प्रारंभ होने के साथ ही राजस्थान के अलवर में करणी माता मंदिर में लखखी मेला गुरुवार से शुरू हो गया, हालांकि घट स्थापना के बाद मंदिर जाने वाले भक्तों की भीड़ कम थी, लेकिन भक्तों की संख्या लगातार बढ़ने की संभावना है।

मेले को लेकर जिला प्रशासन द्वारा विशेष प्रबंध किये गये हैं। सरिस्का के बफर कोर एरिया में आने के बाद इस पर कुछ प्रतिबंध लगाये गये हैं। वन्यजीवों के कारण भक्तों को सुबह पांच से शाम छह बजे तक प्रवेश दिया गया है। प्लास्टिक पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है और जिला प्रशासन द्वारा कैमरे से निगरानी की जा रही है। करीब 150 पुलिस कर्मी, चिकित्सा संबंधी टीम और मेला मजिस्ट्रेट तैनात किये गये हैं।करणी माता का यह मेला 12 अक्टूबर तक भरेगा। मेले के दौरान करणी माता मंदिर के प्रताप बंध स्थित मुख्य द्वार से और मंदिर तक जाने का करीब सात किलोमीटर का क्षतिग्रस्त मार्ग सही किया गया है। मेले में डीजे लाउडस्पीकर पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा प्लास्टिक के गिलास जैसी वस्तुओं पर भी प्रतिबंध है। मेले में आने वाले भक्तों की सुरक्षा के लिये प्रताप बंध गेट, जयपोल गेट, करणी माता मंदिर ,बाला किला ,चक्रधारी हनुमान मंदिर, कृष्ण कुंड गेट पर पुलिसकर्मी और वन तैनात किये गये हैं, जो रात्रि आठ बजे तक सेवा देंगे। मंदिर के महंत ने बताया कि यह मेला 12 अक्टूबर तक भरेगा और से आज वन मंत्री संजय शर्मा घट स्थापना कर इस मेले की शुरुआत की।

दादरी में सीएम नायब सैनी ने कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा

सूत है न कपास, लट्ठम–लट्ठा हो रै कांग्रेसी, हुड्डा से मांगा जवाब

उचाना कलां में बोले– आठ अक्टूबर को फिर से भाजपा आ रही है

चंडीगढ़, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। दादरी में आयोजित रैली में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस नेताओं पर जमकर निशाना साधा। तंज कसते हुए कहा कि अभी तो कांग्रेस की सरकार भी नहीं बनी और अभी से पार्टी के नेता हिस्से बांटने लगे। कांग्रेसियों के पास सूत है न कपास और वो लट्ठम–लठा हो रै सै। नायब सिंह सैनी ने दादरी हलके से भाजपा प्रत्याशी सुनील सांगवान की जनसभा में पहुंचे लोगों को 17 मिनट संबोधित किया। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि 5 को एक–एक वोट कमल के निशान पर डाल देना, 8 को कांग्रेस नेता रोहतक पीजीआई के आईसीयू में भर्ती मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा व सांसद दीपेंद्र हुड्डा पर तंज कसते हुए कहा कि बापू–बेटा प्रदेश में जाकर हिसाब मांग रहे है। उनके इस आचरण पर सैनी ने शायरी सुनाते हुए कहा कि– दिल में कसक, चेहरे पर नकाब लिए फिरते हैं...जिनके खुद के बही–खाते खराब हैं, वो हमारा हिसाब लेने के लिए फिरते हैं। नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस के नेता झांसा देने और झूठ बोलने में माहिर हैं। उनके बहकावे में नहीं आना है और 5 अक्तूबर को कमल के निशान पर वोट डालकर 8 अक्तूबर को भाजपा को जिताना है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि मैंने भूपेंद्र हुड्डा से 10 सवाल पूछे थे और एक का भी जवाब नहीं मिला। आज दादरी की सरदारी के बीच खड़ा होकर एक और सवाल पूछता हूं। भूपेंद्र हुड्डा बताए कि ये तुषार कौन है जिसकी दीपेंद्र हुड्डा व उदयभान के साथ फोटो है। इसके बाद कहा कि मैं बता दूं ईडी ने तुषार को पकड़ा है और उसने 5000 करोड़ की ड्रग सप्लाई कर युवाओं का भविष्य बर्बाद किया है।

इससे पहले नायब सिंह ने उचाना कलां विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) प्रत्याशी देवेंद्र अत्री के समर्थन में आयोजित जन आशीर्वाद रैली में कहा कि आठ अक्टूबर को भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) फिर से आ रही है। श्री सैनी ने कहा कि आज बहुत पवित्र दिन है, क्योंकि आज मां के नवरात्रे शुरू हो चुके हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों को नवरात्रों की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा की चुनाव अंतिम चरण में है, आज चुनाव प्रचार थम जाएगा। उन्होने जनता से अपील करते हुए कहा की सभी अपने परिवार सहित पांच अक्तूबर को अपने बूथ पर जाकर कमल का बटन दबाएं। उसके बाद पूरे परिवार की सेल्फी लेकर उसको मीडिया और सोशल मीडिया पर डालने का काम करें। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को भाजपा के किए हुए विकास कार्य नजर नहीं आते। उन्होंने कहा कि मुझे सिर्फ काम करने के लिए 56 दिन का कार्यकाल मिला है, जिसमें हमने ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर भाजपा अपने 10 सालों के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों को गिनवाने लगे तो कांग्रेस वाले अपना होश को बैठेंगे।

विद्यार्थी अर्जित ज्ञान और शिक्षा का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें : बागडे

उदयपुर, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने दीक्षांत समारोह को विद्यार्थी जीवन का अनमोल पर्व बताते हुए कहा है कि विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में सीखे हुए ज्ञान का उपयोग राष्ट्र के विकास और समृद्धि में करना चाहिए। श्री बागडे गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु एवं पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया की मौजूदगी में यहां मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के 32वें दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने समारोह में पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई देते हुए कहा कि दीक्षांत विद्यार्थी जीवन का अनमोल पर्व है। विद्यार्थी विश्वविद्यालय में सीखे हुए ज्ञान का उपयोग राष्ट्र के विकास और समृद्धि में करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी ऐसा काम करें जिससे उनकी पहचान बन जाए, हर कदम ऐसा रखें कि निशान बन जाए और जिंदगी ऐसी जिएं कि मिसाल बन जाए।

श्री बागडे ने नई शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए कहा कि उसे अपने जीवन में लागू करें। विद्यार्थी का इससे चहूंमुखी विकास संभव है।

ऐसा कोई बचा नहीं जिसे कांग्रेस ने ठगा नहीं :अनुराग

पंचकूला, 03 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री व भारतीय जनता पाटी सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने गुरूवार कांग्रेस को किसान विरोधी पार्टी बताते हुए कहा कि ऐसा कोई बचा नहीं जिसे कांग्रेस ने ठगा नहीं। श्री ठाकुर ने नवरात्रि के पहले दिन पंचकूला पहुंचकर माता मनसा देवी के दर्शन किए। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि चुनाव के समय झूठ बोलकर कांग्रेस ने हिमाचल में भी मतदाताओं को ठगने का काम किया है। कांग्रेस पार्टी ने हिमाचल प्रदेश में 10 गारंटी दी और सरकार बना ली, लेकिन कांग्रेस एक भी गारंटी को पूरा नहीं कर पाई है। कांग्रेस ने कहा था कि हम किसानों से दो रुपये किलो गोबर और 100 रुपये लीटर दूध खरीदेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अभी तक न तो एक लीटर दूध खरीदा और न ही गोबर। उन्होंने कहा बिजली, पानी मुफ्त देने का दावा कर सत्ता में आई कांग्रेस ने उलटा बिजली और पानी पर सैस लगाकर महंगा कर दिया। हिमाचल प्रदेश की 23 लाख महिलाएं आज भी 1500 रुपये का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने झूठे फार्म भरवाए थे जो कांग्रेस ने सरकार बनते ही कूड़ेदान में फेंक दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे ही फार्म कांग्रेस के कार्यकर्ता हरियाणा में भरवाकर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं।श्री ठाकुर ने किसानों के मामले में कांग्रेस नेताओं को घेरते हुए कहा कि मैं राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और भूपेंद्र सिंह हुड्डा से पूछता हूं कि जब वे हरियाणा में सत्ता में थे, तो उन्होंने स्वामीनाथन समिति की रिपोर्ट और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) गारंटी क्यों लागू नहीं की।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

बिहार के पूर्व मंत्री की हत्या मामले में पूर्व विधायक समेत दो को आजीवन कारावास

नई दिल्ली/पटना(एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बिहार के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की 1998 में हुई हत्या के मामले में सजा का एलान किया। कोर्ट ने पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला समेत दो लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जस्टिस संजीव खन्ना, संजय कुमार और आर महादेवन की पीठ ने सभी आरोपियों को बरी करने के पटना हाईकोर्ट के फैसले को आंशिक रूप से खारिज कर दिया।

कोर्ट ने दोषियों मंटू तिवारी और पूर्व विधायक शुक्ला को 15 दिनों के भीतर आत्मसमर्पण करने को कहा।

हालांकि, शीर्ष कोर्ट ने पूर्व सांसद सूरजभान सिंह समेत छह अन्य आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार उन्हें बरी करने के फैसले को बरकरार रखा। पीठ ने कहा कि मंटू और विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और 307 (हत्या का प्रयास) के तहत आरोप साबित होते। उन्हें 15 दिनों के अंदर आत्मसमर्पण करना होगा।

इससे पहले 24 जुलाई 2014 को हाईकोर्ट ने कहा था कि अभियोजन पक्ष के सबूतों और गवाहों को मद्देनजर रखते हुए सूरजभान सिंह उर्फ सूरज सिंह, मुकेश सिंह, लल्लन सिंह, मंटू तिवारी, कैप्टन सुनील सिंह, राम निरंजन चौधरी, शशि कुमार राय, मुन्ना शुक्ला और राजन तिवारी संदेह का लाभ पाने के हकदार हैं। कोर्ट ने निचली अदालत के 12 अगस्त 2009 के उस आदेश को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्हें दोषी ठहराया गया था और सभी आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व सांसद और बृज बिहारी प्रसाद की पत्नी रमा देवी, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने साक्ष्य के अभाव में आरोपियों को बरी करने के फैसले को चुनौती दी थी। उन्होंने कोर्ट में 2014 के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

उच्चतम न्यायालय ने 1998 में हुई बिहार के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की हत्या के मामले में पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला सहित दो आरोपियों को दोषी ठहराया। इसके साथ ही कोर्ट ने मुन्ना शुक्ला सहित दो लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने मामले में पटना हाईकोर्ट के आदेश को आंशिक रूप से निरस्त कर दिया। कोर्ट ने दोषियों मंटू तिवारी तथा पूर्व विधायक शुक्ला को 15 दिनों के भीतर आत्मसमर्पण करने को कहा। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सांसद सूरजभान सिंह और अन्य को संदेह का लाभ देते हुए उन्हें बरी करने के फैसले को बरकरार रखा।

सहरसा में बाढ़ पीड़ितों ने राहत और प्लास्टिक शीट के लिए सड़क जाम किया

टायर जलाकर विरोध जताया

कोसी (एजेंसियां)। सहरसा जिले के महिषी प्रखंड क्षेत्र के गंडौल बघवा में बाढ़ पीड़ितों ने राहत और प्लास्टिक शीट के लिए गुरुवार को सहरसा-दरभंगा मुख्य मार्ग को जाम कर प्रशासन के विरुद्ध जमकर प्रदर्शन किया। लोगों ने कहा कि बीते कई दिनों से वह लोग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। लेकिन प्रशासन की तरफ से कोई राहत तक नहीं मिला है।

लोगों के मुताबिक, प्लास्टिक शीट भी नहीं मिलने के कारण खुले आसमन के नीचे जिंदगी गुजारने को मजबूर हैं। सूचना मिलते ही महिषी सीओ अनिल कुमार, जलई ओपी अध्यक्ष ममता कुमारी मौके पर पहुंच कर लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। सीओ ने कहा कि राहत शिविर में सामुदायिक किचेन चल रहा है। प्लास्टिक शीट की थोड़ी सी शॉर्टेज है। जिला प्रशासन को अवगत करा दिया गया है। जैसे ही उपलब्ध होगा सभी को दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आपदा के समय सड़क जाम करना उचित नहीं है। वहीं, लोगों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि अंचल प्रशासन ने जो प्लास्टिक शीट भेजी थी, वह कुछ स्थानीय छुटभैये नेताओं ने अपने पसंद के लोगों को दिला कर लोगों को राहत से वंचित कर दिया। लोगों ने सड़क पर टायर जलाकर कर अपना विरोध जताया।

जाम के कारण सड़क पर आवागमन बाधित हो गया, जिसके कारण दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। खबर लिखे जाने तक जाम लगा हुआ था। अधिकारी उसे समझाने में जुटे थे। अधिकारियों ने लोगों को समझाते हुए कहा कि जाम के कारण आपदा राहत कार्यों में भी परेशानी होगी। मालूम हो कि बीते दिनों दरभंगा जिले के कीरतपुर में कोसी नदी का तटबंध टूटने से महिषी अंचल क्षेत्र में जल का स्तर काफी बढ़ गया था। लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

बाढ़ पीड़ितों से मिलने पहुंचे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

दरभंगा (एजेंसियां)। दरभंगा के बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल दरभंगा जिले के गोड़ाबोराम और किरतपुर प्रखंड के बाढ़ पीड़ित इलाको का दौड़ा किया और बाढ़ पीड़ितों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया है। उपमुख्यमंत्री ने किरतपुर के सीओ को कहा कि बाढ़ पीड़ितों को किये जा रहे मदद से वह सन्तुष्ट नहीं हैं।

बाढ़ राहत कार्य और अच्छे तरीके किया जाय। किसी तरह की कोई दिक्कत न हो। शिकायत आने पर कार्रवाई होगी।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने इलाके का दौड़ा किया। इधर, जिला प्रशासन के द्वारा बाढ़ पीड़ितों के हरसंभव मदद किया जाने का दावा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर सूखे फूड पैकेट का बाढ़ पीड़ितों के बीच वितरण किया गया था।

बता दें कि कोसी नदी के जमालपुर के भूभौल गांव में तटबंध टूटने से इलाके हड़कम्प मच गया था। इसके बाद सभी बाढ़ पीड़ितों ने बांध पर शरण लेकर खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। बाढ़ पीड़ितों की मदद को लेकर राजनीति भी तेज हो गई। इसी कड़ी में सबसे पहले पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने किरतपुर प्रखंड के जमालपुर गांव में बुलेट से घूम-घूमकर पीड़ितों को नगद रुपये देकर मदद की थी। उसके बाद मंगलवार की शाम केंद्रीय खाद्य एवं प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान ने भी दरभंगा के किरतपुर प्रखंड का दौड़ा किया था।

दो की जान लेने वाले जंगली भैंस ने फॉरेस्टर और रेंजर को भी किया घायल

मारने के लिए चली 26 राउंड फायरिंग

पटना (एजेंसियां)। सुपौल के बसंतपुर प्रखंड अंतर्गत भगवानपुर पंचायत में बुधवार की सुबह शुरू हुआ जंगली भैंस का आतंक शाम शाम ढलने के साथ ही समाप्त हो गया। जंगली भैंस को शाम करीब 6:30 बजे मार गिराया गया। हालांकि, इससे पहले प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। भैंस को मारने के लिए 26 राउंड गोली फायरिंग की सूचना है। हालांकि इसको लेकर प्रशासन खुल कर कुछ भी बोलने से परहेज कर रहा है। भीमनगर थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने भैंस के मारे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि गोली चली है, लेकिन किसने चलाई, इसकी जानकारी नहीं है। मैंने खुद भी मृत भैंस को देखा है। बता दें कि बीते दिनों नेपाल में हुई अप्रत्याशित बारिश के बाद कोसी नदी उफान पर थी। बाढ़ के पानी के साथ ही कई जंगली जानवर भी बह कर आए हैं।

इसी बाढ़ के पानी में बह कर आए एक जंगली भैंसे ने बुधवार की सुबह भगवानपुर पंचायत में दो लोगों की जान ले ली। मृतकों की पहचान भगवानपुर निवासी 50 वर्षीय भुवनेश्वर मंडल और 25 वर्षीय मुकेश कुमार के रूप में हुई। इधर, घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने सुबह करीब 11 बजे एनएच 106 को जाम कर दिया। ग्रामीणों का प्रदर्शन शाम करीब 6 बजे तक चला। लोग पीड़ित परिजनों के लिए मुआवजा और जंगली भैंसे को तत्काल पकड़ने की मांग कर रहे थे। हालांकि बाद में सीओ और थानाध्यक्ष के आश्वासन पर जाम समाप्त हुआ। जिसके बाद दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया।

इधर, भैंस द्वारा दो लोगों की जान ले लेने के करीब 6 घंटे बाद वन विभाग की टीम रेस्क्यू के लिए घटनास्थल पहुंची। स्थानीय लोगों द्वारा काफी मशक्कत के बाद रेस्क्यू टीम को कोसी तटबंध के इलाके में ले जाया गया। वहां रेस्क्यू टीम ने चॉकलेट बम के अलावा ट्रैक्टर का भी इस्तेमाल किया, लेकिन करीब एक घंटे तक चला प्रयास विफल रहा। इस बीच भैंसे ने स्पर संख्या 4.30 के रास्ते एक बार फिर गांव की ओर दौड़ लगा दी। 500 मीटर लंबे स्पर को भैंसे ने महज पांच सेकेंड में पार कर लिया। भैंसे को दौड़ता देख लोगों में अफरातफरी का माहौल बन गया। वहीं भागने के क्रम में भैंसे ने वन विभाग के फॉरेस्टर उपेंद्र मेहता और रेंजर अजय कुमार ठाकुर को घायल कर दिया। दोनों के पैर में गंभीर चोट है। फिलहाल दोनों का इलाज चल रहा है।

इधर, घटना की सूचना पर सूबे के पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू भी बाइक से घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर जरूरी सहयोग का आश्वासन दिया। इस बीच भैंस को रेस्क्यू करने का प्रयास भी जारी रहा। शाम करीब 6:30 बजे भैंस के मारे जाने की सूचना सामने आई। हालांकि गोली किसने चलाई, इसको लेकर कोई कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। बहरहाल, इस दौरान घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी रही। वहीं भीमनगर के साथ ही वीरपुर और रतनपुर थाने की पुलिस घटनास्थल पर कैंप करती रही।

बिहार में दिनदहाड़े राजद नेता को सीने में मारी गोली, हालत गंभीर

तेजस्वी यादव के करीबी हैं

पटना (एजेंसियां)। मुंगेर में अपराधियों ने राष्ट्रीय जनता दल के वरीय नेता व प्रदेश महासचिव पंकज यादव को गोली मार दी। उनकी हालत गंभीर है। प्राइवेट हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि कासिम बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत हवाई अड्डा मैदान में राजद नेता आज मॉर्निंग वॉक कर रहे थे। इसी दौरान अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी। गोली लगते ही वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। आननफानन में राजद नेता को अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। पुलिस का कहना है कि राजद नेता को एक गोली सीने के पास लगी है। उनका इलाज चल रहा है। घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है। अपराधियों की तलाश में छापेमारी चल रही है। सदर एसडीपीओ ने बताया कि घटना किन कारणों से हुई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। उन्होंने बताया कि राजद नेता को एक गोली दाहिना साइड सीने में लगा है। परिजन द्वारा फर्द बयान के आधार पर प्राथमिक दर्ज कर अपराधी की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस छापेमारी कर रही है।

परिजनों का कहना है कि पंकज यादव हर दिन की तरह सफियाबाद हवाई अड्डा मैदान टहल रहे थे। इस बीच पहले से घात लगाए बाइक सवार अपराधियों ने अचानक गोलियां चला दी। जान बचाने के क्रम में एक गोली उन्हें लगी है। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश फरार हो गए। सूचना मिलते ही सफियासराय, कासिम बाजार और कोतवाली की पुलिस पहुंची है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सदर एसडीपीओ राजेश कुमार अस्पताल पहुंचे और राजद नेता एवं उनके परिजन से घटना के बारे में जानकारी लिया।

इधर, इस घटना के बाद भाजपा प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि मुंगेर की घटना दुखद है लेकिन अपराधी पकड़े जाएंगे। योगी के भय से उत्तर प्रदेश में अपराधियों का क्या हाल है ये किसी से नहीं छिपा है। यूपी में अपराधियों पर चुन चुनकर कार्रवाई हो रही है।

बिहार में एनडीए सरकार भी अपराधियों पर सख्त एक्शन लेती है। हम तेजस्वी यादव की तरह गैर जिम्मेदार नहीं हैं। यहां जनता बाढ़ में डूब रही है और तेजस्वी दुबई में मौज कर रहे हैं।

पत्नी की विदाई कराने गए युवक का पेड़ से लटका मिला शव

छह महीने पहले हुई थी शादी

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले में बंदरा प्रखंड एरिया के हत्या थाना क्षेत्र के महेशपुर गांव में एक युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिला है। बताया जा रहा है कि युवक पत्नी की विदाई करवाने उसके मायके गया हुआ था। जानकारी लगने के बाद मौके पर ही स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मृतक की पहचान समस्तीपुर जिले में पूसा थाना एरिया निवासी राजीव उर्फ दीपक कुमार के रूप में हुई है।

घटना को लेकर बताया जा रहा है कि आम के पेड़ में फंदे से लटका एक युवक का शव मिलने की जानकारी स्थानीय लोगों को मिली। उसके बाद से मौके पर भीड़ उमड़ पड़ी और इस मामले की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर हत्या थाना की पुलिस पहुंचकर कार्रवाई में जुट गई है।

बताया जा रहा है कि मृतक अपने ससुराल महेशपुर में पत्नी की विदाई कराने के लिए बुधवार शाम को पहुंचा था। लेकिन गुरुवार को पेड़ से लटका युवक का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान समस्तीपुर जिले के जगदीशपुर निवासी हरिश्चंद्र साह के पुत्र राजीव कुमार उर्फ दीपक के रूप में हुई है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, युवक की शादी करीब छह महीने पहले हुई थी और अपनी पत्नी की विदाई करवाने के लिए आया हुआ था। मृतक के मौसी पटसारा निवासी सुमित्रा देवी ने बताया है कि राजीव की शादी करीब छह महीने पहले हुई थी। वह अपनी पत्नी की विदाई कराने आया था। आज हम लोगों को जानकारी मिली है कि उसकी मौत हो गई है। राजीव गंभीर किस्म का इंसान था और इसके द्वारा आत्महत्या की बात हमारे समझ से परे है।

मामले में हत्या थाना के एसएचओ शशिरंजन कुमार ने बताया कि एक युवक का संदिग्ध हालात में पेड़ से लटका हुआ शव मिला है।

प्रथम दृष्टआ मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। परिजन का बयान लिया जा रहा है, आगे की कार्रवाई के लिए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराए जाने के लिए मेडिकल कॉलेज में भेजा जा रहा है। सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। मृतक अपने ससुराल में एक दिन पूर्व ही आया हुआ था।

बाढ़ का पानी घट रहा, पर गांवों में तबाही का मंजर जारी

अब कटाव के खतरे से सहमे लोग

गोपालगंज (एजेंसियां)। गोपालगंज में गंडक नदी का जल स्तर लगातार घट रहा है। रविवार को नेपाल के तराई इलाके में भारी बारिश के बाद वाल्मीकिनगर बराज से 5.62 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने पर गंडक नदी में बाढ़ आ गयी थी। जिले के लगभग पांच दर्जन गांव बाढ़ की चपेट में आ गये थे। अब निचले इलाके में फैला बाढ़ का पानी भी गांवों से उतरने लगा है। पानी के घटने के साथ ही गांवों में अभी तबाही का मंजर बरकरार है। पानी के घटने के साथ ही कटाव का खतरा भी गंभीर हो गया है। सदर प्रखंड के कुछ गांवों जगीरीटोला, कठघरवां, मेहंदिया में नदी खेतों को काटते हुए बह रही है। कटाव से गांव के लोगों में नाराजगी दिख रही है। इधर, प्रशासन द्वारा तटबंधों पर निगरानी लगातार किया जा रहा है। बुधवार को अपर समाहर्ता आपदा शादुल हसन, एसडीपीओ डॉ. प्रदीप कुमार रामनगर, पतहारा, जगीरीटोला से लेकर बांसघाट मंसुरिया, बंगरा घाट तक निरीक्षण कर स्थिति का आकलन कर सरकार को रिपोर्ट देते रहे। इतना ही नहीं, जहां भी कोई कमी दिखी, तत्काल मुख्य अभियंता संजय कुमार, बाढ़ संघर्षात्मक बल के अध्यक्ष नवल किशोर सिंह, कार्यपालक अभियंता प्रमोद कुमार को सूचना देकर उसे दुरुस्त कराते दिखे। तटबंधों पर टंडसपुर में इंजीनियर बिक्रम, पतहरा में ऋषभ राज, विशंभरपुर में सहायक इंजीनियर एकता कुमारी की टीम मुस्तैद रही। गांवों में पानी के कम होने से गंडक नदी का पानी अब गांवों से निकलने लगा है। पानी के घटने के बाद भी गांवों में तबाही कम नहीं हो रही है। लोगों के घरों में पानी के घुसने के कारण लोगों के घरों के अनाज, कपड़ा, ओढ़ना-बिछावन नदी में बह चुका है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला, हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com